स्वर्ण महोत्सवी वर्ष 50 1971 – 2021
पांच दशकों की आनंदयात्रा...

पिछले 50 साल से लगातार प्रकाशित पुणे का एकमात्र हिंदी दैनिक

आज का आनंद

खुद बदलो ! दुनिया बदल जायेगी...

पुणे, शनिवार, 18 अप्रैल 2020, पृष्ठ :12, ₹ 7 | वर्ष : 50, अंक : 18 | aajkaanandpapers.com | twitter.com/aajkaanand | facebook.com/aajkaanandhindi/ | पुणे, मुंबई से प्रकाशित

अच्छी खबर है कि...

- आरबीआय द्वारा किए गए फैसलों का उद्योग जगत ने स्वागत किया, कहा- 1 लाख करोड़ का पैकेज उद्योग क्षेत्र के लिए संजीवनी का काम करेगा
- मध्यप्रदेश के उमरिया में पुलिस मार्च का लोगों ने स्वागत किया, जगह-जगह कोरोना योध्दाओं पर फूलों की वर्षा की गई

अर्थव्यवस्था में जान डालने RBI द्वारा 1 लाख करोड़ का पैकेज

नेशनल हाउसिंग बोर्ड को 10 हजार करोड़, सिडबी को 15 हजार करोड़, नाबार्ड को 25 हजार करोड़ मिलेंगे

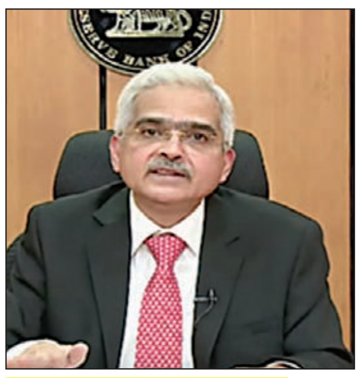

■ RBI गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा– अन्य मदों में 50 हजार करोड़ का निवेश : लोगों को कर्ज आसानी से उपलब्ध कराने रिवर्स रेपो रेट 25 बेसिस प्वाइंट घटाया

- बैंक अपने लाभ से अगले आदेश तक डिविडेंड नहीं देंगे
- कैश का संकट दूर होगा
- दुनिया में बड़ी मंदी का अनुमान : हम इस वक्त सबसे काले दौर में हैं लेकिन धुंध छंटेगी
- PM मोदी व वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा RBI के फैसले की सराहना

मुंबई/नई दिल्ली, 17 अप्रैल (वार्ता/वि.प्र.)

RBI द्वारा 1 लाख करोड़ रुपए के पैकेज का ऐलान किया गया है. RBI गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि नेशनल हाउसिंग बोर्ड को 10 हजार करोड़, सिडबी को 15 हजार करोड़ तथा नाबार्ड को 25 हजार करोड़ रु. दिए जाएंगे. इसके अलावा अन्य मदों में गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों तथा नॉन बैंकिंग फाइनांस कंपनीज में 50 हजार करोड़ का निवेश किया जाएगा. गवर्नर ने बताया कि लोगों को कर्ज आसानी से उपलब्ध कराने रिवर्स रेपो रेट 25 बेसिस प्वाइंट घटा दिया है. बैंक अपने लाभ से अगले आदेश तक डिविडेंड नहीं देंगे. कैश का संकट अवश्य दूर होगा. दुनिया में बड़ी मंदी का अनुमान जताया जा रहा है. हम इस वक्त सबसे काले दौर में हैं, लेकिन धुंध अवश्य छंटेगी. PM मोदी, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने RBI के फैसले को राहत भरा व अर्थ-व्यवस्था में जान डालने वाला बताया.

विस्तार से प्राप्त खबरों में बताया गया है कि कोरोना वायरस संक्रमण के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने दूसरी बार मीडिया को संबोधित किया. शुक्रवार सुबह उन्होंने रिवर्स रेपो रेट में 25 बीपीएस (बेसिस पॉइंट्स) की कटौती की. हालांकि सीआरआर और रेपो रेट में कोई कटौती नहीं की गई है. आरबीआई ने टार्गेटेड लॉन्ग टर्म रेपो ऑपरेशन के तहत एमएफआई और एनबीएफसी को 50 हजार करोड़ की मदद का ऐलान किया है. बैंकों को राहत देने के लिए रिवर्स रेपो रेट को 4% से घटाकर 3.75% किया गया है जबकि रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है. इसके साथ ही, नाबार्ड, सिडबी और नेशनल हाउसिंग बोर्ड (एनएचबी) को 50 हजार करोड़ रुपए की मदद देने की घोषणा की गई है. राज्यों की डब्ल्यूएमए सीमा 60 प्रतिशत बढ़ा दी गई है. बढ़ी हुई यह सीमा 30 सितंबर तक के लिए रहेगी. (शेष पेज 12 पर)

रिवर्स रेपो दर में कटौती से सेंसेक्स 986 अंक और निफ्टी 279 अंक उछला

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के उद्देश्य से लॉकडाउन को तीन मई तक बढ़ाये जाने से आर्थिक गतिविधियों में आयी सुस्ती को दूर कर तीव्र विकास के पथ पर अर्थव्यवस्था को ले जाने के उद्देश्य से रिजर्व बैंक द्वारा रिवर्स रेपो दर में एक चौथाई फीसदी की कटौती किये जाने से बैंकिंग समूह में हुयी लिवाली के बल पर शुक्रवार को शेयर बाजार में तीन फीसदी से अधिक की तेजी रही. बीएसई का सेंसेक्स 986.11 अंक उछलकर 31588.72 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 273.95 अंक चमककर 9266.75 अंक पर रहा. इस दौरान छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली का रुख बना रहा जिससे बीएसई का मिडकैप 2.47 प्रतिशत बढ़कर 11824.07 अंक पर और स्मॉलकैप 2.12 प्रतिशत चमककर 10800.91 अंक पर रहा.

खबरें संक्षेप में

जम्मू–कश्मीर : मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

श्रीनगर, 17 अप्रैल (वि.प्र.) वार्ता

जम्मू–कश्मीर के शोपियां जिले के दायरू में शुक्रवार को सुरक्षाबलों की आतंकियों से मुठभेड़ हो गई. इसमें दो आतंकी मारे गए. दोनों ओर से गोलीबारी हो रही थी. सुरक्षाबलों को खुफिया जानकारी मिली थी कि इलाके में कुछ आतंकी छिपे हुए हैं. इसके बाद सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया. जैसे ही जवान आतंकियों के ठिकाने के पास पहुंचे, उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी. इसके बाद जवानों ने गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया और एक के बाद एक आतंकी को ढेर कर दिया. यह इस साल का 12वां एनकाउंटर है. इससे पहले 11 अप्रैल को कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी. इसमें आतंकी हथियार छोड़कर भाग गए थे.

अंतरिक्ष से तीन यात्रियों की पृथ्वी पर वापसी

न्यूयॉर्क, 17 अप्रैल (वि.प्र./वार्ता)

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से 6 महीने बाद तीन अंतरिक्ष यात्री शुक्रवार को पृथ्वी पर लौट आए हैं. इनमें अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के दो जेसिका मीर और एंड्रयू मॉर्गन और रूस के ओलेग स्क्रिपोचका शामिल हैं. सभी ने रूसी विमान सोयूज एमएस–15 से वापसी की. विमान की पैराशूट लैंडिंग शुक्रवार को कजाखस्तान के दक्षिणी इलाके दज्ञकजगान के एक कस्बे के नजदीक हुई. अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा में मॉर्गन के साथ मिलकर मीर ने बायोलॉजी, अर्थ साइंस, ह्यूमन रिसर्च, फिजिकल साइंस और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट में सैकड़ों एक्सपेरिमेंट्स किए और इनके विकास में योगदान दिया.

10 करोड़ से ज्यादा बच्चों को खसरे का खतरा

न्यूयॉर्क, 17 अप्रैल (वि.प्र./वार्ता)

कोरोना महामारी जिंदगी के हर पहलू को प्रभावित कर रही है. यहां तक कि खसरा (मीजेल्स) जैसी घातक बीमारी के रोकथाम कार्यक्रम में भी यह बाधा बन रही है. दुनियाभर के देशों ने इस समय अपनी पूरी ताकत कोरोना वायरस को फैलने से रोकने में लगा रखी है. इसके चलते दुनिया के 10 करोड़ से ज्यादा बच्चों पर खसरा (मीजेल्स) का खतरा मंडराने लगा है. इसकी वजह यह है कि मैक्सिको, नाइजीरिया और कंबोडिया सहित 24 निम्न और मध्यम आय वाले देशों ने अपने यहां कोरोना के चलते राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रमों को फिर स्थगित कर दिया है.

यूनिसेफ की चीफ इम्यूनाइजेशन डॉ. रॉबिन नंदी ने कहा कि कोरोना प्रसार को कम करने के लिए विभिन्न प्रकार के टीकाकरण कार्यक्रम को थोड़े समय तक तो रोका जा सकता है, लेकिन लंबे समय तक नहीं.

महाराष्ट्र के 20 जिलों में 21 अप्रैल से शुरू होगी इंडस्ट्री

मजदूरों को कारखाने में रहने की व्यवस्था की शर्त : कृषि आधारित उद्योगों को प्राथमिकता

मुंबई, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के अधीन रहकर महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में 20 अप्रैल के बाद उद्योग शुरू हो जाएंगे. महाराष्ट्र सरकार के उद्योग विभाग ने केंद्र सरकार के आदेश के आधार पर राज्य में उद्योग शुरू करने के लिए तैयारी तेज कर दी है. गुरुवार को मंत्रालय में उद्योग मंत्री सुभाष देसाई की अध्यक्षता में उद्योग और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अफसरों की बैठक हुई. देसाई ने विभाग के सचिवों को उद्योग शुरू करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया. देसाई ने कहा कि उद्योग विभाग की ओर से कंपनियों को शुरू करने के लिए तैयार किया गया प्रस्ताव मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा. देसाई ने कहा कि उद्योगों को आर्थिक गति देने के लिए केंद्र सरकार की मार्गदर्शक सूचना

महत्वपूर्ण है. इस पर विचार करते हुए 20 अप्रैल के बाद कुछ हिस्सों में उद्योग शुरू किया जाएगा. देसाई ने कहा कि उद्योग शुरू करने के लिए एक पैमाना तैयार किया गया है. इसके अनुसार जिन इलाकों में कोरोना के कारण प्रतिबंध लागू है ऐसे जगहों पर उद्योग शुरू नहीं किए जाएंगे. उन्होंने उम्मीद जताई की करीब 20 जिलों में उद्योग शुरू हो सकेंगे.

मजदूरों की व्यवस्था करना जारी

देसाई ने कहा कि राज्य के ग्रामीण अंचल में कोरोना का संक्रमण नहीं है. ऐसे जगहों के उद्योग शुरू करने के लिए उद्योग विभाग ने कुछ शर्त और नियम तैयार किए हैं. इसके अनुसार अपने मजदूरों को कारखाना अथवा कंपनी के परिसर में रखने की व्यवस्था करने वाले उद्योगों को काम शुरू करने की अनुमति दी जाएगी. देसाई ने कहा कि जो उद्योग कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए नियमों का पालन करेंगे और कर्मचारियों के लिए परिवहन की व्यवस्था करेंगे. ऐसे उद्योगों को भी अनुमति दी जाएगी. देसाई ने कहा कि एमआईडीसी में लघु उद्योग एक साथ आकर मजदूरों के रहने की व्यवस्था करेंगे तो उद्योग विभाग मदद करेगा.

(शेष पेज 16 पर)

बुखार से शुरू वायरस का संक्रमण अब पैरों तक पहुंचा

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

आमतौर पर चिकनपॉक्स में पैरों पर दिखने वाला जामुनी रंग का घाव भी कोरोना संक्रमण का एक लक्षण हो सकता है. यह दावा इटली और स्पेन के विशेषज्ञों ने किया है. इन दोनों देशों में ऐसे लोग भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए, जिनके अंगूठे में गहरे घाव थे. दुनियाभर कोरोना वायरस के संक्रमण का दायरा बढ़ रहा है, उतना ही लक्षणों में भी बदलाव आ रहा है. पिछले 4 महीने के अंदर कोरोना के 15 से ज्यादा नए लक्षण देखे गए हैं. सबसे खास बात है कि ऐसे मामलों की संख्या बढ़ रही है जिसमें कोरोना के वे आम लक्षण नहीं दिखाई देते जैसे बुखार, मांसपेशियों में अकड़न और सांस में तकलीफ. संक्रमण की शुरुआत में गंध महसूस न कर पाना, सिरदर्द, बोलते–बोलते सुध–बुध खो देना, पेट में दर्द और दिमाग में खून के थक्के जमना. एक्सपर्ट से जानिए, संक्रमण के कौन से लक्षण दिखने पर अलर्ट हो जाना चाहिए.

मिर्च मसाला

तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
मुंबई	33.6	26.6
कोलकाता	35.1	26.1
नई दिल्ली	37.8	25.7
चेन्नई	36.6	26.4
पुणे	39.1	22.0

वेदर ऑफिस – फोन : 25514578

मकान मालिक अपने किराएदारों से न लें तीन महीने का किराया : उद्धव ठाकरे

मुंबई, 17 अप्रैल (वि.प्र./ वार्ता)

कोरोना संकट से निपटने के लिए केंद्र के साथ–साथ राज्य सराकर भी पुरजोर कोशिश में जुटी हुई है. इस बीच महाराष्ट्र सरकार ने लॉकडाउन के कारण फंसे लोगों को लेकर बड़ा ऐलान किया है. महाराष्ट्र सरकार ने आदेश जारी कर कहा है कि कोई भी मकान मालिक अपने किराएदार से तीन महीनें का किराया न लें.

अपने आदेश में उद्धव सरकार ने कहा है कि अगर कोई किराएदार तीन महीने तक किराया नहीं देता है तो भी उसे मकान मालिक घर से नहीं निकाल सकता है. मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से कहा गया है, महाराष्ट्र राज्य आवास विभाग ने मकान मालिक को निर्देश दिया है कि वह अपने किराएदारों से तीन महीने का रेंट न वसूलें. इस अवधि में कोई भी मकान मालिक अपने किराएदारों को घरों

से बाहर न निकालें.

उद्धव सरकार ने राज्य में फंसे मजदूरों की संख्या को देखते हुए यह कदम उठाया है. बता दें कि भारी संख्या में दूसरे राज्य के मजदूर यहां काम करने आते हैं. लॉकडाउन के कारण मजदूर राज्य के अलग–अलग हिस्सों में फंसे हुए हैं. ऐसे में लॉकडाउन के कारण उनके पास रेंट देने के लिए पैसे नहीं हैं. इस कारण उन्हें डर सता रहा है कि मकान मालिक घर से बाहर न निकाल दे. इसी कारण सरकार ने यह फैसला लिया है.

दिल्ली में फीस बढ़ाई तो स्कूलों पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

कोरोना वायरस से पैदा हुए संकट के इस दौर में दिल्ली के निजी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों व उनके अभिभावकों के लिए राहत भरी खबर है. दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को फैसला लिया है कि कोई भी निजी स्कूल बिना सरकार की इजाजत के फीस नहीं बढ़ा सकेगा.

वहीं, मासिक आधार पर सिर्फ ट्यूशन फीस ही लेनी होगी. इसके साथ ही स्कूल प्रबंधन को अपने पूरे स्टाफ को वेतन देना होगा. अगर कोई स्कूल इस फैसले का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ दिल्ली स्कूल एक्ट व राष्ट्रीय आपदा कानून के तहत् सख्त कार्रवाई होगी.

सिसोदिया ने बताया कि उनको शिकायतें मिल रही थीं कि कई निजी स्कूल मनमाने तरीके से फीस ले रहे हैं. इतना ही नहीं, स्कूल बंद होने के बावजूद परिवहन शुल्क भी वसूला जा रहा था.

चीन में संक्रमण से कुल 4632 लोगों की मौत : नए आंकड़े जारी

वुहान, 17 अप्रैल (वि.प्र./वार्ता)

चीन के नेशनल हेल्थ कमीशन की रिपोर्ट के मुताबिक अकेले वुहान शहर में कुल 3 हजार 869 लोगों ने जान गंवाई है. यानी पहले के दावे से करीब 50% अधिक. इस लिहाज से चीन में भी मौत का आंकड़ा बढ़ गया है.

नई रिपोर्ट के मुताबिक चीन में कुल 4 हजार 632 लोगों की मौत हुई है. पहले 3,342 मौत बताई गई थी. चीन ने माना है कि कई मौतों की वजह जानने में गलती हुई है. नई रिपोर्ट में वुहान में संक्रमितों की तादाद भी 325 बढ़ा दी गई है. यह आंकड़ा अब 50 हजार 333 हो गया है. इसी के साथ अब चीन में कुल संक्रमितों की संख्या 82,692 हो गई है.

कोविड–19 प्रिवेंशन एंड कंट्रोल के वुहान मुख्यालय ने कहा है कि आंकड़ों में संशोधन संबंधित नियम और कानून के अनुसार किए गए हैं. अब कोरोना से जुड़ी जानकारी पारदर्शी एवं सार्वजनिक हैं और आंकड़े भी सही हैं.

■ पहले यह आंकड़ा 3342 बताया गया था

केरल की महिला ने जोधपुर में भर्ती बेटे से मिलने 3 दिन में 2700 किमी का सफर तय किया

तिरुवनंतपुरम/भुवनेश्वर, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन की सख्ती के बीच केरल की 50 वर्षीय महिला अस्पताल में भर्ती बेटे से मिलने के लिए राजस्थान के जोधपुर पहुंच गई. इसके लिए उसने कार से 6 राज्यों की सीमा पार करते हुए 2 हजार 700 किलोमीटर की दूरी तय की. इस दौरान गाड़ी में उसके साथ बहू और अन्य रिश्तेदार भी सवार थे. सभी लोग तीन दिन में केरल से राजस्थान पहुंचे.

केरल निवासी सीलम्मा वसन ने न्यूज एजेंसी को बताया कि मेरा बेटा अरुण कुमार (29 साल) बीएसएफ में है. वह इन दिनों जोधपुर में तैनात है. उसे मायोसिटिस (मांसपेशियों की सूजन) की समस्या है, एम्स के डॉक्टरों ने हमें अरुण की हालत के बारे में बताया तो यहां आने का निश्चय कर लिया. फिर तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात होते हुए राजस्थान आ गए.

■ बेटा मांसपेशियों की गंभीर समस्या से ग्रस्त

दूसरी कहानी : *कैंसर मरीज अस्पताल से लौटा तो मालिक ने घर में नहीं घुसने दिया. कोरोना संक्रमण के हॉटस्पॉट में शामिल ओडिशा के बालासोर जिले में रहने वाला एक कैंसर मरीज गुरुवार को इलाज के लिए भुवनेश्वर के अस्पताल गया था. आरोप है कि जब वह घर लौटा तो मकान मालिक ने उसे घर के अंदर नहीं आने दिया. इसके बाद मरीज का परिवार रात में करीब 8 घंटे तक घर के बाहर ही खड़ा रहा. फिर उन्होंने एक रिश्तेदार के घर में शरण ली. अब प्रशासन मकान मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी में है.*

महाराष्ट्र में मृतकों की संख्या बढ़कर 201 हुई

पुणे व मुंबई समेत राज्य के 11 जिले हॉटस्पॉट घोषित : कुल 3202 लोग संक्रमित

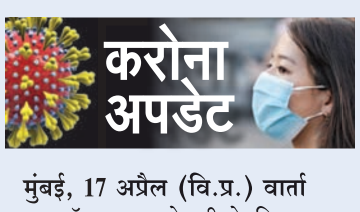

- मुंबई में संक्रमित गर्भवती महिलाओं के लिए अलग अस्पताल बनाया; राज्य में 1 मार्च से 15 अप्रैल के बीच कुल 56, 673 लोगों की कोरोना जांच हुई, इनमें से 52,762 टेस्ट निगेटिव
- राज्य सरकार ने 20 अप्रैल से खेती से जुड़े कामों में ढील देने का फैसला किया, फसल खरीदने वाली संस्थाएं, कृषि उपकरण और बीज बेचने वाली दुकानों को राहत

मुंबई, 17 अप्रैल (वि.प्र.) वार्ता

लॉकडाउन– के तीसरे दिन शुक्रवार को पुणे में कोरोना संक्रमण से 50 साल के व्यक्ति की मौत हो गई. इसके साथ शहर में मरने वालों की संख्या 50 हो गई. वहीं, राज्य में अब तक 201 लोग दम तोड़ चुके हैं. पिंपरी–चिंचवड़ शहर में और चार लोगों के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई है. इनमें आणखी चौघांना कोरोनाची लागण. एक महिला व 4 पुरुष शामिल हैं. इसी के साथ शहर का आंकड़ा 52 हो गया है. इनमें से 12 मरीज ठीक हो गये तथा एक व्यक्ति की मौत हो गई. पुणे व मुंबई समेत राज्य के 11 जिले हॉटस्पॉट घोषित किये गये हैं. उधर, राज्य सरकार ने 20 अप्रैल से खेती से जुड़े कामों में ढील देने का फैसला लिया है. इसके तहत, फसल खरीदने वाली संस्थाएं, कृषि उपकरण की बिक्री और मरम्मत वाली दुकानें, बीज, खाद की दुकानें को कारोबार करने की इजाजत होगी. राज्य में 286 नए संक्रमित मिले.

इसके साथ कुल मरीजों का आंकड़ा बढ़कर 3202 तक पहुंच गया. वहीं, मुंबई में यह आंकड़ा बढ़कर 2073 तक पहुंच गया. यह किसी दूसरे राज्य के कुल मरीजों की संख्या से ज्यादा है.

(शेष पेज 12 पर)

सबसे अधिक मौतें मुंबई में लेकिन सर्वाधिक मृत्युदर पुणे में

राज्य में सबसे अधिक मौतें मुंबई में हुई हैं, लेकिन सर्वाधिक मृत्युदर पुणे में (9.3 प्रतिशत) है. राज्य की मृत्युदर 6.41 फीसदी है. पुणे में लगभग 10 प्रतिशत तक की मृत्युदर सामने आई है यानी मरीजों की तुलना में ज्यादा मौतें पुणे में हुई हैं. पिंपरी–चिंचवड़ सहित पुणे जिले में एक ही दिन में 69 नये कोरोना संक्रमित मरीज पाये जाने से यह संख्या 506 हो गई है. बुधवार शाम तक मुंबई में कुल 111 मरीजों की मौत हो गई है. मुंबई की मृत्युदर 6.3 प्रतिशत है. पुणे के ससून हॉस्पिटल में सबसे ज्यादा 38 लोग मौत का शिकार हो गये.

खबरें संक्षेप में

ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी का मनाया जन्मदिन

नागपुर, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

देश कोरोना महामारी से जंग लड़ रहा है. दिन-रात ड्यूटी कर रही पुलिस इस लड़ाई में अहम भूमिका निभा रही है. ऐसे में सीताबर्डी थाने के एक अधिकारी का जन्मदिन सड़क पर केक काटकर मनाया गया. यह पहला मौका होगा जब किसी पुलिस अधिकारी का इस तरह से सड़क पर केक काटकर जन्मदिन मनाया गया और वायलिन वादन भी किया गया. सीताबर्डी थाने में तैनात पुलिस उपनिरीक्षक गणेश भोयर लॉकडाउन से अभी तक अपने घर नहीं जा सके, वह लगातार ड्यूटी निभा रहे हैं. बुधवार को गणेश का जन्मदिन था. गणेश भोयर, उपनिरीक्षक, सीताबर्डी थाना ने बताया कि मेरी जिंदगी में इस तरह का सरप्राइज पहली बार मिला कि मैं बयां नहीं कर सकता हूं. मैं थानेदार और अन्य साथियों का शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने यह व्यवस्था की है. इस तरह जन्मदिन मनाने का यह पहला अवसर है.

डायलिसिस-कीमोथैरेपी के मरीजों को जल्द मिले रिपोर्ट

मुंबई, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने डायलिसिस और कीमोथैरेपी के मरीजों की कोरोना जांच रिपोर्ट जल्द मिलने के लिए रैपिड टेस्ट की अनुमति देने की मांग राज्य सरकार से की है. बुधवार को ट्वीट करके फडणवीस ने कहा कि डायलिसिस और कीमोथैरेपी का उपचार नियमित रूप से कराना पड़ता है लेकिन ऐसे लोगों को कोरोना वायरस की जांच के बिना डायलिसिस और कीमोथैरेपी नहीं किया जा रहा है. फडणवीस ने कहा कि एहतियातन कोरोना की जांच की सख्ती में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उनकी कोरोना जांच रिपोर्ट जल्दी मिलनी चाहिए. इसके लिए राज्य सरकार को रैपिड टेस्ट की अनुमति देनी चाहिए. फडणवीस ने कहा कि जांच रिपोर्ट देरी से मिलने के कारण नियमित अत्यावश्यक उपचार नहीं मिल पाया तो संबंधित मरीज को स्वास्थ्य की नई समस्या पैदा हो सकती है. गर्भवती महिलाओं के लिए की गई जांच की सख्ती से भी उनके मूल बीमारी के इलाज में देरी हो रही है. फडणवीस ने कहा कि राज्य में कई हॉस्पिटल बंद हैं. इसलिए मरीज अपना इलाज कहां पर कराए. यह भी एक समस्या पैदा हो गई है.

एक सप्ताह में जरूरतमंद बच्चों तक पहुंच जाएगा पूरक पोषण आहार : यशोमती ठाकुर

मुंबई, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

राज्य में आंगनवाड़ी सेविकाओं के माध्यम से वितरित किए जाने वाला पूरक पोषण आहार (टीएचआर) एक सप्ताह में सभी बच्चों तक पहुंचाया जाएगा. बुधवार को प्रदेश महिला व बाल विकास मंत्री यशोमती ठाकुर ने यह जानकारी दी. ठाकुर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से टीएचआर आपूर्ति, आंगनवाड़ी सेविकाओं के मानधन और बाल संस्थाओं के अनुदान वितरण की समीक्षा की. ठाकुर ने कहा कि राज्य में 3 से 6 वर्ष आयु के बच्चों को आंगनवाड़ियों में गरम और ताजा आहार दिया जाता है. लेकिन कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते बच्चों को आंगनवाड़ियों में न बुलाकर उनके घर पर पोषण आहार पहुंचाने का फैसला किया गया. बच्चों के लिए घर पर पोषण आहार पहुंचाने के लिए जिला स्तर पर कार्यवाही शुरू है. ठाकुर ने विभाग के अफसरों को 20 अप्रैल तक पोषण आहार वितरित करने के निर्देश दिए.

एचडीएफसी बैंक का सेफ्टी ग्रिड अभियान पुणे सहित आठ शहरों में शुरू

मुंबई, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

एचडीएफसी बैंक ने सोशल डिसटेंसिंग को प्रोत्साहित और उसे मजबूती प्रदान करने के लिए अपना सेफ्टीग्रिड अभियान शुरू किया है. बैंक ने किसी दुकान या प्रतिष्ठान में कतार में खड़े लोगों को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित सोशल डिसटेंसिंग यानी सामाजिक दूरी बनाए रखने में मदद करने के लिए जमीन पर फिजिकल मार्कर बनाए हैं. कोलकाता में एक सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद, मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता, हैदराबाद, पुणे, चंडीगढ़ और भुवनेश्वर में सेफ्टी ग्रिड अभियान शुरू किया गया है. सेफ्टी ग्रिड को विभिन्न खुदरा दुकानों जैसे कि फार्मेसियों, किराने की दुकानों और एटीएम के लिए अग्रणी स्थान के सामने पेंट किया जाएगा. प्रत्येक ग्रिड को डब्ल्यूएचओ द्वारा तय अधिकतम एक दूसरे से 1 मीटर की दूरी पर बनाया जाएगा. शुरुआत के लिए, सेफ्टी ग्रिड 8 शहरों में 4,000 से अधिक जरूरी सेवाओं के स्टोर पर लागू किया जाएगा. अब तक, इसे 1,750 से अधिक आवश्यक सर्विसेज स्टोर पर लागू किया जा चुका है. इस मौके पर रवि संथानम, मुख्य विपणन अधिकारी, एचडीएफसी बैंक ने कहा कि जरूरत की इस घड़ी में, जब देश महामारी से लड़ रहा है, हमने बैंक के लोगो को उनकी सुरक्षा के लिए, लाखों भारतीयों को जमीन पर रखने का फैसला किया है.

नहीं निभाना चाहते थे हनुमान का रोल, सीरियल में डब की गई थी उनकी आवाज

फिर से पूरी रामायण देखने के बाद ही दारा सिंह ने ली थी अंतिम सांस

इन दिनों रामायण सीरियल की लोकप्रियता सातवे आसमान पर है. इसने सभी बड़े सेटेलाइट चैनल्स को धूल चटाकर दूरदर्शन को फिर से शिखर पर ला दिया है. इसके मुख्य कलाकार एक बार फिर सुर्खियों में हैं. हालांकि अमे

हनुमान का किरदार निभाने वाले दारा सिंह का 2012 में ही निधन हो गया था जबकि बाली-सुग्रीव बने श्याम सुंदर कुछ दिनों पहले ही इस दुनिया से कुच कर गए. करीब 88 बरस के श्याम सुंदर मुंबई की चकाचौंध की दुनिया से दूर हरियाणा के कालका शहर में पत्नी प्रिया कलानी के साथ रह रहे थे. बहरहाल, बात हनुमान जी का किरदार निभाने वाले कुश्ती के विश्व विजेता दारा सिंह की करें तो वे अस शो में हनुमान बनने के बाद इतने लोकप्रिय हो गए कि करीबन सौ हिंदी और पंजाबी फिल्मों में काम करने के बावजूद भी उनकी 'रामायण' में निभाई हनुमान की भूमिका पूरे फिल्म कॅरिअर पर हावी रही.

15 दिन में देखे 78 एपिसोड

'रामायण' दारा जी की जिंदगी में कितनी अहमियत रखती थी इस बारे में उनके पुत्र विंदु ने मुझे बताया था, जब जून 2012 में पिताजी की तबीयत कुछ बिगड़ने लगी तो मैंने उनसे कहा, आपकी कोई भी इच्छा हो मुझे बताऐ. डैड ने कहा मेरी अंतिम इच्छा है मरने से पहले 'रामायण' सीरियल फिर से देख लूं. तू मुझे बस उसकी डीवीडी लगा दे, मैं बस वही देखना चाहता हूं. मैं रोज उन्हें उसकी डीवीडी लगाकर दे देताथा. उन्होंने 15 दिन में 'रामायण' के सभी 78 एपिसोड देख लिए और बोले... 'बस अब मेरी कोई इच्छा नहीं है. यह भगवान राम की ही इच्छा थी कि उन्होंने अपने हनुमान को पास बुला लिया.'

60 की उम्र में निभाया था यह रोल

दिलचस्प यह भी है कि दारा सिंह 'रामायण' सिरीयल में हनुमान की भूमिका नहीं करना चाहते थे. इसके लिए उन्होंने सीरियल के निर्माता- निर्देशक रामानंद सागर को मना कर दिया था. एक बार दारा जी से मेरी फोन पर बात हुई तो उन्होंने बताया, मैंने रामायण सीरियल में हनुमान बनने के लिए मना कर दिया था. क्योंकि तब मेरी उम्र 60 साल में उछल कूद वाला रोल मुझसे हो नहीं पाएगा. लेकिन सागर साहब ने कहा- चिंता मत करो सब हो जाएगा. अब तो इसका मेकअप भी आसान हो गया है. उसे मास्क की तरह बार बार उतारा और पहना जा सकता है. यह रोल मैंने आपसे ही कराना है. सागर साहब की इतनी बात पर मैंने हां कह दी उनसे मेरे पुराने संबंध थे इसलिए चाहकर भी मना नहीं कर सका. फिर बजरंगबली की ऐसी कृपा हुई कि यह रोल अच्छा हो गया.'

यहां यह भी बता दें कि 'रामायण' सीरियल से पहले भी एक बार दारा जी फिल्म 'बजरंगबली' में हनुमान बन चुके थे. साथ ही रामायण के बाद बी आर चोपड़ा के बहुचर्चित सीरियल 'महाभारत' में भी दारा सिंह एक बार फिर हनुमान बने थे. हालांकि 'रामायण' में दारा जी के संवाद किसी और से डब कराए गए थे जबकि 'महाभारत' में हनुमान के रुप में उनकी अपनी ही आवाज सुनने को मिलती है.

सभी मामलों में अंतरिम आदेश की अवधि 15 जून तक बढ़ी

मुंबई, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कोरोना के प्रकोप के चलते सभी मामलों में जारी किए गए अंतरिम आदेश की अवधि आगामी 15 जून 2020 तक के लिए बढ़ा दी है. मुख्य न्यायाधीश बी.पी. धर्माधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया है. जबकि अदालत परिसर में वकीलों व पक्षकारों की भीड़भाड़ को टालने के लिए आगामी 5 मई तक सभी जरूरी मामलों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही करने को कहा गया है. इस संबंध में जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि सभी वकील वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अपने मामलों का उल्लेख करेंगे. वकील मामलों की सुनवाई के लिए ईमेल के माध्यम से आग्रह पत्र भेज सकते हैं. आदेश में साफ किया गया है कि पूरी परिस्थितियों का जायजा लेने के लिए 4 मई को एक बैठक की जाएगी. उसके बाद आगे की योजना बनाई जाएगी.

व्यापारियों के हितों का भी सरकार ध्यान रखे : कानबिहारी अग्रवाल

- अग्रबंधु सेवा समिति के अध्यक्ष ने कहा- व्यापारी वर्ग से सरकार त्याग चाहती है, लेकिन उसके लिए कोई योजना नहीं
- सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की राहत न मिलने पर निराशा जताई

मुंबई, 17 अप्रैल (वि.प्र)

कोरोना महामारी के चलते समूचे देश में जारी लॉकडाउन से आर्थिक तथा कारोबारी ढांचा पूरी तरह से चरमरा गया है. सबसे बुरी स्थिति मध्यमवर्गीय व्यापारियों की है जिनकी ओर न तो केंद्र ध्यान दे रहा है और ना ही राज्य सरकार. देश की अर्थव्यवस्था की इस सबसे अहम धुरी को प्रशासन किसी भी तरह की राहत अथवा सहयोग देने से परहेज कर रहा है. समाजसेवी तथा अग्रवाल एसोसिएट के सीएमडी कानबिहारी अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहले 14 अप्रैल तक और बाद में 3 मई के पार्ट टू तक लॉकडाउन की घोषणा के साथ पूरा देश पुख्तारूप में खड़ा है लेकिन सरकार को यह भी याद रखना चाहिए कि इस अवधि के बाद कंपनी, कारखाने, ऑफिस और दुकान सहित व्यापारिक प्रतिष्ठानों को पुन: काम करना है.

अग्रबंधु सेवा समिति के अध्यक्ष कानबिहारी ने कहा कि पूरे लॉकडाउन में व्यावसायिक प्रतिष्ठान, कंपनी, कारखाने भले ही बंद रहेंगे और कारोबार पूरी तरह से ठप्प रहेंगे लेकिन जिस व्यापारी वर्ग से सरकार त्याग चाहती है, उसके लिए सरकार के पास कोई योजना नहीं है. लाकडाउन के दौरान व्यापारी वर्ग अपने सिर पर तमाम बोझ लिए गुजारा कैसे करेगा, इसकी चिंता सरकार को कतई नहीं है. उन्होंने व्यापारियों को सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की राहत न मिलने पर निराशा जताई है.

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस को वैश्विक आपदा बताते हुए लॉकडाउन के दौरान किसी भी कर्मचारी को नौकरी से न निकालने तथा उनके वेतन में किसी भी प्रकार की कटौती न करने के निर्देश दिए हैं जिसके मुताबिक कर्मचारियों और मजदूरों का वेतन चालू है लेकिन दूसरी ओर इसी सरकार ने बिजली के बिल, आफिस तथा दुकान के किराए, विभिन्न तरीके के टैक्स, बैंक के ब्याज, जीएसटी, पीएफ, ईएसआईसी, संपत्ति कर सब कुछ जारी रखा है और वसूली के लिए मांग बरकरार है.

विभिन्न स्वरूप में लॉकडाउन की यह स्थिति निश्चित रूप से अगले कुछ महीने तक जारी रहेगी और इसके बाद इससे उबरने में मझोले व्यापारी को 6-9 महीने से लेकर दो वर्ष तक का समय लग सकता है. व्यापारी वर्ग इस मझधार की स्थिति से कैसे उबरेगा इसका सरकार के पास कोई रोडमैप नहीं है और ना ही उसके कोई संकेत मिल रहे हैं.

पश्चिम रेलवे द्वारा मिशन फूड ड्रिस्ट्रीब्यूशन के तहत 1.25 लाख पैकेट वितरित

मुंबई, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

मिशन फूड डिस्ट्रीब्यूशन के तहत आईआरसीटीसी के वेस्टजोन में 29 मार्च से 13 अप्रैल तक पिछले 16 दिनों के दौरान दाल, खिचडी, अचार और अन्य पदार्थों के 2,05,617 फूड पैकेट का वितरण किया गया. जिन्हें पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद तथा मध्य रेल के भुसावल और पुणे तथा पश्चिम मध्य रेलवे के इटारसी स्थित कुल 5 बेस किचनों में तैयार किया गया. इनमें से एक बड़ा हिस्सा 1.15 लाख भोजन के पैकेट पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के आसपास स्थित जरूरतमंद लोगों में वितरित किया गया.

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी रवींद्र भाकर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय लॉकडाउन के कारण गरीब और जरूरतमंद लोगों में यह फूड पैकेट वितरित किए गए. यह वितरण आईआरसीटीसी ने 14 अप्रैल को भी जारी रखा. पश्चिम रेलवे के वाणिज्यिक और आरपीएफ कर्मचारियों के साथ विभिन्न एनजीओ जैसे सलाम बॉम्बे, जायंट्स ग्रुप, फ्यूचर फाउंडेशन, घाटकोपर वेलफेयर ट्रस्ट तथा एंजिल्स सहित मुंबई और अहमदाबाद के गैर सरकारी संगठनों की सहायता से मुंबई के बेस किचन से 5200 विशेष पोहा तथा अहमदाबाद के बेस किचन से 2500 फूड पैकेट वितरित किए गए. इसके अलावा पश्चिम रेलवे अपने सभी छह डिवीजनों में रेलवे स्टेशन के आसपास रहने वाले जरूरतमंदों के भोजन वितरण के लिए व्यवस्था जुटा रही है. 14 अप्रैल को भावनगर में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अध्यक्षा प्रेरणा गोस्वामी और उनकी टीम ने भावनगर कॉलोनी और उसके आउट हाउस में रह रही घरेलू काम करने वाली महिलाओं को 25 भोजन की किट वितरित की. इसके अलावा भावनगर ईकाई द्वारा स्कूली शिक्षकों द्वारा बनाए गए कपड़े के मास्क का भी वितरण किया गया. इसी तरह राजकोट में गुरुनानक ट्रस्ट, जलाराम सेवा ट्रस्ट और रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से खाद्य पैकेट वितरित किए गए.

उद्योगपतियों के साथ पूर्व सीएम फडणवीस ने की चर्चा

मुंबई, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने उद्योगपतियों से कहा कि कोरोना के संकट के समय पैदा होने वाली अनेक समस्याओं पर हम सभी लोग मिलकर मात कर रहे हैं. फडणवीस ने विश्वास जताते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे ही मात देकर हर क्षेत्र में फिर से दोबारा खड़े होने के लिए सामूहिक प्रयास करेंगे. बुधवार को फडणवीस ने ई-संवाद के माध्यम से विभिन्न उद्योगपतियों से चर्चा की. फडणवीस ने उद्योगपतियों से लॉकडाउन के दौरान होने वाली मुश्किलें और आगामी समय के लिए अपेक्षित उपाययोजना के संबंध में जानकारी हासिल की.

इस दौरान उद्योगपतियों ने अपने विचार व्यक्त किए. फडणवीस के साथ महिंद्रा एंड महिंद्रा के डॉ. पवन गोयनका, फिनिक्स मार्केटसिटी के अतुल रूईया, रेमंड समूह के गौतम सिंघानिया, रहेजा समूह के रवि रहेजा, फिल्म निर्माण क्षेत्र से सिद्धार्थ रॉय कपूर, नमन समूह के जयेश शाह, एल एंड टी के अनुप सहाय, फ्यूचर ग्रुप के किशोर बियानी समेत अन्य उद्योगपतियों से चर्चा की.

मेडिकल जांच के बाद राज्य में यात्रा कर सकते हैं मजदूर!

मुंबई, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

लॉकडाउन के चलते फंसे मजदूरों की मेडिकल जांच के बाद क्या उन्हें राज्य के भीतर ही अपने इलाकों में जाने की अनुमति दी जा सकती है? बुधवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को इस सुझाव पर विचार करने को कहा है. हाईकोर्ट में प्रवासी मजदूरों व राज्य के दिहाड़ी मजदूरों की समस्याओं को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई चल रही है.

न्यायमूर्ति आरके देशपांडे ने याचिका पर गौर करने के बाद कहा कि राज्य सरकार लॉकडाउन में फंसे महाराष्ट्र के मजदूरों की कोरोना जांच कर उन्हें अपने इलाकों में जाने की अनुमति देने पर विचार करे. क्योंकि जांच के बाद यह तय हो जाएगा कि वे संक्रमण के साथ अपने गृहग्राम नहीं जा रहे हैं. इससे ग्रामीण इलाकों में कोरोना के प्रसार को रोका जा सकेगा. यदि ऐसा होता है तो, इससे प्रशासन पर भी काम का बोझ कम होगा.

इस दौरान राज्य के महाधिवक्ता आशुतोष कुम्भकोणी ने न्यायमूर्ति को आश्वस्त किया कि मजदूरों से जुड़े मुद्दों को देखने के लिए बनाई गई राज्य स्तरीय कमेटी कोर्ट के उपरोक्त सुझाव पर विचार करेगी. उन्होंने यह भी कहा कि कमेटी प्रवासी मजदूरों व दिहाड़ी मजदूरों के भोजन, पानी, रहने व दवाएं उपलब्ध कराने को लेकर भी कार्य कर रही है. सरकार मजदूरों के हित को सुरक्षित करने के लिए हर संभव कदम उठाएगी. इस बात को जानने के बाद न्यायमूर्ति ने कहा कि सरकार प्रवासी मजदूरों का सर्वेक्षण कर उनकी सूची बनाए. जब तक यह सूची नहीं तैयार होगी तब तक अलग-अलग राज्यों से आए मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक निर्देश नहीं जारी किए जा सकेंगे. न्यायमूर्ति ने कहा कि इस विषय पर राज्य सरकार केंद्र सरकार के साथ समन्वय बनाकर कार्य करे. क्योंकि कोरोना आज सिर्फ एक देश की समस्या नहीं है पूरा विश्व इस बीमारी से जूझ रहा है.

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मजदूरों को सुविधाएं नहीं मिल रही हैं. इस बात को जानने के बाद न्यायमूर्ति ने कहा कि सरकार मजदूरों की परेशानी को देखने के लिए तहसील स्तर पर कमेटी बनाए.

कोई अकेला कहां, साथ है सारा जहां

जिंदगी

रोनू मजूमदार
मशहूर बांसुरी वादक

आज पूरा विश्व बहुत बड़ी महामारी से जूझ रहा है. इस वक्त हमें यह नहीं देखाना कि हम कितनी तकलीफ झेल रहे है, बल्कि यह देखना है कि हमारे आसपास अगर कोई मुसीबत में है, तो उसको कि स तरह मदद पहुंचाई जाए, किस तरह उसकी राशन या धन से मदद की जाए. चाहे भावनात्मक मदद ही क्यों न हो, आप उसकी सहायता जरूर करें, लेकिन लॉकडाउन का पालन करते हुए. घर पर रहकर ध्यान (मेडिटेशन) करें. यह आत्मा से जुड़ने का समय है. बाहर जाकर मुसीबत बढाने या कमियां निकालने का समय नहीं है. यह वक्त हाथ से हाथ मिलाकर चलने का है. जो लोग दैनिक मजदूरी करते है और सोशल डिस्टेंसिंग के कारण दूसरों से दूर रहने की प्रक्रिया को झेल रहें है, उनके लिए यह बहुत मुश्किल समय है. उन सबकी मुसीबतों को समझें. अगर आपके पास धन है, तो उनकी मदद करें. यही सबसे बड़ी पूजा है.

भारत संतो की भूमि है. यहां संतो का आशीर्वाद पूरे जनमानस पर है. बस, आप दिए गए आदेशों का पालन करें. हम कलाकारों पर भी बहुत बड़ी मुसीबत आई है, क्योंकि किसी अन्य व्यवसाय में तो घर से ऑनलाइन भी काम कर सकते है, मगर हम लोग कार्यक्रम तभी कर सकते हैं या कर पाएंगे, जब सभी लोग एक-साथ मिलकर बैठेंगे. तो आप सोचिए कि जब लोग एक-दूसरे से दूरी बनाकर रखेंगे, तो हम कैसे किसी के लिए बजाऐंगे. इस समय हम लोग घर में बैठकर मां सरस्वती की साधना कर रहें है. अपने संगीत को बेहतर बना रहे हैं, ताकि सब कुछ ठीक होने के बाद मन को छू जाने वाला और शांति देने वाला संगीत सुनने को मिले.

इस वक्त सरकार पर इतना बड़ा बोझ है कि वह जितना प्रयास कर रही है, वह काफी नहीं है. ऐसे में हमें भी उसका साथ देना है, ताकि वह इतनी बड़ी लड़ाई में अकेली न पड़ जाए. एक अकेला थक जाएगा, मिलकर हाथ बढ़ाना हमें इस बात को समझना है. हम जाति-भेद , ऊंच-नीच, अमीर-गरीब मध्यम वर्ग, इन सबको छोड़कर उस असली धर्म को समझें, जो दया करने से उत्पन्न होता हैं. आप सभी के साथ हम कलाकार भी हैं और आप सब हमारे साथ हैं.

कोई अकेला कहां, कोई अकेला कहां....
साथ है सारा जहां, तो कोई अकेला कहां....

इस वक्त लोग जानना चाह रहें हैं कि हम कलाकार घर पर क्या कर रहें है? मैं नए-नए रागों पर शोध और प्रयोग कर रहा हूं साथ ही योग-साधना में भी अपना समय व्यतीत कर रहा हूं. वहीं जो भी मुझसे मिलने का समय मांग रहा है, उसे मैं मना कर दे रहा हूं, क्योंकि यह समय लोगों से मिलने का नहीं है. यह समय अपने आप से बात करने का है. व्यस्त दिनचर्या के कारण जो काम आपने जीवन में नहीं किए, उस काम को करने का है. मेरे देश-विदेश के सारे प्रोग्राम कॅन्सल हो चुके है. लेकिन इसका मुझे कोई दुख नहीं हैं, क्योंकि मेरी तरह आप सब भी इससे जूझ रहे हैं. मैं जानता हूं कि बहुत जल्द ईश्वर हमें इस मुसीबत से बचाएगा और फिर से हमें मौका देगा कि मैं आप सबके बीच में जाकर बांसुरी वादन कर सकूं.

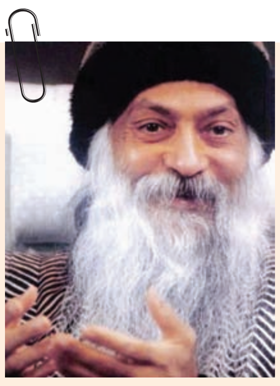

"लोग सोचते हैं स्त्रियां कमजोर हैं, इसलिए पुरूषों ने उन्हें दबा लिया. यह बात गलत है. मेरा सोचना कुछ और है. पुरूष स्त्री से डरा हुआ है और इसलिए उसे दबाना जरूरी हो गया. स्त्री शिक्षित हो जाए तो अड़चन. तुम जाकर यूनिवर्सिटी में देख सकते हो. जहां भी स्त्रियां और पुरूष साथ पढ़ रहे हैं वहां स्त्रियां ज्यादा पुरस्कार पाती हैं, ज्यादा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होती हैं, ज्यादा गोल्ड-मेडल पाती हैं. क्योंकि स्त्री में एक तरह की एकात्मकता है. वह जिस काम में लग जाती है, पूरी डूब जाती है. वह उसका गुण है, क्योंकि उसे मां बनना है और बच्चे पर उसे एकाग्र रूप से अपनी सारी ऊर्जा न्यौछावर करनी होगी. तो वह उसकी सहज स्वाभाविकता है. अगर वह किसी कला को सीखने में लगती है तो पूरा अपने को उसमें उंढ़ेल देती है. पुरूष उससे डरता है, सदियों से डरता रहा है. और सबसे पहले उसने जो उपाय किए, वे यह थे कि स्त्री को शिक्षा न दी जाए. शिक्षा नहीं देने का मतलब होता है, शास्त्र मत पढ़ने दो, उपनिषद मत पढ़ने दो-तो सदा निर्भर रहेगी पुरूष पंडितों पर.

जहां निंदा है वहां संतत्व का कोई उपाय नहीं

संत निंदा नहीं करता और बदलता है. संत बुरा नहीं कहता और बदलता है. संत बदलता नहीं और बदलता है. संत के होने में कीमिया है; उसकी सारी अल्केमी उसके अस्तित्व में है. वह आश्वस्त करता है कि तुम बुरे नहीं हो.

जहां निंदा है वहां संतत्व के होने का कोई उपाय नहीं. और जिस क्षण तुमने दूसरे को नीचे रखा और दूसरे की निंदा की, उसी क्षण तुमने दूसरे को बदलने के सब द्वार बंद कर दिए. अब तो संभावना यह है कि तुमने जितना नीचे उस आदमी को रखा है वह उससे और भी नीचे गिर जाए, और तुमने जितनी उसकी निंदा की है वह उससे भी ज्यादा निंदित होने के योग्य हो जाए. क्यों? क्योंकि हम जो भाव किसी दूसरे व्यक्ति की तरफ बनाते हैं वह भाव उसे चारों तरफ से घेरने लगता है.

अगर एक व्यक्ति को सारे लोग बुरा मानते हों तो वे उसके बुरे होने में सहयोगी हो रहे हैं. क्योंकि वे उसके चारों तरफ बुरी तरंगों को निर्मित कर रहे हैं. वे उस व्यक्ति को निकलने न देंगे उन तरंगों के बाहर. अगर वह व्यक्ति कुछ अच्छा भी करेगा तो भी वे कहेंगे कि अभी पूरी बात पता चल जाने दो, यह अच्छा कर ही नहीं सकता. इसका मतलब जरूर कुछ बुरा रहा होगा. या यह भी हो सकता है कि यह करना तो बुरा चाहता रहा हो, अच्छा हो गया हो. यह दुर्घटना मालूम होती है. तुम जिस आदमी को बुरा मानते हो उसमें से तुम अच्छा देख ही नहीं सकते.

अगर तुम किसी बुरे आदमी को बुरा न मानो, तभी सुधार का रास्ता खुलता है. इसलिए संत बुराई को तो मिटाता है, लेकिन बिना बुरे को बुरा माने. इसलिए मिटाना कोई कृत्य नहीं है उसका. वह बुरे को भी स्वीकार करता है, अंगीकार करता है. उसके अंगीकार करने में ही बुरे को पहली दफा अपने आत्मभाव का स्मरण होता है.

एक चोर संत के पास आता है; संत उसे अंगीकार कर लेता है. चोर को पहली दफा यह बोध आता है कि मैं भी इस योग्य हो सकता हूं क्या? क्या मेरी यह भी पात्रता है? और चोर को यह भी बोध आता है कि जब संत ने इतने सरल भाव से स्वीकार कर लिया है तो अब चोरी करनी बहुत मुश्किल है. अब यह जो आस्था संत ने दी है उसे, यह आस्था ही उसके लिए चोरी से विपरीत जाने के लिए सब से बड़ा सबल आधार हो जाएगा. यह जो सहज स्वीकार किया है संत ने, इस स्वीकार में ही रूपांतरण है.

संत निंदा नहीं करता और बदलता है. संत बुरा नहीं कहता और बदलता है. संत बदलता नहीं और बदलता है. संत के होने में कीमिया है; उसकी सारी अल्केमी उसके अस्तित्व में है. वह आश्वस्त करता है कि तुम बुरे नहीं हो.

सहज होने का क्या अर्थ 'जानवर बनना नहीं'

सहज होने का अर्थ है: जो-जो तुम मन के द्वारा करते रहे हो...समझो, जैसे तुम क्रोधी हो और मन के द्वारा तुमने किसी तरह क्रोध को दबा रखा है; करुणा असली नहीं है, ऊपर से थोपी, ऊपर-ऊपर है, रंगी-पुती; ऊपर से करुणा दिखाते हो, भीतर से क्रोधी हो- इससे तुम्हारे जीवन जीवन में क्रांति न घटित होगी. इससे तुम थोथे के थोथे, पाखंडी के पाखंडी बने रहोगे. मैं तुमसे कहता हूं, क्रोध को दबाओ मत, क्रोध को समझो. क्योंकि समझ के द्वारा एक ऐसा मौका आता है, एक ऐसा क्षण आता है कि क्रोध से तुम मुक्त हो जाते हो तो तुम्हारे भीतर करुणा का आविर्भाव होता है. उसको मैं सहजता कह रहा हूं. अक्सर तुम मेरी सहजता से अपने अर्थ लगा लेते हो. वह भी मैं जानता हूं. इसलिए ये बातें बड़ी खतरनाक हैं कि जब मैं कहता हूं सहज हो जाओ तो तुम्हारे मन में यही उठता है, तो फिर हो जाओ जानवर! तुम्हारी तकलीफ भी मैं समझता हूं. क्योंकि तुमने सहज होने का और तो कोई ढंग जाना नहीं. सहज होने का तुम्हारे लिए एक ही मतलब होता है कि मन को हटाया कि गए नर्क, कि हुआ कुछ उपद्र०. किसी तरह अपने को सम्हाले हैं, नहीं तो कभी का पड़ोसी की पत्नी को ले भागे होते. अब ये कह रहे हैं, सहज हो जाओ. मैं भी जानता हूं, जब तुम सुनते हो कि सहज हो जाओ, तब तुम्हारे सामने सवाल उठता है: तो फिर क्या करना? कैशियर हैं कहीं, ले भागे?फ किसी को मारने की कई दिन से योजना बनाते थे, मारते थे नहीं कि यह बात अच्छी नहीं, अब सहज हो गए- हत्या कर दें? चोरी कर लें, बेईमानी कर लें? क्या कर लें?

जैसे ही मैं कहता हूं सहज हो जाओ, तुम्हारे मन में जो बातें उठती हैं, उन बातों को ठीक से समझना. उन बातों को ही तुमने दबा रखा है मन के द्वारा.

जब मैं तुमसे कहता हूं सहज हो जाओ, तब घंटे भर बैठ जाना और इस बात पर ध्यान करना कि अगर मैं सहज हो जाऊं तो मैं क्या-क्या करूंगा. लिख लेना फेहरिश्त बना कर. उससे तुम्हारे मन के संबंध में बड़ी अदभुत बातें तुम्हें समझ आएंगी कि ये सब बातें जो तुम करना चाहते हो सहज हो कर, ये तुम्हारे भीतर दबी पड़ी हैं, यह तुम्हारा मवाद है, ये तुम्हारे घाव हैं. मैं तुम्हें पशु होने को नहीं कह रहा हूं. जब मैं तुमसे कह रहा हूं, सहज हो जाओ, तो मैं यह कह रहा हूं: दबाओ मत, समझो. अगर क्रोध दबा पड़ा है भीतर तो समझो कि क्रोध क्या है! क्रोध पर ध्यान करो. क्रोध को ऐसा भीतर-भीतर हटा कर अंधेरे में मत सरकाओ. उसे तलघरे में मत डालो, रोशनी में लाओ. क्योंकि रोशनी पड़ेगी क्रोध पर तो क्रोध विसर्जित हो जाएगा.

विशिष्ट उम्र के बाद वजन बढ़ना शुरू होता है

एक बड़ी समझने की बात है, लोगों की मोटाई और शरीर का वजन बढ़ना शुरू होता है कोई पैंतीस साल की उम्र के करीब. कारण क्या है?

पैंतीस साल की उम्र के करीब शरीर का वजन बढ़ना शुरू होता है. कारण सीधा है. पैंतीस साल के पहले तक आदमी शिखर की तरफ जा रहा था जवानी के. उसे ज्यादा से ज्यादा भोजन की जरूरत थी. पैंतीस साल तक उसने जिस तरह भोजन किया वह उसकी आदत बन गई. अब पैंतीस साल के बाद जीवन की गाड़ी तो उतरने लगी पहाड़ से नीचे, उतार शुरू हो गया. और आदत खाने की उसने पुरानी जारी रखी.

अब उतना खाना पचता नहीं. अब उतने खाने की शरीर को जरूरत ही नहीं, क्योंकि शरीर अब मरने की तैयारी कर रहा है. जब शरीर जीने की तैयारी कर रहा था तब ज्यादा भोजन की जरूरत थी. अब तो मरने की तैयारी कर रहा है. अब तो शरीर को धीरे-धीरे-धीरे भोजन को छोड़ने की तैयारी करनी है. भोजन रोज कम होता जाएगा.

इसलिए पैंतीस और चालीस साल के बीच लोगों के जीवन में असुविधा आती है. खाने की आदत पुरानी है; वे आदत को जारी रखते हैं. जितना खाते थे उतना ही खाते हैं.

वे कहते हैं, इतना हम सदा से खाते रहे हैं, और कभी गड़बड़ न हुई; आज क्यों गड़बड़ हो रही है? आज तुम बदल गए हो. तुम जो सदा से थे वह अब तुम नहीं हो.

अब जीवन उतर रहा है. अब घाट से नीचे जा रहे हो. अब जरूरत नहीं है इतनी. इसलिए हार्ट अटैक कोई चालीस साल के करीब घटता है.

हृदय पर दौरे पड़ने शुरू हो जाते हैं. क्योंकि तुम इतना बोझ चरबी का बढ़ा रहे हो हृदय पर जितना वह नहीं झेल सकता. पैंतीस साल के साथ, तुम्हें अगर थोड़ी भी सम्यक जागरूकता हो, तो तुम खुद ही अपने भोजन को कम करते जाओगे.

जीवन की समस्या और समाधान 'एक' ही है

खरोखश तो उठे रास्ता तो चले
मैं अगर थक गया काफिला तो चले
चांद सूरज बुजुर्गों के नक्शे कदम
खैर बुझने दो इनको, हवा तो चले
हाकिमे शहर, यह भी कोई शहर है
मस्जिदें बंद हैं, मयकदा तो चले
बेलचे लाओ, खोलो जमीं की तहें
मैं कहां दफ्न हूं, कुछ पता तो चले

आदमी के जीवन की समस्या एक, समाधान भी एक. आदमी के जीवन में बहुत समस्याएं नहीं हैं और न बहुत समाधानों की जरूरत है. एक ही समस्या है कि मैं कौन हूं? और एक ही समाधान है कि इसका उत्तर मिल जाए. जीवन की सारी समस्याएं इस एक समस्या से उठती हैं. यह एक समस्या जड़ है.

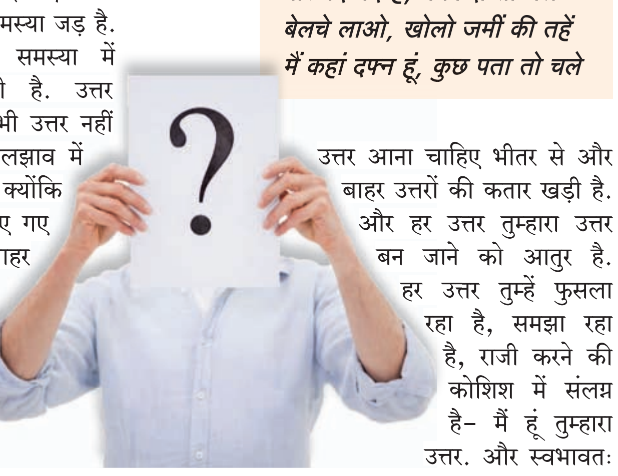

और इस समस्या में उलझाव भारी है. उत्तर खोजने वाले भी उत्तर नहीं खोज पाते, उलझाव में भटक जाते हैं. क्योंकि बहुत उत्तर दिए गए हैं. और बाहर से दिया गया कोई भी उत्तर काम नहीं आता. उत्तर आना चाहिए भीतर से और बाहर उत्तरों की कतार खड़ी है. और हर उत्तर तुम्हारा उत्तर बन जाने को आतुर है. हर उत्तर तुम्हें फुसला रहा है, समझा रहा है, राजी करने की कोशिश में संलग्न है- मैं हूं तुम्हारा उत्तर. और स्वभावतः जिसके भीतर समस्या खड़ी हो वह किसी भी उत्तर को पकड़ने लगता है. कहते हैं न कि डूबते को तिनके का सहारा भी बहुत मालूम होता है. हालांकि तिनकों के सहारे कोई कभी बचता नहीं. लेकिन डूबते आदमी के पास तिनका भी आ जाए तो उसी को पकड़ लेता है.

ऐसे ही तुमने बहुत तिनके पकड़ लिए हैं. उन तिनकों के पकड़ने से तुम बचोगे नहीं. नाव तुम्हारे भीतर है. जहां से समस्या उठी है, वहीं समाधान छिपा है. समस्या के भीतर ही उतरना है तो समाधान मिलेगा. प्रश्न भीतर और उत्तर बाहर, अगर ऐसा होता तो सभी को उत्तर मिल गए होते. प्रश्न भी भीतर है और उत्तर भी भीतर है. इसलिए जो भीतर जाते हैं वे ही उत्तर पाते हैं.

तो पहला ध्यान रखना, मैं कौन हूं, शास्त्रों से इसका उत्तर मत ले लेना अन्यथा तुम सदा को भटक जाओगे. मैं कौन हूं, इसका उत्तर स्वयं से लेना है.

हास्य ध्यान

पत्नी – जब मैं शादी करके यहां आई थी तो घर में बहुत मच्छर थे,
अब तो बिल्कुल भी मच्छर नहीं हैं...
ऐसा क्यों?

पति – हमारी शादी होने के बाद मच्छरों ने यह कहकर मेरा घर छोड़ दिया अब तो परमानेंट खून पीने वाली आ गई है, हमारे लिए तो बचेगा ही नहीं!

एक अंकल ने एक बच्चे से पूछा- पढ़ाई कैसी चल रही है?

बच्चे ने जवाब दिया- अंकल, समंदर जितना सिलेबस है, नदी जितना पढ़ पाते हैं, बाल्टी भर याद होता है, गिलास भर लिख पाते हैं, चुल्लू भर नंबर आते हैं, उसी में डूब कर मर जाते हैं!

क्या है अद्भुत प्रतिभा का रहस्य ?

मरते वक्त जो आखिरी खयाल होता है, वह गर्भ में जाते वक्त पहला खयाल हो जाता है. क्योंकि मौत भी एक लंबी नींद है. अगर तुम धन की वासना में मरे तो बस पैदा होते से ही धन की वासना तुम्हें फिर पकड़ लेगी. इसलिए तो बच्चो-बच्चों में इतना भेद है. कोई छोटा बच्चा ही संगीत में ऐसा कुशल हो जाता है कि भरोसा नहीं आता.

बीथोवन के संबंध में कहा जाता है कि जब वह सात साल का था तो उसने अपने देश के बड़े-बड़े संगीत महारथियों को पानी पिला दिया. सात ही साल का था! तो हम कहते हैं प्रतिभाएं हैं ऐसे लोगों को. लेकिन सात साल के बच्चे में यह प्रतिभा आकस्मिक नहीं है, क्योंकि न बाप संगीतज्ञ थे, न मां संगीतज्ञ थी, न घर का वातावरण संगीत का था. सच तो यह है बाप भी खिलाफ था, मां भी खिलाफ थी, परिवार भी खिलाफ था- कि यह क्या दिन-रात मचा रखा है. पढ़ना-खिलाफ थी, परिवार भी खिलाफ था- कि यह क्या दिन-रात मचा रखा है. पढ़ना लिखना है कि नहीं? होमवर्क करना है कि नहीं? और बीथोवन है कि लगा है अपनी धुन में! सात वर्ष की उम्र में ऐसी अनूठी प्रतिभा!

वैज्ञानिकों के पास और सुलझाने समझाने का उपाय भी नहीं है. लेकिन हमारे पास उपाय है. यह मरते क्षण संगीत को ही पकड़कर मरा होगा. शायद मरते वक्त भी इसके हाथ में वाद्य रहा होगा. शायद मर जाने के बाद ही इसके हाथ से वाद्य छीना गया हो.

बुद्धि कसौटी नहीं है

बुद्धि कसौटी नहीं है अस्तित्व की. जीवन में तुम ऐसी बहुत सी बातों को जानते हो जो बुद्धि के बाहर हैं- जैसे प्रेम. तुम्हारा किसी स्त्री से प्रेम हो गया, किसी पुरुष से प्रेम हो गया. बुद्धि के भीतर इसमें कुछ भी नहीं है. बुद्धिमान से बुद्धिमान आदमी जब प्रेम में पड़ता है तो वैसे ही प्रेम में पड़ता है जैसे मूढ़ से मूढ़ आदमी पड़ता है. कुछ भेद नहीं होता.बुद्धिमान से बुद्धिमान आदमी वैसा ही पगला जाता है प्रेम में, जैसा बुद्धू पगला जाता है. इसलिए तो प्रेम को बुद्धिमान अंधा कहते हैं. समझदार प्रेम को नासमझी कहते हैं. लेकिन प्रेम है, इसे तो इनकार न कर सकोगे. बुद्धि के बाहर है, फिर भी है. बुद्धि की पकड़ में नहीं आता, फिर भी है. बुद्धि परिभाषा नहीं कर सकती कि क्या है, फिर भी है. ऐसी ही प्रार्थना है, ऐसा ही परमात्मा है. वे प्रेम के ही और-और ऊंचे रूप हैं. वहां बुद्धि की कोई गति नहीं है. इसलिए उन लोगों को अगम कहा है. जिस व्यक्ति को यह अनुभव शुरू हो जाता है कि मेरी बुद्धि जहां तक ले जाती है वहां अस्तित्व समाप्त नहीं होता, अस्तित्व आगे भी फैला है, आगे भी गया है, तब गुरु की जरूरत अहसास होती है. तो किसी ऐसे का हाथ पकड़ूं जो आगे गया हो. बुद्धि जहां तक ले आई, ठीक. मैं बुद्धि का दुश्मन नहीं हूं. बुद्धि जहां तक ले जाए वहां तक बुद्धि के साथ जाना. लेकिन जहां बुद्धि कहे कि बस अब मेरी सीमा आ गई, वहीं मत रुक जाना; उसके आगे बहुत कुछ है. असली उसके आगे है. मूल्यवान उसके आगे है. परम उसके आगे है.

धर्म का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न एक ही है - मैं जागा या सोया हुआ हूं ?

हम सब सोए हुए हैं. दुनिया में कोई तीन सौ धर्म बना लिए हैं सोए हुए लोगों ने. नींद में ही हम लड़ते भी हैं, हत्या भी करते हैं, मस्जिद में आग लगाते हैं, मंदिर की मूर्ति तोड़ते हैं, किताबें जलाते हैं, न मालूम क्या-क्या करते हैं, और यह सारा उपद्रव चलता रहता है और नींद में हम बड़े-बड़े मेटाफिजिकल प्रश्न उठाते हैं और उनका निर्णय लेना चाहते हैं- स्वर्ग कैसा है? नरक कैसा है? जो लोग भावनगर की भूगोल भी ठीक से नहीं जानते होंगे, वे स्वर्ग और नरक के नक्शे बना कर बता देंगे. उन्होंने मंदिरों में नक्शे टांग रखे हैं- कि स्वर्ग कहां है, नरक कहां है, कितने नरक हैं, कितने स्वर्ग हैं आदमी नींद में न मालूम क्या-क्या कर रहा है बड़े-बड़े प्रश्न पूछे जा रहे हैं! और एक छोटा सा प्रश्न कोई भी नहीं पूछ रहा है- कि मैं जागा हुआ आदमी हूं या सोया हुआ आदमी हूं? मेरी दृष्टि में, मनुष्य के समक्ष धर्म का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न एक ही है, सबसे महत्वपूर्ण जिज्ञासा यही है कि मैं जागा हुआ हूं या सोया हुआ हूं? और अगर सोया हुआ हूं, तो यह नींद कैसे टूट सकती है? यह तंद्रा कैसे मिट सकती है? ये सपनों के बाहर मैं कैसे उठ सकता हूं?

मेरे एक मित्र स्विटजरलैंड से यात्रा करके लौटे हैं वे एक बड़े कवि हैं जब वे मेरे पास आकर मेहमान हुए तो मैंने उनसे कहा- आप सारी दुनिया घूम कर लौटे हैं, स्विटजरलैंड घूम कर लौटे हैं मैं भी एक अनूठी जगह दिखाने आपको ले चलता हूं. नर्मदा के तट पर संगमरमर की चट्टानों में गिरते हुए प्रपात के पास आपको ले चलता हूं. उन्होंने कहा, मैंने बहुत प्रपात देखे हैं, बहुत नदियां देखी हैं, बहुत झीलें देखी हैं, बहुत सुंदर रातें देखी हैं. मुझे कोई खास प्रयोजन नहीं.

फिर भी मैं नहीं माना और उन्हें ले गया क्योंकि मैंने उनसे कहा कि हर रात का अपना व्यक्तित्व है, और हर चांद की अपनी कहानी है, और हर पहाड़ का अपना गीत है आपने कुछ भी देखा हो, लेकिन जो दिखाने मैं ले चल रहा हूं वह आपने नहीं देखा है, वह अपनी ही तरह की अलग बात है.

उन्हें मैं ले गया चांदनी की उस रात में, एकांत में, नाव पर बिठा कर मैं उन्हें पहाड़ियों में ले गया- चांद की बरसती हुई चांदनी में पहाड़ दूध धुले खड़े थे. उन्हें देख कर लगता कि जैसे स्वर्ग में पहुंच गए हैं, लेकिन दो घंटे तक उन पहाड़ियों के बीच में हम नौका पर थे, उन्होंने एक क्षण को भी उन पहाड़ियों की तरफ न देखा, जो मौजूद थीं, न उस चांद की तरफ देखा जो आकाश में हंस रहा था, न उस सन्नाटे को सुना जो चारों तरफ गीत गा रहा था. वे अपने स्विटजरलैंड की कथाएं ही मुझे सुनाते रहे- कि स्विट्जरलैंड में इस तरह की झीलें हैं, इस तरह के पहाड़ हैं, मैंने यह देखा, मैंने वह देखा.

फिर हम वापस लौटने लगे, गाड़ी में बैठते समय उन्होंने मुझसे कहा, आप जिस जगह ले आए थे, वह बड़ी सुंदर थी मैंने कहा, क्षमा करें! हम आए तो दो थे, लेकिन मैं अकेला ही वहां पहुंचा, आप पहुंच नहीं सके. उन्होंने कहा, मैं आपके साथ था पूरे वक्त, आप कैसी बातें करते हैं? मैं आपके पास ही तो बैठा था दो घंटे तक नाव पर! मैंने कहा, आप बैठे जरूर थे, लेकिन आप मेरे पास नहीं थे. आप स्विटजरलैंड में होंगे, मेरे पास आपकी मृत देह, मरा हुआ शरीर था.

एक क्षण को भी आप वहां नहीं थे जहां मैं आपको ले गया था और मैंने उनसे कहा, मैं निवेदन करता हूं कि अब मुझे आपकी स्विट्जरलैंड में देखी गई बातों का भी कोई विश्वास न रहा, क्योंकि मैं आपके मन को पहचान गया जब आप यहां नर्मदा पर बैठ कर स्विट्जरलैंड में रहे, तो मैं जानता हूं, स्विट्जरलैंड की झीलों में बैठ कर आप कश्मीर में रहे होंगे, या कहीं और रहे होंगे, स्विट्जरलैंड में नहीं हो सकते!

इस स्थिति को मैं बेहोशी कहता हूं, नींद कहता हूं, सपना कहता हूं यह स्थिति हम सबको एक अंधकार की तरह घेरे हुए है और इसी स्थिति के बीच हम परमात्मा को खोजने की कोशिश करते हैं, इसी स्थिति के बीच हम आनंद को खोजने की कोशिश करते हैं, इसी स्थिति के बीच हम सत्य के निर्णय की चेष्टा करते हैं.

नींद में कोई सत्य का निर्णय कैसे कर सकता है? सोया हुआ कोई कैसे प्रभु को जान सकता है? बेहोशी में कोई कैसे आनंद को उपलब्ध हो सकता है? सपने में कोई यात्रा कैसे हो सकती है? और सपने में कोई यात्रा कर भी ले तो यात्रा झूठी होगी- सुबह जाग कर पाएगा कि मैं वहीं हूं जहां था, रात मैं कहीं भी नहीं गया हूंआज रात आप सो जाएं भावनगर में, सपने में हो सकता है कि आप दिल्ली में हों, कलकत्ते में हों ज्यादा संभावना है कि दिल्ली में हों, क्योंकि दिल्ली में ही होने का सपना हर आदमी देखता रहता है. रात सो जाएं तो यह हो सकता है कि आप दिल्ली पहुंच जाएं, लेकिन सुबह जाग कर आप पाएंगे कि आप कहीं भी नहीं गए थे, आप भावनगर में ही मौजूद थे.

सपने कहीं भी नहीं ले जाते हैं लेकिन सपने में ही हम सब कर रहे हैं और इसलिए हमारा सब किया हुआ व्यर्थ हो जाता है सपने में ही हम पूछ रहे हैं कि परमात्मा क्या है? सपने में पूछ रहे हैं! सपने में एक आदमी हिंदू बना हुआ है, एक आदमी मुसलमान बना हुआ है, एक आदमी ईसाई, एक आदमी जैन बना हुआ है सपने में! सपने में हमने तय कर लिया है कौन सी किताब सच्ची है, सपने में तय कर लिया है कौन सा भगवान सच्चा है, सपने में तय कर लिया है कौन सा मंदिर सच्चा है, कौन सी मस्जिद सच्ची है. एक बात हम भूल ही गए हैं कि सपने में तय की गई सारी बातें दो कौड़ी की हैं सोए हुए आदमी के किसी निष्कर्ष का कोई भी मूल्य नहीं है कोई भी मूल्य नहीं है – कि आप सोए में हिंदू हैं, कि मुसलमान हैं, कि जैन हैं, सब एक-सी नासमझी की बातें हैं और बड़ा मजा यह है कि जागा हुआ आदमी न हिंदू होता है, न मुसलमान होता है, न जैन होता है जागा हुआ आदमी सिर्फ आदमी होता है जागा हुआ आदमी सिर्फ मनुष्य होता है.

ओम भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं
भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात..
(ऋकसंहिता 3/4/10 यजु. अ. 36/3)

उस प्राणस्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अपनी अंतरात्मा में धारण करें. वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग में प्रेरित करे.

अध्यात्म के क्षेत्र में पूरा विश्व भारत की ओर ही देखता है

साधना का अर्थ केवल एकांतवास या ध्यान नहीं होता. वह साधना का एक पक्ष है. साधना का यह भी अर्थ होता है कि हम अपने मन में संतोष और शांति के भाव को हर समय कायम रखें. असली साधना वह है. आप ध्यान करते हो, तो अधिक से अधिक एक घंटे के लिए करोगे. उसमें भी श्वास का ख्याल करोगे, मंत्र जाप करोगे, अपने इष्ट पर ध्यान लगाओगे या कुछ श्लोक पाठ कर लोगे. इसके अतिरिक्त और क्या कर लोगे? ज्यादा से ज्यादा किसी अच्छे भाव की अनुभूति हो सकती है. लेकिन, यह सब क्षणिक होगी. उसके बाद फिर क्या? हमने ध्यान एक घंटे किया, पर 11 घंटे जब हम संसार में रहते हैं, तो क्या संसार में रहकर भी हम अपने मानसिक संतोष, प्रतिभा और शांति को कायम रख सकते हैं? अपने स्कूल के क्लासरूम में बैठकर तो आप एक घंटा अपनी पढ़ाई कर ही लोगे, लेकिन असली मेहनत तब होती है, जब घर में आकर आपको होमवर्क करना पड़ता है. सफलता घर में की गई मेहनत पर निर्भर करती है, स्कूल में की गयी मेहनत पर नहीं. वहां केवल सूत्र मिल जाता है कि इस विषय पर तुम मंथन करो और वही मंथन घर में आकर करना होता है. इसलिए कभी मत सोचना कि साधना का मतलब एकांत या ध्यान या मंत्र जाप ही होता है. कई बार दवाई की एक छोटी गोली भी, दवाई की बड़ी गोली से ज्यादा असरदार होती है. अपनी भारतीय संस्कृति में बहुत सी ऐसी विधियां हैं, जो मनुष्य के जीवन के सारे दुखों को कम करने में सहायक हैं और सुख -शांति एवं समृद्धि लाने में भी बहुत सहायक होती हैं. लेकिन हम लोग आधुनिकता के सम्मोहन में धीरे-धीरे इन परंपराओं को भूल रहे हैं. जिस दिन हम अपनी परंपराओं को भूल जायेंगे, उस दिन हमारी संस्कृति, हमारा समाज नष्ट हो जायेगा. भारत की उर्जा उसकी आध्यात्मिक शक्ति में निहित है. बाकी सब क्षेत्र में भारत अन्य देशों से कमजोर हो सकता है, लेकिन अध्यात्म के क्षेत्र में पूरा विश्व भारत की ओर ही देखता है.

हमें कुछ कहना है

श्याम अग्रवाल

“ इस दौर के कोराना में बह गया होगा
इसी बात पे वो रिश्ता ढह गया होगा
तू खुद को समझा सके तो समझा ले
उदासी भरे ये दिन कभी तो ढलेंगे ”

जिंदगी खुदा की दी हुई बहुत बड़ी नेमत है, हमें हर हाल में खुदा का शुक्र अदा करना चाहिए. कभी-कभी खराब हालत में आदमी जीना भूल जाता है. कुछ लोग ऐसे भी हैं जो हर खुशी वाली हवा का झोंका रोक देते हैं.

आज लॉकडाउन के 26 दिन हो चुके हैं. इस देश का गरीब आदमी बेहद परेशान है. उसके पास न काम बचा है, ना पैसा बचा है. सारा देश इस वक्त एक मुश्किल दौर से गुजर रहा है. ऐसे में सरकारों को अपनी जिम्मेदारी को लेकर अधिक गंभीरता से सोचना चाहिए. सरकार की एक लापरवाही भारी पड़ सकती है. गरीब मजदूरों को भरोसा दिलाना होगा कि वे जहां हैं. सुरक्षित हैं. मगर सरकार सिर्फ मध्यमवर्ग की नहीं हैं वह भी ये समझती है कि अगर लॉकडाउन यूं ही चलता रहा और सारे काम-धंधे बंद रहे तो न सिर्फ गरीबों और मजदूरों का हाल बुरा होगा, बल्कि इसकी आंच मध्यमवर्ग और फिर उच्च वर्ग तक भी जाएगी. काम धंधे चलेगें नहीं, तो लोग अपने कर्मचारियों को वेतन कब तक दे पायेंगे? वेतन नहीं मिलेगी, कट जाएगी या नौकरी चली जाएगी. ये सारी बातें सिर्फ आशंका नहीं हैं. आज हमारे आसपास यही सच्चाई दिख रही है.

यही कारण है कि देश की राज्य सरकारों ने लॉकडाउन बढ़ाने का समर्थन करते हुए प्रधानमंत्री के सामने यह चिंता रखी हैं कि ऐसी हालत में लोगों को रोजी-रोटी का इन्तजाम करना होगा. उन्हें यह फिक्र भी है कि अगर सब कुछ ठप्प रहा, तो सरकार को टैक्स कहां से मिलेगा? और कमाई नहीं होगी तो सरकारें वो जरुरी खर्च कहां से और कब तक करेंगे, जो इस भयानक बीमारी से लड़ने के लिए जरुरी है?

आज हमारी कल्याणकारी सरकार पर कई तरह के दबाव हैं. गावों में किसानों का कहना है कि घर के अन्दर रहने या गांव के दायरे में रहने में क्या फर्क है? अगर कोई परिवार अपने खेत में जाकर फसल काटता है, उसे खलिहान तक लाता है, दाने साफ करके बेचने लायक तैयार करता है, तो इसमें हर्ज क्या है? खतरा क्या है और इसे सोशल डिस्टेसिंग का पालन कैसे नहीं हो रहा है? इसीलिए सिर्फ गांव के लोग ही नहीं बल्कि खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर नजर रखने वाले जानकार भी सलाह दे रहे हैं कि गांव के भीतर का कामकाज पूरी तरह खोल देना चाहिए. सिर्फ उन लोगों को छोड़कर, जो बाहरसे गांव में आ रहे हैं. गांव हो या शहर हर आदमी को अपनी जान की फिक्र है. लेकिन शहरों में रहते हुए खासकर गरीब लोगों के लिए किसी से दूरी बनाकर रहना बेहद मुश्किल है क्योंकि एक रूप में आठ-दस लोग भी रहते हैं. अब वे भीतर रहें तो सोशल डिस्टेंशिंग में कैसे रह सकते हैं. और बाहर निकलें तो जाएं कहां? खासकर झोपडपट्टी में रहने वाले या किसी सोसायटी के फ्लैट में शेअरिंग में रहने वाले या एसआरए की बिल्डिंगों में रहने वाले लोगों के लिए बाहर यानी बिल्डिंग कम्पाउण्ड में भी इतनी जगह नहीं होती कि वे एक दूसरे से बचकर निकल सकें.

इन हालात का आसान इलाज तो यही दिखता है कि हर जगह कुछ ना कुछ ऐसे काम शुरू हो जायें, जिनसे इन लोगों को राहत मिल सके. इन्हें राहत मिलने का मतलब होगा, सभी तरह की चीजों की सप्लाई का काम दोबारा शुरू होना. बडी फैक्टरियां अमूमन शहरों के बाहर ही होती हैं. ऐसी जगहों पर जरूरी है कि इस वक्त कम कामगारों के साथ काम शुरू किया जाए और जितने लोग काम पर हो उनके सोने और खाने पीने व नहाने का इन्तजाम भी आसपास ही किया जाए. ताकि उन्हें बाहर किसी और से मिलने की जरूरत न पडे. इस लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था पर जो असर होने वाला है, उसके अभी तक जितने अनुमान आये हैं, वे सभी रोंगटे खड़े कर देने वाले हैं. अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का कहना है कि भारत की विकास दर गिरकर 1.9 फीसदी हो जायेगी. इससे भी बड़ा डर ये है कि सारी दुनिया में बेहद मंदी आने वाली है और यह 1930 की महामंदी के बाद का सबसे बड़ा संकट होगा. कुछ एक्स्पर्ट का तो कहना है कि कोरोना संकट के बाद इस साल दिसंबर तक हमारी विकासदर शून्य रहेगी.

लेकिन अभी इन आंकड़ों का असल में कोई अर्थ नहीं है. जब तक दुनिया से यह महामारी खत्म नहीं होगी, तब तक सही हिसाब नहीं लगाया जा सकता कि इससे कितना नुकसान हुआ है और आगे कितना नुकसान हो सकता है. इसलिए यह जानना जरूरी है कि मुद्राकोष 1930 की जिस महामंदी का जिक्र कर रहा है, उसमें हुआ क्या था? उसमें दुनिया का जीडीपी 26 परसेंट से ज्यादा गिर गया था. और दुनिया के करीब 25% लोगों का रोजगार चला गया था.

यह डराने की बात नहीं है, लेकिन पिछले महीने तक ज्यादातर लोग कह रहे थे कि मानवता के सामने यह दूसरे विश्वयुद्ध के बाद का सबसे बड़ा खतरा है, पर अब सब मान रहे हैं कि यह तो उससे भी बड़ा खतरा है. इसलिए यह जरूरी हैं कि महामारी के खतरे का मुकाबला करते हुए महामंदी की आशंका से निपटने की तैयारी भी अभी ही करनी चाहिए.

सरकार ने जो फैसला किया है, वह इसी राह पर है, पर हमें बेहद सावधानी बरतनी पड़ेगी. लोगों को जागरूक करना पड़ेगा. खासकर बड़े शहरों में ढील की बजाय और अधिक कठोरता से काम लेना होगा. इस वक्त लॉकडाउन के होते हुए भी हॉट स्पॉट बन चुके इलाकों में जो कुछ चल रहा है वो खतरनाक हैं.

दूसरा जो काम बेहद जरूरी है वो घबराए हुए, परेशान लोगों को उनके घरों तक पहुंचाने का इन्तजाम है. सूरत में मजदूरों का प्रदर्शन और मुंबई बान्द्रा स्टेशन पर भीड़ का प्रदर्शन, दिल्ली में मजदूरों की भीड़ जमा होना और वेस्ट बंगाल में 400 परिवारों की भीड़ द्वारा ट्रॅफिक जाम किये जाना ये सिर्फ कुछ नमूने हैं, गरीब लोगों को तकलीफ रही तो ऐसे मामले देश के हर बड़े शहरों में बार-बार देखने को मिल जायेंगे. देश के अलग-अलग शहरों में ऐसे हजारों मजबूर लोग बेहाल फंसे हुए हैं. इनके सब्र का बांध टूट गया तो देशभर की सरकारों को भारी पड़ सकता है. देश की सभी राज्य सरकारों को जांच के बाद कोरोना संक्रमित लोगों को उनके घर वैसे ही भेजने का बन्दोबस्त करना चाहिए, जैसा की उत्तर प्रदेश की सरकार ने किया था. इससे शहरों में भीड़ कम होगी और गावों में भी ज्यादा सुरक्षित माहौल बनेगा. इतिहास गवाह है कि जब भी देश में संकट आया है तो खेती और गांव से पैदा होने वाली मांग ने ही सहारा दिया है. हमें अब इसी फार्मूले पर चलने की जरूरत है. यही रास्ता बड़े उद्योगों और छोटे उद्योगों के रोजगार बचाने की जमीन तैयार करेगा.

सिर्फ सोच ही इतनी शक्तिशाली होती है
जो सही और गलत में भेद कर सकती है,
जो व्यक्ति को ऊपर उठा सकती है
और नीचे गिरा सकती है.

किसान ही हमें फिर बचाएंगे, हमें भी किसानों को बचाना चाहिए !

बात तो चुभेगी

कोरोना वायरस के संक्रमण से दुनिया को करीब 693 लाख करोड़ रुपए का नुकसान होने जा रहा है. यानी आज तक की सर्वाधिक बड़ी मंदी और महंगाई की मार पड़ने वाली है. इसी तरह भारत को होने वाला नुकसान भी 10 लाख करोड़ रुपए का होगा. एक तरह से रोज 40 हजार करोड़ रुपए का कारोबार ठप है. यानी 16 लाख करोड़ रुपए का जीडीपी लॉकडाउन में डूब जाएगा. इस भारी झटके से मुक्ति हेतु क्या करें? इसे लेकर वित्त विशेषज्ञों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए थे, इस स्तंभ में भी इस पर लगातार चर्चा हो रही है. इस पर उद्योगों, व्यापारियों के साथ अन्य क्षेत्रों के आर्गेनाइजेशन भी चिंतित हैं. अब यही चिंता सरकार और रिजर्व बैंक को भी होने लगी है.

इसे लेकर हम विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे. पहली बात तो रिजर्व बैंक की है. गवर्नर शक्तिकांत दास ने कृषि, छोटे-मध्यम उद्योग व हाउसिंग सेक्टर को बूस्ट-पैकेज दिए हैं. 25 हजार करोड़ नाबार्ड को दिए ताकि किसानों को बूस्ट मिले. 15 हजार करोड़ सिडबी को दिए ताकि स्मॉल-मीडियम इंडस्ट्रीज को पैसा मिले और एनएचबी को हाउसिंग इंडस्ट्री के लिए 10 हजार करोड़ रुपए दिए गए. इनसे 50 हजार करोड़ रुपए की लिक्विडिटी या तरलता मार्केट में आएगी. इससे पूर्व 1.70 लाख करोड़ रुपए देने की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की थी, यह पैसा दो तीन चरणों में दिया जा रहा है. इससे पहले 27 मार्च को रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में 0.75% कम किया व सीआरआर यानी कैश रिजर्व रेशों को भी 1% घटाया. इससे 3.40 लाख करोड़ रुपए की लिक्विडिटी बढ़ी. अब ये नए 50 हजार करोड़.... अरे हां, 1.45 लाख करोड़ रुपए कार्पोरेट टैक्स में छूट को भी गिन लें तो 26-27 लाख करोड़ रुपए का कैश ...... हो जाता है. सवाल यह है कि इतना कैश .... से क्या मंदी-महंगाई की समस्या पैदा नहीं होगी? क्योंकि बाजार में पैसा होने के साथ सभी क्षेत्रों में प्रोडक्शन, सप्लाई, डिमांड व डिस्ट्रीब्यूशन के साथ 'उठाव' भी होना चाहिए.

इस बारे में अच्छी खबरें ये हैं कि इस बार वर्षा 1.4% तक हो सकती है, यानी सब कुच ठीक रहा तो फसलें अच्छी होंगी. वैसे भी रबी फसल एक तरह से अच्छी ही हुई हैं. उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, गुजरात और राजस्थान ... इन 6 राज्यों में ही करीब 10 करोड़ टन गेहूं का उत्पादन हो रहा है. उत्तर प्रदेश में ही 5.5 करोड़ टन गेहूं व चना आदि के साथ तिलहन भी 10 लाख टन से ज्यादा होता है. खास बात यह है कि अधिकतर राज्यों में 60% कटाई हो चुकी है और मजदूरों को इसके लिए मनरेगा के लिए तय 202 रुपए से ज्यादा यानी 300 रुपए तक मिल रहा है. चूंकि लॉकडाउन से कृषि कार्यों को 'छूट' मिली हुई है. इसलिए किसान फसलों की मिंजाई के बाद गोदाम या कोठारों तक तो लाकर भर सकते हैं.

अब सवाल उठेंगे, तो सरकार द्वारा खरीदी, बाजारों तक ट्रांसपोर्टिंग और प्रोसेसिंग आदि के. इन सबमें छूट भले हो, लेकिन कठिनाइयां जरूर हैं, इसके लिए बाजार को खोलने, ट्रांसपोर्टिंग को बेटोक-टोक रखने ग्राहकों को सुविधापूर्ण होने देेने तक की जरूरत है. इन सबको देखते हुए लॉकडाउन को बनाए रखने... उसके बाद कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण की चुनौतियां भी होंगी.

वास्तविकता यही है कि इस संपूर्ण मानवता को यदि कोई पालता-पोसता-बचाता है तो वह किसान ही है. पिछली दो मंदियों में किसानों ने हमें बचाया... नहीं तो हम मैक्सिको की तरह दिवालिया हो जाते, क्योंकि आज की सर्वाधिक 55% आबादी कृषि पर ही निर्भर है. यह हमारी विडंबना ही है कि हमारा जीडीपी इसी क्षेत्र से सबसे कम आता है और यह निरंतर तुलनात्मक रूप से घटता रहा है, फिर भी लॉकडाउन के दौरान उद्योग व सेवा क्षेत्र के लगातार 40 दिनों तक बंद रहने से कृषि क्षेत्र की जीडीपी में हिस्सेदारी बढ़ जाएगी. लेकिन प्रोडक्शन कितना बढ़ेगा? इसका जवाब रबी फसलों के पूरी तरह आ जाने के बाद मिल सकता है. लेकिन अच्छी बात यह है कि अच्छा फसलोत्पादन हमें इस भीषण संकट से कुछ हद तक बचने में सहारा देगा.

केंद्र सरकार ने लॉकडाउन से धीरे-धीरे छूट देने की योजना बनाई है. इसके बिना कोई चारा भी नहीं है. रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास चाहते हैं कि गरीबों के हाथों तक पैसा पहुंचे.... लेकिन उनकी मजबूरी यह है कि वे डायरेक्ट मनी ट्रांसफर नहीं कर सकते. वे वित्तीय संस्थानों को पैसे दे सकते हैं, अब ये वित्तीय संस्थान किस तरह गरीबों तक पैसा पहुंचाएंगे? यह सवाल उनकी कार्यशैली पर निर्भर है. होना यह चाहिए था कि ऐसे संकट के समय केंद्र व राज्य सरकारों के जरिए देश के 81 करोड़ से ज्यादा गरीबों को तुरंत पैसा पहुंचाया जाता.... क्योंकि 5-10 किलो अनाज व 1000 या 500 रुपए से क्या होगा? जरूरत 5 हजार रुपए तक की होनी ही चाहिए, वैसे सरकारों ने अपनी सभी योजनाओं से प्रति व्यक्ति 600 रुपए तक ही दिए हैं. जो 1500 रुपए तक होना ही चाहिए, क्योंकि सवाल सिर्फ रोटी का ही नहीं है. जीवन की अन्य आवश्यकताएं भी होती हैं. स्पष्ट है कि करीब 1,21,500 करोड़ रुपए की जरूरत अतिरिक्त होगी. इसकी व्यवस्था की जानी चाहिए.

इस लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन ट्रेडिंग बढ़ी है. यही कारण है कि अमेजान को भारी लाभ हुआ है. उसके प्रमुख जेफ बेजोस की संपत्ति में 24 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है, और उसकी संपत्ति 138 अरब डॉलर की हो चुकी है. अन्य क्षेत्र में भी अच्छी खबरें हैं. जैसे कैप जेमिनी ने अपने 1.20 लाख कर्मियों में से 84 हजार कर्मियों के वेतन में लॉकडाउन के बाद भी भारी वृद्धि की है. प्रति कर्मी 10 हजार रुपए के भत्ते भी दिए हैं. ढउड या टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस चौथी तिमाही में 8093 करोड़ रुपए का लाभ पाया है. ऐसे समय में जब दुनिया भर के उद्योग-व्यापार में गिरावट का दौर है ये खबरें प्रोत्साहित करती हैं.

यदि हम कोरोना के प्रकोप को देखें तो डेढ़ लाख पेशेंट की मृत्यु की तुलना में 5,39,000 पेशेंट के स्वस्थ होने की खबर भी मानवता के लिए राहत भरी है. स्पष्ट की जिंदगी आज भी मौत पर हावी है. दुनिया कोरोना से भयभीत जरूर है, मगर इस भय का इलाज भी हो रहा है. देश के 375 जिले अभी तक 'कोरोना फ्री' हैं. नए पेशेंट की तुलना में स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़ी है. देश व दुनियाभर में ये आंकड़े बता रहे हैं कि 'मनुष्य होगा कामयाब एक दिन.... फिर भी अभी यह लड़ाई अधूरी है. इतना जरूर है कि इसे जीतने के लिए हर एक व्यक्ति की सहायक भूमिका होनी चाहिये. किसान हमें बचाने में जिस केन्द्रीय भूमिका को निभाते है, उसी तरह हमें भी उन्हें बचाने के लिए अपनी भूमिका तय करनी चाहिए.

- आर.के.श्री. मानवेंद्र

केवल एक बोतल तथा एक अदद पुड़िया की दरकार है बाबा

मन की मौज

हाय, ऐसे दिन आ गए हैं कि अब सैनेटाइजर को ही सूंघकर शामें काटनी पड़ रही हैं.

लॉकडाउन में दारू, सिगारेट, बीड़ी, गुटखा अलभ्य हो गए हैं. जिन्हें इनकी आदत है, वे कोरोना से अधिक बढ़े हुए लॉकडाउन को कोस रहे हैं. 21 दिन तो जैसे-तैसे कट गए थे. अब स्टॉक में निल बटा सन्नाटा है. पूरी दुनिया की चिंता महामारी को लेकर है, पर इन लतीचंदों के अंदर मारामारी मची है. इन्हें अगले 19 दिनों की चिंता खाए जा रही है. लॉकडाउन के सीक्वल-2 के फलस्वरूप अब इस जमात की आंतरिक खुराफतें बाहर आ रहीं हैं. सारा नशा हिरण हो चुका है. किसी के हाथ कांप रहे हैं, तो किसी के पैर. सबके गले खुश्क पड़ गए हैं. का से कहूं दिल की बात वाली दशा हो रही है.

इन लतीचंदों के अंत:करण से एक ही आवाज निकल रही है-एक बोतल, एक अदद पुड़िया की दरकार है बाबा, है कोई दाता, कोई दीनदयाल, जो यह करुण पुकार सुन ले? लेकिन कोई सुनकर उत्तर देने वाला नहीं है. सबके मुंह पर मास्क कसा हुआ है. फिलहाल, अंतर्दशा ही कुछ ऐसी हो चली है कि खैनी वाले बाबा भी मरखैनी वाले बाबा नजर आ रहे हैं.

नशे के गुलामों में एक खास बात देखी जाती है. वे अपने प्रयोजन के निमित्त सारे बंधन तोड़ने को आमादा रहते हैं. हालात ऐसे हैं कि लतीचंद इन दिनों अकेले में खाली बोतल में हल्दी घोलकर पी रहे हैं. संगत न सही, रंगत ही सही. दिल को बहलाने का ऐसा ख्याल तो चाचा गालिब को भी नहीं सूझा होगा. कुछ ऐसे लतीचंद भी है कि जेब में भूंजी भांग तक नहीं, मगर पूरे घर में चरस बोए पड़े हैं. ऐसे लोग इस अनुपलब्ध काल में बीवी-बच्चों के लिए काल बन गए हैं. दरअसल, आदत ने उनकी यह दुर्गत बना दी है.

कल ऐसे ही एक लतीचंद से अपनी मुलाकात हो गई. मैंने सोशल डिस्टेंसिंग बरकरार रखते हुए उनकी प्रचंड पीड़ा सुनी-हाय, ऐसे दिन आ गए हैं कि सैनिटाइजर सूंघकर शामें काटनी पड़ रही हैं. उन्हें जान से अधिक जाम की चिंता खाए जा रही थी. लॉकडाउन के समय में इन लतीचंदों की राम ही रक्षा करेंगे.

संत राजिन्दर सिंह

हम अपना सारा ध्यान इस दुनिया में न लगाएं, अपना ध्यान अंदर की ओर करें, ताकि जो 'प्रभु का शब्द' हमारे अंदर चल रहा है, उसको हम सुन सकें, उसके साथ जुड़ सकें. जिस 'शब्द' के जरिए हमारी आत्मा प्रभु से यहां नीचे धरती पर आई है, उस 'शब्द' से जुड़ कर हम इस शरीर से ऊपर उठकर, ब्रह्मंड को पार करके पारब्रह्म में पहुंचे और उसको पार करके सचखंड में पहुंचे, ताकि हमारी आत्मा का मिलाप परमात्मा के साथ हो जाये.

चाणक्य नीति

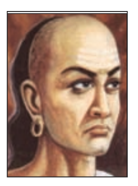

मनुष्य के लिए राज्य से बाहर रहना अच्छा है, किन्तु दुष्ट राजा के राज्य में रहना अनुचित है.

परन्तु कुमित्र का संग सर्वथा अवांछनीय है. शिष्य न हो तो कोई बात नहीं, परन्तु दुर्जन पुरुष को शिष्य बनाना उपयुक्त नहीं. पत्नी के बिना भी जीवन चल सकता है, परन्तु किसी दुराचारिणी को अपनी पत्नी बनाना कदापि उचित नहीं है, क्योंकि इससे तो अपमान, अपयश और लोक निन्दा को सहन करना पड़ता है.

जनमानस

पाठक अपने पत्र इस ई-मेल आईडी पर भेज सकते हैं : anandddec11@yahoo.co.in

विलुप्त प्रजाति के पक्षियों का संरक्षण जरूरी

महोदय,

पक्षियों की श्रवण शक्ति, दृष्टि तीव्र होती है. पक्षियों को वर्षा का बहुत ज्ञान होता है जैसे चिड़िया का धूल में स्नान धूल में लोट कर करना, चीलों का वृताकार होकर आकाश की और ऊँचा उड़ना भी वर्षा का सूचक होता है. ऋतु-संबंधी, वर्षा-संबंधी, मौसम-संबंधी, दिशा-संबंधी का ज्ञान होता है. कुछ लोग पक्षियों की चाल-ढाल देखकर भी मौसम का अनुमान लगा लेते है. तीतर के पंख जैसी लहरदार बदली आकाश में छाई हो तो वर्षा अवश्य होगी. मादा पक्षी को खुश करने के लिए नर पक्षी उसके आगे नाचता, व तरह -तरह की आवाजें निकालता है. सघन जंगल और जल हेतु बढ़ी परियोजनाओं की सुविधाएँ तो हैं. किन्तु विलुप्त प्रजातियों के पक्षियों के लिए जो उपाय किये जा रहे है उनकी चाल धीमी हैं. लुप्तप्राय प्रजातियों को नियंत्रित परिस्थितियों में संरक्षित रखने हेतु केवल नैसर्गिक स्थान और वातावरण विश्वसनीय समाधान है. दुर्लभ और मरणोंन्मुख पक्षियों को सुरक्षित रखना एवं वंश वृद्धि की और ध्यान देने का लक्ष्य एवं कर्तव्य निश्चित करना होगा. साथ ही संरक्षित स्थानों को दूषित वातावरण से मुक्त रखना होगा. अवैध शिकार करने वालों पर कड़ी कार्रवाई भी सुनिश्चित करना होगी. जिससे पक्षियों में वृद्धि दिखाई देकर लुप्तप्राय प्रजाति को बचाया जा सके एवं नई प्रजाति के पक्षियों की खोज एवं शोध को जारी रखा जाकर प्राकृतिक आपदा, मौसम के पूर्व संकेत बताने वाले अन्य पक्षियों को भी बचाया जा सके.

- संजय वर्मा 'दृष्टि मनावर जिला धार

देशद्रोहियों पर कड़ी कार्रवाई हो

महोदय,

जब हम राजा महाराजाओं के समय किसी संकट व आपदा के किस्से सुनते व पढ़ते हैं तो समग्र रूप से एक ही बात उभर कर आती है कि ऐसे समय में चाहे आम हो या खास, राजा हो या प्रजा सभी मिलजुल कर जो भी उपलब्ध होता है उसे आपस में बांट कर खाते पीते थे. उस समय मुनाफाखोरी व कालाबाजारी करने वाले को कड़ा दंड (सरेआम फांसी या सूली) पर टांग तक दिया जाता था. ताकि संकट व आपदा में सब बराबरी से उस विपदा का सामना कर सके. आम आदमी की मजबूरी का आपदा के समय कोई फायदा न उठा सकें. अभी देश में कोरोना संकट के कारण तालाबंदी का दौर चल रहा है. ऐसे समय में आवश्यक वस्तुओं की मांग और पूर्ति में अंतर आ जाता है. कालाबाजारी व मुनाफाखोरी करने वाले अपने पास उपलब्ध मालों का भाव बढ़ा-चढ़ा कर लेते हैं. ऐसे समाचार पढ़ने को मिल रहे हैं. यह खुल्लम खुल्ला देशद्रोह का मामला है. ऐसे व्यापारी व्यवसायी अगर पकड़ में आते हैं तो ना केवल उनके लाइसेंस रद्द किए जाएं बल्कि कठोर से कठोर कार्रवाई की जाना चाहिए जो मौके का फायदा उठा रहे हैं. क्या ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी ताकि वह संकट के समय में किसी की मजबूरी का फायदा उठाने का साहस ना करें!

- हेमा हरि उपाध्याय उज्जैन, मध्य प्रदेश

ओम सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वेसन्तु निरामयाः
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, माकश्चिद दुःख भाग्भवेत!
ओम शान्ति, शान्ति, शान्ति

ओम, सब सुखी हों, सब स्वस्थ हों,
सब दूसरों के भलाई की कामना करें
कोई भी किसी प्रकार से दुखी ना हो
ओम शान्ति, शान्ति, शान्ति

कल क्या होगा ?

19 अप्रैल : रविवार बैशाख बदी द्वादशी को बारीक चावल, देसी चना, ग्वार, ग्वार गम, मूंग, मोठ, तुअर, मसूर, काबुली चना, उड़द, सौंफ, जायफल, धनिया, कालीमिर्च, हल्दी, जीरा, कॉपर, पीतल, सोना, चांदी में लाभ हो सकता है. मक्की, बाजरा, गेहूं, जौ, जई, ज्वार, गुड़, चीनी, सरसों, सोयाबीन एवं इसकी डीओसी, पोस्तदाना, लौंग, लालमिर्च, कलौंजी, मखाना, जायफल, जावित्री, दालचीनी, कमरकस, रुई, टिन, निकिल, जस्ता आदि में हानि की संभावना है.

भाग्यांक : 1-4-5-7 है. **यात्रा विचार :** पूरब दिशा की ओर 8.31 बजे प्रात: के बाद यात्रा करनी लाभप्रद सिद्ध होगी.

मेष
अधूरी योजना साकार होने की ओर, भाग्योन्नति के नवीन आयाम सुलभ, वाक्पटुता से कार्यों में अनुकूलता, विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त.

वृषभ
प्रतियोगिता में सफलता, धन संपत्ति विषयक मसला पक्ष में सुलझने की ओर, स्वाध्याय में रुझान, रचनात्मक क्रिया-कलापों की ओर अभिरुचि.

मिथुन
व्यवसाय में विस्तार या परिवर्तन हेतु नवयोजना की शुरुआत संभव, पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति का प्रयास सार्थक, मनोविनोद के अवसर सुलभ, लाभ भी.

कर्क
आरोग्यसुख में कमी, कार्यों के प्रति असंतोष, किसी खास व्यक्ति से धोखा खाने की आशंका, आपसी संबंधों में ताल-मेल का अभाव.

सिंह
कार्यों में उन्नति का सुयोग, सुपरिचितों के सहयोग से समस्या का समाधान, राजनीतिक गतिविधियों में रुझान, आत्मिक शांति की अनुभूति.

कन्या
आर्थिक व्यावसायिक पक्ष में प्रगति हेतु नवप्रयास सार्थक, वाद-विवाद में कमी, किसी योजना का सुपरिणाम, प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता.

तुला
स्वास्थ्य बेहतर, आत्मविश्वास से कार्यों में सफलता, पुराने विवाद के समापन का मार्ग प्रशस्त, उन्नति की दिशा में प्रयास सार्थक, मनोरंजन में रुचि.

वृश्चिक
समय विपरीत, जल्दबाजी में किया गया कार्य व लिया गया निर्णय अहितकर, आत्मीयजनों में कटुता, स्वास्थ्य में व्यवधान, निजी इच्छा की पूर्ति में बाधा.

धनु
व्यक्तित्व का विकास, समस्याएं पक्ष में सुलझने की ओर, पराक्रम से कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में अनुकूलता, सामाजिक गतिविधियों में रुझान.

मकर
कार्य-व्यवसाय में लाभ का सुअवसर, पारिवारिक समस्याओं का समाधान, प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुयोग प्राप्त.

कुंभ
विनियोजित धन का प्रतिफल, समस्या विशेष के समाधान के संदर्भ में स्वयं का निर्णय लाभप्रद, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, मनोविनोद के अवसर सुलभ.

मीन
पुरुषार्थ में अरुचि, आर्थिक-व्यावसायिक प्रगति में बाधा, प्रियजनों से विश्वासघात की आशंका, वैवाहिक सुख में अड़चनें, कर्ज की अदायगी की चिंता.

पंडित विमल जैन : एस. 2/176 ए, दूसरी मंजिल, वरदान भवन, महावीर मंदिर से यू. पी. कॉलेज रोड, भोजूबीर, वाराणसी. मोबा. नं. 09044882255/09335414722

आज जिनका है जन्मदिन — 18 अप्रैल

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. आपकी जन्मतिथि 18 अप्रैल है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह मंगल है. इस माह का अधिपति ग्रह मंगल है. आप आजीवन मंगल ग्रह से प्रभावित रहेंगे. आपका जीवन उलझनों व उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा. लेकिन आप हर परिस्थितियों में सामान्य रहेंगे. आप अपनी मुसीबतों को लेकर किसी के समक्ष झुकना पसंद नहीं करेंगे, यह आपके लिए असहनीय होगा. लेकिन आप हर समस्याओं के दौर से गुजर कर ही सफलता प्राप्त कर सकेंगे. आपके विचारों में उग्रता का समावेश रहेगा. आप अपने कार्य में किसी प्रकार का व्यवधान पसंद नहीं करेंगे. आप क्रोधी स्वभाव के होंगे. आप उच्च आदर्शों के लिए कार्यशील रहेंगे. आपका दृष्टिकोण व्यापक होगा. सामाजिक कृत्यों में भी आपकी रुचि रहेगी. आप संगीत-कला प्रेमी होंगे. तड़क-भड़क व बाहरी आडंबरों में आप ज्यादा रुचि रखेंगे. आपका वैवाहिक जीवन अनुकूल नहीं कहा जा सकता. कठिनाइयों के दौर में मार्ग प्रशस्त होगा. साथ ही साथ नवग्रह स्तोत्र का पाठ नियमित रूप से करने पर तथा यंत्र धारण करना शुभ रहेगा. मंगलवार का व्रत रखें. सदाचार का पालन करें. सुख-समृद्धि के लिए रत्न या उपरत्न तथा यंत्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल

- **मन्त्र** : ॐ अं अंगारकाय नम:
- **व्रत** : मंगलवार
- **दिन** : सोमवार, मंगलवार एवं गुरुवार
- **दिनांक** : 9, 18, 27
- **अंक** : 1, 3, 6
- **प्रत्येक वर्ष का बेहतर समय** : 15 मार्च से 14 अप्रैल, 31 अक्टूबर से 14 नवंबर
- **मास** : फरवरी, जून एवं नवंबर
- **वर्ष** : 9, 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72
- **रंग** : लाल एवं नारंगी
- **जन्मरत्न** : मूंगा
- **उपरत्न** : लाल अकीक

यंत्र

8	3	10
9	7	5
4	11	6

आज का दैनिक पंचांग

18 अप्रैल 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

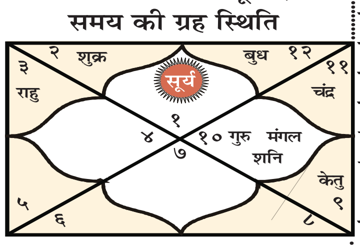

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मेष में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	मकर में
बुध	मीन में
गुरु	मकर में
शुक्र	वृष में
शनि	मकर में
राहु	मिथुन में
केतु	धनु में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	5.23 बजे से
वृष	7.07 बजे से
मिथुन	9.05 बजे से
कर्क	11.18 बजे से
सिंह	13.35 बजे से
कन्या	15.46 बजे से
तुला	17.57 बजे से
वृश्चिक	20.12 ब.से
धनु	22.28 बजे से
मकर	00.33 बजे से
कुंभ	2.20 बजे से
मीन	3.52 बजे से

शनिवार 2020 वर्ष का 109 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2077 **शक संवत्** 1942 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 22.18 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 04.25 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुक्ल (शुक्र) 18.41 बजे को समाप्त। **करण** बव 9.09 बजे तदनन्तर बालव 22.18 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 10° 55' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1870492 **जूलियन दिन** 2458957.5 **कलियुग संवत्** 5121 **कल्पारंभ संवत्** 1972949121 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885121 **वीरनिर्वाण संवत्** 2546 **हिजरी सन्** 1441 **महीना** सावान **तारीख** 24 **विशेष** बरूथिनी एकादशी, वल्लभाचार्य जयंती।

दिन का चौघड़िया					
काल	06.01	से	07.30	बजे	तक
शुभ	07.31	से	09.00	बजे	तक
रोग	09.01	से	10.30	बजे	तक
उद्वेग	10.31	से	12.00	बजे	तक
चर	12.01	से	01.30	बजे	तक
लाभ	01.31	से	03.00	बजे	तक
अमृत	03.01	से	04.30	बजे	तक
काल	04.31	से	06.00	बजे	तक

रात का चौघड़िया					
लाभ	06.01	से	07.30	बजे	तक
उद्वेग	07.31	से	09.00	बजे	तक
शुभ	09.01	से	10.30	बजे	तक
अमृत	10.31	से	12.00	बजे	तक
चर	12.01	से	01.30	बजे	तक
रोग	01.31	से	03.00	बजे	तक
काल	03.01	से	04.30	बजे	तक
लाभ	04.31	से	06.00	बजे	तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ **Jagrutidaur.com, Bangalore**

सूर्योदय : 6.20 सूर्यास्त : 6.56

हथेली में काम वासना के लक्षण यूं पहचानें

हस्तरेखा विज्ञान में बताया गया है कि व्यक्ति की हथेली देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि कौन सच्चा प्यार करने वाला है और कौन सिर्फ शारीरिक आकर्षण और काम वासना की पूर्ति के लिए रिश्ता जोड़ने वाला हैं.

प्यार में धोखा खाने से भी बच सकते हैं - इस विषय को जानने के लिए हस्तरेखा विज्ञान में कहा गया है कि व्यक्ति की नीयत और प्रेम संबंधी भावना को उनकी हथेली में मौजूद हृदय रेखा को देखकर जान सकते हैं.

प्रेम में सच्चाई कम वासना अधिक होती है - हस्तरेखा विज्ञान में बताया गया है कि जिन लोगों की हथेली में हृदय रेखा का आरंभ गुरु और शनि पर्वत के बीच से होता है उनमें कामुकता प्रबल होती है. ऐसे लोग किसी से भी प्रेम का इजहार फटाफट कर देते हैं, लेकिन इनसे सावधान रहना चाहिए क्योंकि इनके प्रेम में सच्चाई कम वासना अधिक होती है.

विपरीत लिंग के व्यक्ति को अपनी ओर आकर्षित करने लिए - शनि और गुरु पर्वत के बीच से शुरू हो रही हृदय रेखा जंजीरनुमा हो और साथ ही शुक्र पर्वत अधिक उभरा हुआ हो तो व्यक्ति का चरित्र संतुलित नहीं रह पाता है. ऐसे लोग विपरीत लिंग के व्यक्ति को अपनी ओर आकर्षित करने लिए कुछ भी करने के लिए तैयार रहते हैं.

ऐसे व्यक्ति बहुत ही गुणवान और महान होते हैं - हस्तरेखा विज्ञान में बताया गया है कि हृदय रेखा का आरंभ गुरु पर्वत से होने पर ऐसे व्यक्ति दयालु, धार्मिक और जिम्मेदार होते हैं. हथेली में भाग्यरेखा अगर एक से अधिक हो तो ऐसे व्यक्ति बहुत ही गुणवान और महान होते हैं.

कामुकता पर नियंत्रण नहीं रख पाते - शुक्र पर्वत अधिक उभरा हुआ हो और गुरु शनि के मध्य उंगली के पास से हृदय रेखा शुरू हो रही हो तो ऐसे व्यक्ति अपनी कामुकता पर नियंत्रण नहीं रख पाने के कारण, अनैतिक कदम भी उठा लेते हैं.

हृदय रेखा का आरंभ शनि पर्वत से - जिन व्यक्तियों की हथेली का रंग डार्क होता है और शुक्र पर्वत अधिक उभरा हुआ होता है. हृदय रेखा का आरंभ शनि पर्वत से होता है, ऐसे व्यक्ति में चारित्रिक दोष होने की आशंका रहती है.

स्वार्थ के लिए कोई भी कदम उठा सकती हैं - किसी स्त्री की हथेली में हृदय रेखा का आरंभ सूर्य पर्वत से हो तो वह भरोसेमंद नहीं होती है. ऐसी स्त्री अपने स्वार्थ के लिए कोई भी कदम उठा सकती है ऐसा हस्तरेखा विज्ञान कहता है.

संधि काल में पूजा तथा उपासना

संधि काल में किसी भी प्रकार का लेन-देन या शुभ कार्य करना अच्छा नहीं मानते, लेकिन इस समय की गई आराधना का फल शुभ होता है. संधि काल का अर्थ है जब एक काल की समाप्ति होकर दूसरे काल का प्रारंभ हो रहा हो. संधि काल मुख्यतः सात प्रकार का होता है.

संध्या काल : जब सूर्यास्त होने वाला हो व चंद्रोदय हो रहा हो.

लग्न संधि : जब एक लग्न या राशि बदल रही हो.

ग्रह संधि : जब एक ग्रह राशि बदल कर दूसरी राशि में प्रवेश कर रहा हो.

नक्षत्र संधि : जब एक नक्षत्र समाप्त व दूसरे नक्षत्र का उदय हो रहा हो.

माह संधि : जब माह बदल रहा हो.

तिथि संधि : जब तिथि बदल रही हो.

दिवस संधि : अर्थात प्रातः काल जब सूर्योदय हो रहा हो व चंद्र अस्त हो. ऐसे समय में शुक्लपक्ष में सायंकाल चंद्रमा की किरणों में धूप, घी, श्वेत पदार्थ व नैवेद्य रखकर दीपक जलाएं. इससे व्यापार एवं नौकरी में लाभ संभव है. संध्या के समय संध्यावंदन व गायत्री मंत्र जप तथा अग्निहोत्र करने से (मलमास छोड़कर). सुख-समृद्धि, आर्थिक स्थिति में सुधार होना संभव है.

घर-कार्यस्थल पर न रखें श्रीगणेश की ये मूर्तियां-तस्वीरें

भगवान श्रीगणेश मंगलकारी देवता हैं. जहां श्रीगणेश का नित पूजन-अर्चन होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ का वास होता है. वास्तु शास्त्र में भगवान श्रीगणेश को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है.

धन से संबंधित जो भी बाधाएं आती हैं उसका दोष घर अथवा दुकान में ही मौजूद होता है. बहुत कुछ ऐसा होता है जिनकी अनजाने में अनदेखी हो जाती है. वास्तु दोष-विघ्न दूर करते हैं विनायक. जिस घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर होती है, वहां रहने वालों की दिनों-दिन उन्नति होती है.

आम, पीपल और नीम से बनी श्रीगणेश की मूर्ति घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं. इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है. घर के मुख्य द्वार पर चौखट के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए. उनके आस-पास सिंदूर से उनकी दोनों पत्नियों के नाम रिद्धि-सिद्धि लिखने की परम्परा है.

घर में पूजा के लिए भगवान श्रीगणेश की शयन या बैठी हुई मुद्रा में मूर्ति शुभ मानी जाती है. कार्यस्थल पर खड़ी हुई मुद्रा में भगवान श्रीगणेश की मूर्ति लगाएं. इससे स्फूर्ति और उमंग बनी रहती है.

ध्यान रहे कि खड़े हुए श्रीगणेश जी के दोनों पैर जमीन को स्पर्श करते हुए हों. इससे कार्य में स्थिरता आती है. घर में भगवान श्रीगणेश का चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए. घर में भगवान श्रीगणेश की ज्यादा मूर्तियां या तस्वीरें नहीं होनी चाहिएं.

किस्मत चमकानी है या सुंदर बीवी चाहिए तो अपनाइये इलायची के टोटके

आज हम आपको वास्तु टिप्स और ज्योतिष के जरिये बता रहे हैं कि आप कैसे अपनी लव-लाइफ सुधार सकते हैं और धनवान बन सकते हैं.

हम आपको ज्योतिष के मुताबिक कुछ टोटके बतायेंगे जिनके जरिये आप अपने जीवन में प्यार और धन की बरसात कर सकते हैं, जिसके लिए आपको बस छोटी इलायची से काम चलाना होगा. देखने में इलायची काफी सुंदर सी और आकार में छोटी होती है, लेकिन ये काम बड़े-बड़े करती है. इसलिए इसका प्रयोग केवल स्वाद या सुंगध के लिए नहीं होता बल्कि ये किस्मत चमकाने के लिए भी होता है.

पैसा : अगर आप धनवान बनना चाहते हैं तो आप अपने पर्स में हमेशा 5 इलायची जरूर रखिये.

सुंदर बीवी : अगर आप सुंदर बीवी की हसरत रखते हैं तो हर गुरुवार सुबह पांच इलायची को पीले वस्त्र के साथ किसी गरीब को दान दें.

प्रमोशन : अगर लाख मेहनत करने पर भी आपको मनचाहा वेतन या प्रमोशन नहीं मिल रहा है तो आज से ही आप रोज रात में एक हरे कपड़े में एक इलायची को बांधकर तकिये के नीचे रखकर सो जाइये और प्रात: उसे घर के किसी बाहरी व्यक्ति को दे दीजिये.

स्टडी : अगर पढ़ाई में अच्छे नंबर चाहिए तो एक छोटी इलायची को दूध में उबालकर सात सोमवार किसी गरीब को पिला दीजिये आपकी मेहनत रंग लायेगी.

रोमांस : रोमांस में कमी आ रही है तो आज से ही रोज रात में इलायची वाला दूध पीजिए, इश्क ही इश्क बरसने लगेगा.

शांति : इसके लिए रात के खाने में इलायची का सेवन करना नियमित रूप से शुरू कर दीजिए. घर-आंगन महक उठेगा.

वास्तु के अनुसार जानिये इन गिफ्ट के बारे में, संबंध होंगे काफी मजबूत

उपहारों का आदान-प्रदान संबंध मजबूत करने का एक बेहतरीन जरिया होता है. उपहार मन की खुशी को प्रकट करने के लिए या किसी को सम्मानित करने के लिए भी दिए जाते हैं इनके बदले में किसी धन की अपेक्षा नहीं की जाती है. हालांकि इसमें अपेक्षा छिपी हो सकती है कि जिसको उपहार दिया गया है वह अपना प्रेम और कृपा देने वाले पर बनाए रखेगा.

कुछ ऐसे भी उपहार की वस्तुएं होती है जिसे किसी को नहीं देना चाहिए. आज हम आपको वास्तु के अनुसार कुछ ऐसे उपहारों के बारे में बता रहे हैं जिसे देने पर संबंधों में मजबूती आयेगी.

हाथी की प्रतिकृति - एक जोड़ी हाथी की प्रतिकृति को शुभ का प्रतीक माना जाता है. यदि आप किसी को उपहार देते समय सोने या चांदी से बनी यह प्रतिकृति न दे सकें तो पीतल या लकड़ी के बने हाथी भी उतना ही प्रभावी होंगे.

टॉवेल और रुमाल - आम तौप पर टॉवेल और रुमाल को देना सही नहीं समझा जाता है. टॉवेल और रूमाल पर्सनलाइज्ड गिफ्ट में आता है. वास्तु के अनुसार इसे किसी को भी उपहार में नहीं देना चाहिए. यह नकारात्मकता का संचार करने के साथ ही देने तथा पाने वाले के बीच में कलह उत्पन्न करता है.

घड़ी या इससे जुड़ी कोई चीज - घड़ी को उपहार में देना वास्तु के अनुसार अशुभ माना जाता है. यह अप्रत्यक्ष रुप से व्यक्ति के जीवनकाल को नापती है. इसलिए यह सही नहीं होती है.

तेज धार वाली कोई भी वस्तु उपहार में न दें - तेज धार वाली और पॉइंट वाली कोई भी वस्तु घर में नकारात्मक उर्जा का संचार करती है. यह देने और पाने वाले दोनों के लिए बुरा भाग्य लाते हैं और इसका प्रभाव भी जल्दी ही पड़ जाता है. यह आपके संबंधों में खटास का कारण भी बन सकता है. इसलिए अगर कोई आपको एसी कोई भी वस्तु उपहार में दे तो आप तुरंत उसे लौटा दें.

शास्त्रों से- इन दिनों में न करें तेल मालिश, वरना हो सकता है बुरा असर

नहाने से पहले शरीर पर तेल मालिश भी की जाए तो त्वचा लंबी उम्र तक सेहतमंद बनी रहती है. तेल मालिश से त्वचा के रोम छिद्र खुल जाते हैं, त्वचा पर चिपके गंदगी के सुक्ष्म कण भी पूरी तरह साफ हो जाते हैं. शरीर पूरी तरह साफ और पवित्र हो जाता है.

यहां जानिए तेल मालिश से जुड़ी बातें...

वैसे तो स्वस्थ त्वचा के लिए तेल मालिश करना नियमित दिनचर्या है, लेकिन सप्ताह में इसे केवल तीन दिन ही करना चाहिए. मान्यता है कि सोमवार, बुधवार, और शनिवार को तेल मालिश करना चाहिए. जबकि रविवार, मंगलवार, गुरुवार और शुक्रवार को तेल मालिश नहीं करनी चाहिए.

कब करें तेल मालिश और कब नहीं

रवि, मंगल, गुरुवार और शुक्रवार को तेल से मालिश क्यों न करें? इस संबंध में शास्त्र कहते हैं कि इन दिनों में तेल मालिश करने पर रोग होने की आशंका रहती है.

तैलाभ्यांगे रवौ ताप: सोमे शोभा कुजे मृति:।
बुधेधनं गुरौ हानि: शुझे दु:ख शनौ सुखम्।।

इस श्लोक का अर्थ यह है कि रविवार को तेल मालिश से ताप यानी गर्मी संबंधी रोग, सोमवार को शरीर के सौन्दर्य में वृद्धि, मंगलवार को मृत्यु भय, बुधवार को धन की प्राप्ति, गुरुवार को हानि, शुक्रवार को दु:ख और शनिवार को करने से सुख मिलता है.

अगर रोजाना मालिश करना हो तो तेल में रविवार को फूल, मंगलवार को मिट्टी और शुक्रवार को गौमूत्र डाल लेने से कोई दुष्प्रभाव नहीं होता.

रक्त संचार होता है व्यवस्थित-

छिद्रों को बंद होने से बचाने के लिए हमें प्रतिदिन नहाना चाहिए. सप्ताह के कुछ दिनों में शरीर पर तेल मालिश भी करनी चाहिए, जिससे ये रोम छिद्र हमेशा खुले रहे सकें. तेल मालिश से हमारे शरीर का रक्त संचार भी व्यवस्थित चलता रहता है. तेल मालिश के लिए सरसों के तेल का उपयोग करना श्रेष्ठ रहता है, यदि आप सरसों के तेल से मालिश नहीं करना चाहते हैं तो किसी अन्य मालिश करने वाले तेल का भी उपयोग कर सकते हैं. यह है वैज्ञानिक क्रिया-हमारी त्वचा जालीदार है और शरीर पर असंख्य रोम छिद्र होते हैं. यह छिद्र शरीर से प्रदूषित वायु गैस के रूप में बाहर निकालते हैं. प्रतिदिन सफाई के अभाव में यह छिद्र बंद हो जाते हैं. यदि यह छिद्र बंद हो जाए तो ये हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है.

लॉकडाउन बढ़ने से व्यापारी चिंता के भंवर में फंसे

मार्केट डाउन, कर्ज की किश्तें भरने की चिंता और मजदूरों के गांव चले जाने की कठिनाई

पुणे, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

जीवन में कभी नहीं सोचा था कि ऐसा संकट आएगा. कई वर्षों से कंस्ट्रक्शन बिजनेस में जारी मंदी का असर रियल इस्टेट एजेंसियों पर भी हुआ है. अप्रैल में रेडीरेकनर की नई रेट घोषित होने के बाद बाजार में कुछ उथल-पुथल होने की उम्मीद थी. लेकिन कोरोना ने इस पर पानी फेर दिया है.

इससे बाहर निकलने और मार्केट में फिर से तेजी आने में कितना समय लगेगा? इसका अनुमान लगाने पर दिमाग सुन्न हो जाता है.

लॉकडाउन को देशभर में 3 मई तक बढ़ा देने से मार्केट डाउन होने की स्थिति और गंभीर हो गई है, कर्ज की किश्तें कैसे चुकेगी? यह चिंता व्यापारी वर्ग को है.

कारोबार बंद है. मजदूर गांव चले गए हैं. घर-परिवार चलाने की चिंता अलग से है. इन समस्याओं के भंवर में शहर का व्यापारी वर्ग फंस गया है, प्रस्तुत है ऐसे ही कुछ व्यापारियों से बातचीत के अंश....

अब तो बिजनेस बदलने की मानसिकता बनाई है

मैं पिछले कई वर्षों से रियल इस्टेट में काम करता आ रहा हूं, लेकिन मार्केट में बहुत समय तक मंदी का वातावरण होने से पहले से ही बिजनेस में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था. अधिकांश लोगों को बिजनेस में दोगुना कष्ट सहना पड़ रहा था, लेकिन पिछले कुछ महीने से कोरोना के संक्रमण के कारण जहां सब-कुछ ठप्प हो गया है, हमारा बिजनेस भी बचा नहीं है. कोरोना का संकट कब तक बना रहेगा इस बारे में साफ-साफ कुछ भी कहना मुश्किल है. इसके समाप्त होने के बाद सबसे बड़ा संकट आर्थिक होगा. बाजार को सामान्य बनाने के लिए हर हाथ में काम होना चाहिए. लड़कियों की उच्च शिक्षा के लिए बैंकों से कर्ज लिया गया है. उनकी किश्तें भरी नहीं जा सकेंगी. बजट को स्थिर करने के लिए बिजनेस बदलने की मानसिकता बनाई है.

- भोलासिंह अरोड़ा (रियल इस्टेट) मो. 9890158815

स्टैम्प ड्यूटी, सब-रजिस्ट्रार ऑफिस भी बंद रखे गए

पिछले कई वर्षों से रियल इस्टेट एजेंट के रूप में काम करता आ रहा हूं. पुणे रियल एजेंट संघठन के पदाधिकारी के रूप में प्रशासकीय स्तर पर आने वाली दिक्कतों के हल के लिए प्रयासरत रहूंगा. लॉकडाउन के कारण स्टैम्प ड्यूटी, सब-रजिस्ट्रार ऑफिस को भी बंद रखा गया है. लोगों के आने-जाने पर रोक लगी हुई है. केवल फोन पर ग्राहकों से संपर्क किया जा सकता है. लेकिन इसकी संख्या नगण्य है. नौकरी अथवा शिक्षा के लिए आए लोग अपने गांव चले गए हैं. कोरोना का संक्रमण खत्म होने के बाद वह वापस लौटेंगे या नहीं इसे लेकर कुछ भी नहीं कहा जा सकता है. छोटी-छोटी जगहों को भाड़े पर देने का छोटा कामकाज होता था, अब उसे लेकर कोई निश्चितता नहीं रह गई है. बैंक से होम लोन ले रखा है. इस महीने बैंक ने हफ्ता नहीं काटा है. लेकिन अभी तक कर्ज की किश्तों को लेकर स्पष्टता नहीं होने से अचानक से दो-तीन महीने की किश्त एक साथ भरने में परेशानी होगी.

- सचिन शिंगवी (रियल इस्टेट एजेंट)मो. 9850222880

लॉकडाउन से बड़ी कंपनियां और वर्कशॉप भी बंद

हमारे वर्कशॉप में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री से संबंधित स्पेयर पार्ट्स तैयार करने का काम किया जा रहा है. एक अप्रैल से बीएस 6 इंजिन वाहन का निर्माण करना अनिवार्य कर दिया गया है. पिछले वर्ष के आखिर तक ऑर्डर की संख्या कम थी, लेकिन कार बनाने वाली कई कंपनियों ने फरवरी से बीएस 4 के वाहन बीएस 6 में कन्वर्ट करने का काम हाथ में लिया है. जबकि कुछ कंपनियों ने बीएस 6 के वाहन बनाने शुरू किए थे. इस वजह से फरवरी से ऑर्डर होने से काम शुरू हो गया था, लेकिन लॉकडाउन से अब बड़ी कंपनियां बंद हैं और वर्कशॉप भी बंद रखा गया है. वर्कशॉप में मशीन पर काम करने वाले सारे कर्मचारी उत्तर भारतीय हैं. लॉकडाउन लागू होने से पहले ये लोग अपने मूल गांव चले गए हैं. पुणे शहर कोरोना रेड जोन में होने की वजह 3 मई के बाद भी लॉकडाउन समाप्त होता है या नहीं? इसका अंदाज नहीं लगाया जा सकता है. लॉकडाउन समाप्त होने के बाद बड़ी कंपनियों का उत्पादन कैसे बढ़ता है, इस पर सब कुछ निर्भर है. पूरा अप्रैल महीना काम बंद रहने से अगला महीना कैसे बीतेगा, इसका ध्यान रखना होगा.

- प्रीतम गिते (इंजीनियरिंग वर्कआउट सुपरवाइजर), मो. 9028915712

बिजनेस रुकने से फिलहाल कोई दूसरा रास्ता नजर नहीं आ रहा

पिछले कई वर्षों से बालू और सीमेंट सप्लायर का काम करता आ रहा था. कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में उतार-चढ़ाव का हमारे बिजनेस पर कई बार असर हुआ है, लेकिन सामान्य बस्तियों और मामूली कार्यों के लिए बालू व सीमेंट की मांग होने की वजह से आज तक इतनी परेशानी महसूस नहीं की. लेकिन पिछले महीने भर से दुकानें बंद होने की वजह से सब कुछ ठप्प हो गया है. बिजनेस रुकने से फिलहाल कोई दूसरा रास्ता नजर नहीं आ रहा है. दुकानें बंद और आने-जाने की पाबंदी की वजह से मार्च महीने का वेतन अभी तक नहीं मिला है. मेडीक्लेम की किश्त भरने का समय पास आ रहा है. उसकी चिंता है. लेकिन हमारे धंधे में गर्मी में ज्यादा मांग रहती है. बारिश शुरू होते ही मांग कम हो जाती है. भगवान से प्रार्थना है कि कोरोना का संक्रमण जल्द खत्म हो और सभी कुछ पहले की तरह शुरू हो जाए.

- प्रशांत जगताप (सैंड एंड सीमेंट सप्लायर)

अत्यावश्यक सेवा व उद्योगों हेतु समन्वय अधिकारी नियुक्त

पुणे, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

लॉकडाउन में पुणे जिले में अत्यावश्यक सेवा व औद्योगिक क्षेत्र को आवश्यक अनुमति देने हेतु समन्वय अधिकारियों की नियुक्ति की गई है. यह जानकारी जिलाधिकारी नवलकिशोर राम ने दी.

अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

1) उद्योग विभाग के सह संचालक सदाशिव सुरवसे (मो. 9923911196) को सरकार की गाइडलाइन के अनुसार अत्यावश्यक सेवा जारी रखने तथा विभागीय आयुक्त एवं जिलाधिकारी को रिपोर्ट पेश करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

2) उपजिलाधिकारी एमआईडीसी अविनाश हदगल (मो. 7028425256) को अत्यावश्यक उद्योगों को परमिशन देने, क्षेत्र व्यवस्थापक काले (मो. 8975003969) को पिंपरी-चिंचवड़ एवं आकुर्डी, क्षेत्र व्यवस्थापक भिड़े (मो. 8275378459) को बारामती व पंदरे, क्षेत्र व्यवस्थापक हसरमनी (मो. 9822973006) को चाकण-1, 2, 3 व 4 तथा क्षेत्र व्यवस्थापक घाटे (मो. 9975148872) को रांजणगांव व तलेगांव भागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

3) उपजिलाधिकारी एमआईडीसी संजीव देशमुख (मो. 9594612444) को अत्यावश्यक उद्योगों को परमिशन देने, क्षेत्र व्यवस्थापक जाधव (मो. 9850561338) को जेजुरी, कुरकुंभ, इंदापुर, भिगवण व पाटस तथा क्षेत्र व्यवस्थापक रासणे (मो. 8108908296) को तलवड़े, खराड़ी, हिंजवड़ी व खेड़ सेज आदि भागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है. जिला उद्योग समिति के व्यवस्थापक रेंधालकर (मो. 9822285518), निरीक्षक उद्योग यशवंत गायकवाड़ (मो. 9404676667) एवं उद्योग निरीक्षक मनीषा गायकवाड़ (मो. 9923199633) को उपरोक्त सभी क्षेत्रों में अत्यावश्यक उद्योगों के लिए परमिशन देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

खबरें संक्षेप में

डेढ़ लाख रुपए की पुस्तकें मुफ्त वितरित

पुणे, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती के मौके पर वंदेमातरम संगठन, सरहद पुणे की पहल से MPSC-UPSC के विद्यार्थियों के लिए एक लाख 50 हजार रुपए की मुफ्त पुस्तकें दी गई हैं. पुस्तकों के करीब 60 बंडल (एक बंडल में 10 किताबें) विभिन्न भागों में वितरित किए गए. इस मौके पर वंदेमातरम संगठन के कार्याध्यक्ष सचिन जामगे, अर्हम फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. शैलेश पगारिया, श्रीकांत पगारिया, डॉ. अतिश चोरड़िया, स्वराज पगारिया, आदेश खिंवसरा सरहद संस्था के अकिब भट, MPSC स्टूडेंट्स राइट्स के महेश बड़े, किरण चंद्रकांत राउत, आईटीआई शहराध्यक्ष व MPSC-UPSC के विद्यार्थी उपस्थित थे.

मुठा नदी के किनारे डाले गए भराव को मानसून से पहले हटाया जाएगा : महामेट्रो

शिवाजीनगर, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

आगामी मानसून से पहले नदी तटों पर मेट्रो कार्यों के लिए डाले गए भराव को हटाने की चेतावनी जलसंसाधन विभाग ने दी है. इस चेतावनी के साथ महाराष्ट्र मेट्रो रेलवे कॉर्पोरेशन (महामेट्रो) को नदी तटों का कार्य करने की परमिशन दी गई है. महामेट्रो ने साफ कर दिया है कि अगले कुछ दिनों में उपलब्ध कर्मचारियों के जरिए भराव निकाला जाएगा. पुणे मेट्रो के वनाज से रामवाड़ी के बीच मेट्रो के 1.4 किलोमीटर का रूट नदी किनारे से गुजरेगा. नदी किनारे कार्य करने के लिए मेट्रो द्वारा भराव डाले गए हैं, लेकिन जलसंसाधन विभाग ने इस पर ऐतराज जताया है. फिलहाल लॉकडाउन में इस तरफ ध्यान केंद्रित कर खास रूप से नदी किनारे मेट्रो कार्य की परमिशन दी गई है. यह जानकारी महामेट्रो के सरव्यवस्थापक (जनसंपर्क) हेमंत सोनवणे ने दी है. कर्मचारियों का प्रबंध कर अगले कुछ दिनों में यह पूरा भराव निकाला जाएगा. पिछले वर्ष मानसून से पहले इसी तरह से भराव निकाला गया था. प्रमुख रूप से डेक्कन जिमखाना में स्टेशन खंभों के लिए भराव और संगम पुल के पास नदी किनारे पिलर्स डालने के लिए डाले गए भराव की वजह से नदी की धारा कम होने की जानकारी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को दी गई थी. पर्यावरण प्रेमी सारंग यादवाडकर और विवेक वेलणकर ने याचिका दायर की थी.

कोरोना सक्रमण से निपटने के लिए द आईएएस ऑफिसर्स वाइव्ज एसोसिएशन द्वारा मुख्यमंत्री सहायता निधि में 1 लाख 75 हजार रुपए की मदद दी गई. संगठन की अध्यक्ष अंजना प्रसाद और सचिव डॉ. रवि गुप्ता ने रकम का चेक राज्य के गृह और गृहनिर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय कुमार को सौंपा.

आंबिल ओढ़ा के कंकड़-पत्थर निकालने का कार्य तेजी से शुरू

10 मई तक इसमें से कीचड़ निकालने का लक्ष्य : मनपा के सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर प्रवीण गेडाम ने दी जानकारी

पुणे, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई जारी है. इसी बीच मनपा ने पिछले वर्ष के मानसून के रौद्र रूप को याद रखते हुए नाला सफाई का काम शुरू किया है. पिछले वर्ष 25 सितंबर को बादल फटने के बाद हुई बारिश में पांच लोगों के साथ कई जानवर और करोड़ों रुपए की सम्पत्ति के नुकसान की वजह बना आंबिल ओढ़ा से कीचड़ व कंकड़-पत्थर निकालने का काम शुरू किया गया है.

10 मई तक पूरे आंबिल ओढ़ा का कीचड़ और कंकड़-पत्थर निकालने का लक्ष्य तय किया गया है. यह जानकारी मनपा के ड्रेनेज विभाग के प्रमुख सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर प्रवीण गेडाम ने दी.

कोरोना का संक्रमण जारी है. शहर में कोरोनाग्रस्त मरीजों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है. मृतकों की संख्या गंभीर रूप से बढ़ती जा रही है. मानसून शुरू होने में डेढ़ से दो महीने बचे हैं. मानसून से पहले शहर के नालों और गटर की सफाई के लिए मनपा ने 10 दिनों पहले टेंडर जारी किया था. पिछले वर्ष औसत से अधिक बारिश हुई. मानसून लंबा चला. इतना ही नहीं बल्कि 25 सितंबर को हुई तूफानी बारिश से शहर के ओढ़े, नाले ही नहीं बल्कि सड़कों में भी बाढ़ आ गई थी. इस बाढ़ में बड़े पैमाने पर जीवित हानि तो हुई ही वाहनों को भी भारी नुकसान हुआ. सोसायटियों की पार्किंग और बंगले में पानी घुस जाने से वाहन डूब गए थे. कीमती सामान व डाक्यूमेंट्स का नुकसान हुआ था. कात्रज से दत्तवाड़ी के बीच बहने वाले आंबिल ओढ़ा के परिसर में सबसे अधिक नुकसान हुआ था.

आंबिल ओढ़ा के कंकड़-पत्थर निकालने का काम तेजी से जारी.

इसके मद्देनजर प्रशासन ने आंबिल ओढ़ा के उद्गम स्थान से लेकर कात्रज तालाब के सांडवा दीवार तक ओढ़े के पत्रे से कीचड़ व कंकड़-पत्थर हटाने के कार्य शुरू किया है. इसके लिए 30 से अधिक जेसीबी और पोकलेन मशीन लगाई गई हैं. लॉकडाउन की वजह से सड़क पर भीड़ नहीं होने से कीचड़ व कंकड़-पत्थर की ढुलाई बिना किसी रुकावट के जारी है. आने वाले 10 मई तक आंबिल ओढ़े के कीचड़ और कंकड़-पत्थर निकालने का लक्ष्य तय किया गया है. इसे पूरा करने का विश्वास ड्रेनेज विभाग के प्रमुख प्रवीण गेडाम ने व्यक्त किया है.

मेडिकल शॉप में चोरी करने वाला गिरफ्तार

देहरोड, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

मेडिकल शॉप का शटर मोड़कर शॉप से 13 हजार रुपए कैश चोरी की गई. इस मामले में चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. यह घटना देहूरोड के मेन बाजार में घटी. गिरफ्तार आरोपी का नाम गणेश दिनेश गायकवाड़ (उम्र 19 वर्ष, नि. देहूरोड) है. इस घटना में शामिल अन्य तीन आरोपी दीपक पांडे, विकी थोरात व सुशील पिल्ले (सभी नि. देहूरोड) के खिलाफ देहूरोड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना 12 अप्रैल की सुबह घटी. शिकायतकर्ता मित्तल का देहूरोड मेन बाजार में मेडिकल शॉप है.

पीसीबी सीमा में कचरा जमा होने में 50% कमी

लॉकडाउन लागू होने से पहले हर दिन 50 टन कचरा जमा होता था

पुणे कैंटोन्मेंट, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

लॉकडाउन की वजह से पुणे कैंटोन्मेंट बोर्ड की सीमा में कचरा बेहद कम हो गया है. इसकी वजह से स्वास्थ्य विभाग में काम करने वाले कर्मचारियों और कचरा ढोने वाले वाहनों का काम कम हो गया है. इसका स्वास्थ्य संबंधी उपायों के तहत दवाइयों के छिड़काव के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है.

पुणे कैंटोन्मेंट बोर्ड की सीमा में आठ वार्ड हैं. इनमें से सबसे महत्वपूर्ण भाग के रूप में एम.जी. रोड और छत्रपति शिवाजी मार्केट, सेंट्रल स्ट्रीट क्षेत्र के होटल्स और सब्जी मार्केट होने की वजह से बड़ी मात्रा में कचरा जमा हो रहा था. इसके साथ ही परिसर के निवासियों द्वारा बड़े-बड़े बकेट में घर का कचरा, कचरा उठाने वालों के पास जमा किया जा रहा है. इस तरह से हर दिन 25 से 30 टन कचरा बोर्ड की सीमा में जमा करके हड़पसर के कचरा डिपो में डाला जाता है. फिलहाल कोरोना की वजह से पूरे शहर में लॉकडाउन है. ऐसे में पीसीबी की सीमा के सभी होटल्स, सब्जी मार्केट बंद हैं. इसकी वजह से कचरा कम जमा हो रहा है. पहले हर दिन 50 टन कचरा जमा होता था जो अब लॉकडाउन की वजह से 25 से 30 टन पर आ गया है.

■ अब हर दिन केवल 25 से 30 टन कचरा जमा हो रहा

दवाइयों का छिड़काव लगातार जारी

लॉकडाउन से पहले 50 टन कचरा हर दिन जमा होता था. अब यह मात्र 25 से 30 टन तक पहुंच गया है. नागरिक जागरूक हो गए हैं. सोसायटियों और बस्तियों के स्तर पर भी हर दिन दवाइयों का छिड़काव किया जा रहा है. यह जानकारी स्वास्थ्य विभाग प्रमुख आर.टी. शेख ने दी.

बिजली बिल ऑनलाइन प्राप्त करने मोबाइल नंबर का रजिस्ट्रेशन कराएं

महावितरण के पुणे परिमंडल द्वारा बिजली के ग्राहकों से अपील

पुणे, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

देशभर में लॉकडाउन के चलते महावितरण द्वारा 23 मार्च से बिजली के बिलों की प्रिंटिंग व वितरण बंद कर दिया गया है. अब महावितरण द्वारा ग्राहकों को मोबाइल ऐप, वेबसाइट व एसएमएस के माध्यम से बिल भेजे जा रहे हैं. बिलों की ऑनलाइन अदायगी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है. पुणे परिमंडल के 27 लाख से ज्यादा ग्राहकों को एसएमएस के जरिए बिजली के बिलों की जानकारी दी गई है.

पुणे परिमंडल में पुणे, पिंपरी-चिंचवड़ तथा पुणे ग्रामीण क्षेत्र के मुलशी, वेल्हे, मावल, जुन्नर व खेड़ तहसीलों के बिजली ग्राहकों से महावितरण में ग्राहक क्रमांक के साथ मोबाइल नंबर को लिंक करवाने की अपील की गई है. महावितरण प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि ऐसा करवाने वाले ग्राहकों को बिजली के बिल ऑनलाइन व एसएमएस के जरिए उपलब्ध कराए जा सकेंगे. पुणे परिमंडल के जिन ग्राहकों ने मोबाइल नंबर रजिस्टर नहीं कराए हैं, वे महावितरण के मो.नं. 9930399303 पर एसएमएस के माध्यम से मोबाइल नंबर का रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं. इसके अलावा कॉल सेंटर के नं. 1912 अथवा 18001023435 एवं 18002333435 टोल फ्री नंबर भी उपलब्ध हैं. महावितरण के मोबाइल ऐप के जरिए भी मोबाइल नंबर का रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकता है. इस ऐप में वर्तमान व पिछले बिलों को देखने तथा ऑनलाइन अदायगी के लिए नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, वॉलेट व कैश कार्ड आदि विकल्प उपलब्ध हैं.

लाखों ग्राहकों ने मोबाइल नंबर का रजिस्ट्रेशन कराया

महावितरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुणे शहर के कोथरूड, शिवाजीनगर, रास्तापेठ, नगररोड, पद्मावती, पर्वती, बंडगार्डन आदि महावितरण के विभागों में 14 लाख 88 हजार 211, पिंपरी-चिंचवड़ शहर के भोसरी व पिंपरी विभाग के 6 लाख 15 हजार तथा पुणे ग्रामीण मंडल के मुलशी, वेल्हे, मावल, जुन्नर, आंबेगांव व खेड़ तहसीलों के 6 लाख 83 हजार 968 ग्राहक मोबाइल नंबर का रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं.

63 हजार का गुटखा जब्त : एक गिरफ्तार

वाकड, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

गैरकानूनी रूप से किराना दुकान में बिक्री हेतु गुटखा रखने वाले एक दुकानदार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी के पास से 63 हजार 396 रुपए का गुटखा जब्त किया गया है. इस मामले में फूड सिक्योरिटी ऑफिसर अरुण श्रीराम धुले (उम्र 55) ने वाकड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत के आधार पर पुलिस ने मनोजकुमार श्रीलाल मोर्या (उम्र 26 वर्ष, नि. नखाते बस्ती, रहाटणी) के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी मनोजकुमार मोर्या की रहाटणी के नखाते बस्ती में विनोद जनरल स्टोर्स नाम की किराना दुकान है. इस दुकान में गैरकानूनी रूप से गुटखा व तंबाकूजन्य पदार्थ के रखे होने की जानकारी पुलिस को मिली थी.

आखिर कृषि माल उपबाजार में 248 गाड़ियां सब्जियां पहुंचीं

- मोशी, खड़की, उत्तमनगर, मांजरी का उपबाजार शुरू करने से लोगों को राहत

गुलटेकड़ी, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

गुलटेकड़ी के श्री छत्रपति शिवाजी मार्केटयार्ड में सब्जी, आलू-प्याज विभाग के साथ फल बाजार भी बंद है. वही कृषि उत्पन्न बाजार समिति द्वारा मोशी, खड़की, उत्तमनगर व मांजरी का उपबाजार शुरू किया गया है. इनमें गुरुवार 16 अप्रैल को कुल 248 गाड़ियों से सब्जियों की आवक हुई.

मोशी के उपबाजार में सब्जियों की 103, मांजरी के उपबाजार में 115 गाड़ियों की आवक हुई. खड़की के बाजार में 21 गाड़ियां, जबकि उत्तमनगर के बाजार में 9 गाड़ियों की आवक हुई. बाजार में कुल 5 हजार 450 टन क्विंटल सब्जियों की आवक हुई. पुणे कृषि उत्पन्न बाजार समिति के प्रशासक बी.जे. देशमुख ने यह जानकारी दी. गुलटेकड़ी मार्केटयार्ड का मुख्य सब्जी बाजार फिलहाल अनिश्चित समय के लिए बंद रखने का निर्णय लिया गया है. कुछ दिनों तक उपबाजार का भी कामकाज बंद रखा गया था. इसके बाद बुधवार की शाम मोशी, खड़की, उत्तमनगर, मांजरी का उपबाजार शुरू करने की योजना बनाई गई.

अनाज, सब्जी, दूध और फल का पर्याप्त स्टॉक

गुरुवार को पुणे मार्केटयार्ड में करीब 32,675 क्विंटल अनाज की आवक हुई. इनमें सब्जियां 7,033 क्विंटल, फल 2,118 क्विंटल और आलू-प्याज की 15,510 क्विंटल आवक हुई. पुणे विभाग में 15 अप्रैल को 99.283 लाख लीटर दूध आया था. इनमें से 22.786 लाख लीटर दूध पैकेजिंग करके बेचा गया. शेष दूध खुला बेचा गया.

पुणे में शुक्रवार को और 4 पेशेंट की मौत

कोरोना के 59 नये पेशेंट मिलने से चिंता बढ़ी : ससून में एक डॉक्टर भी संक्रमित पाया गया

पुणे, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

कोरोना संक्रमित 4 लोगों की शुक्रवार को पुणे में इलाज के दौरान मौत हो गई. इनमें 65 वर्षीय महिला के अलावा 30 और 44 वर्ष के पुरुष शामिल हैं. शुक्रवार को दिनभर में कोरोना संक्रमित करीब 59 नये मरीज सामने आए.

ससून हॉस्पिटल में शुक्रवार को और 4 कोरोना संक्रमित पेशेंट की मौत हो गई. चौथे 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत के साथ ही कोरोना से मरने वाले पेशेंट की संख्या 50 पर पहुंच गई है. मृतक को कई तरह की बीमारियां थीं. कोरोना से संक्रमित होने के बाद उनके अंगों ने काम करना बंद कर दिया था जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई. पुणे जिले के पुणे मनपा सीमा में 446, पिंपरी चिंचवड़ में 49 जबकि ग्रामीण क्षेत्र में 36 कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं. इस तरह कुल आंकड़ा 531 पर पहुंच गया है. कोरोना पीड़ित दस लोगों की हालत गंभीर है जिनमें से 4 की ससून हॉस्पिटल में जबकि 6 का प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है.

ससून का डॉक्टर पॉजिटिव : सहकारी आइसोलेशन में

डॉ. नायडू हॉस्पिटल और ससून हॉस्पिटल में कोरोना पॉजिटिव मरीजों का इलाज करने वाले ससून के एक सीनियर डॉक्टर कोरोना संक्रमित पाए गए हैं. यह सीनियर डॉक्टर ससून हॉस्पिटल के एक विभाग के प्रमुख हैं. उनका ससून की 11 मंजिली कोविड हॉस्पिटल के आइसोलेशन वार्ड में इलाज चल रहा है. खास बात यह है कि उनके संपर्क में कई सीनियर डॉक्टर और कर्मचारी आए थे जिन्हें क्वारंटाइन कर दिया गया है.

कोरोना के मरीजों का मेडिसिन, रेस्पिरेटरी मेडिसिन और ऐनेस्थेसिया इन तीन विभागों के डॉक्टर की टीम इलाज करती है. इन तीनों विभाग के रेजीडेंट डॉक्टर कोरोना पॉजिटिव मरीज का इलाज करते हैं. उनके साथ उन विभाग के प्रमुख डॉक्टर उनका मार्गदर्शन करते हैं. इनमें से एक विभाग प्रमुख डॉक्टर की रिपोर्ट शुक्रवार को पॉजिटिव आई. इसकी वजह से हॉस्पिटल के डॉक्टरों को लेकर अधिक सतर्कता बरती जा रही है. इससे पहले ससून हॉस्पिटल की 4 नर्सों को कोरोना पॉजिटिव पाया गया था. उनका कोविड हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है. लेकिन अब कोरोना की चपेट में सीनियर डॉक्टर आने से अन्य डॉक्टरों में भय का वातावरण है. इस बीच ससून के डीन डॉ. अजय चंदनवाले का ट्रांसफर किए जाने से यहां कोरोना पॉजिटिव मरीजों पर इसका असर होने की संभावना जताई जा रही है. प्राइवेट दो डॉक्टरों के संक्रमण होने की जानकारी सामने आई है. हॉस्पिटल के सीनियर्स ने इसे कंफर्म किया है.

मामले की गंभीरता के मद्देनजर हवेली तहसील के 12 गांव सील

कोरोना संकट के कारण जिले भर में आपातकालीन स्थिति बन गई है. इसके संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सावधानी बरतते हुए हवेली तहसील के 12 गांवों को सील किया गया है. यह जानकारी उपविभागीय अधिकारी सचिन बावरकर ने दी. हवेली तहसील के वाघोली, आव्हालवाड़ी, बावड़ी, केसनंद, नांदेड़ सिटी, खड़कवासला, किरकटवाड़ी, सोनापुर, मालखेड़ी, वरदाड़े, जांभुलवाड़ी और कोलेवाड़ी ग्राम पंचायत परिसर को सील किया गया है. अत्यावश्यक वस्तुओं के लिए बाहर निकलते समय प्रत्येक नागरिक को मुंह पर मास्क लगाना आवश्यक है. कृषि उत्पन्न बाजार समिति में माल की आवक-जावक, जीवनाश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए काम करने वाले कर्मचारियों व उनके वाहनों को अनुमति प्रदान की गई है. नागरिक सात दिनों का आवश्यक सामान भीड़ न करते हुए खरीद कर रख लें. यह अपील सचिन बावरकर ने की है.

झांसी के सांसद द्वारा पिंपरी में मजदूरों हेतु मदद की अपील

उत्तर भारतीय मजदूरों के भोजन के लिए स्थानीय विधायक तत्काल सक्रिय हुए

भोसरी, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

कोरोना के मद्देनजर जारी लॉकडाउन की वजह से पिंपरी-चिंचवड़ परिसर के कंस्ट्रक्शन साइट्स, लेबर कैंप में उत्तर प्रदेश के कुछ मजदूर फंसे हुए हैं. इन कामगारों, मजदूरों के सामने भूखे रहने की नौबत आने के बाद इन मजदूरों के लिए झांसी के सांसद द्वारा मदद की अपील की गई. इसके बाद इन मजदूरों, कामगारों को संवदेनशील लोगों का साथ मिला और 150 परिवार तुरंत अनाज और भोजन उपलब्ध कराए गए.

भोसरी निर्वाचन क्षेत्र के बालाजीनगर, विट्ठलनगर, नेहरूनगर क्षेत्र के 150 परिवारों को लॉकडाउन की वजह से पिछले दो दिनों से फंसे हुए थे. उनके पास के सारे अनाज खत्म हो चुके थे. उनके सामने भूखे रहने की नौबत आ गई थी. इन कामगारों व मजदूरों के संपर्क में आए उनके गांव के रिश्तेदारों और अन्य दूसरे लोगों ने झांसी के सांसद अनुराग शर्मा तक इन कामगारों और मजदूरों का दर्द पहुंचाया. सांसद

अनुराग शर्मा की पर्सनल सचिव रितू चावला ने सारी जानकारी प्राप्त कर मावल के सांसद श्रीरंग बारणे से संपर्क साधा. इसके बाद महेश लांडगे को इन मजदूरों के हाल की जानकारी दी गई. लांडगे ने जानकारी मिलने के बाद तुरंत इन मजदूरों का पता लगवाया. इस पूरे मामले पर उद्यमी अमित परदेशी ने बताया कि विधायक लांडगे ने भोसरी निर्वाचन क्षेत्र में आने वाले हर विभाग के कार्यकर्ताओं, उद्यमियों को जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाने के लिए कहा. बालाजीनगर, विट्ठलनगर, नेहरूनगर के 150 परिवार लॉकडाउन की वजह से यहां फंसे हुए थे. उनके पास के खाने-पीने की चीजें भी खत्म हो गई थीं. इन कामगारों व मजदूरों का सचिन शिंदे, संजय पटनी, अनिकेत गायकवाड़ ने पता लगाया. उनकी लिस्ट तैयार की और फिर इनके घरों में जरूरत के सामान दिए गए.

भोसरी निर्वाचन क्षेत्र के बालाजीनगर, विट्ठलनगर, नेहरूनगर क्षेत्र के मजदूरों के बीच अनाज का वितरण किया गया. इससे 150 परिवारों को से मदद मिली.

डॉ. चंदनवाले के तबादले का रेसीडेंशियल डॉक्टरों द्वारा विरोध

पुणे, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

बी.जे. मेडिकल कॉलेज के तत्कालीन डीन डॉ. अजय चंदनवाले का जल्दबाजी में तबादला किए जाने के विरोध में रेसीडेंशियल डॉक्टरों एवं महाराष्ट्र टीचर्स एसोसिएशन के प्रोफेसर डॉक्टरों (मार्ड) ने काम बंद कर हड़ताल का निर्णय लिया था, मगर डॉ. चंदनवाले की अपील पर मार्ड के डाक्टरों ने आंदोलन स्थगित कर इस निर्णय का विरोध किया.

ससून हॉस्पिटल में सर्वाधिक कोरोना पेशेंट्स की मौत हुई है. मरने वाले पेशेंट्स की संख्या में वृद्धि के चलते पिछले कुछ दिनों से ससून हॉस्पिटल एवं प्रशासन की लगातार आलोचना की जा रही थी. दूसरी तरफ कोरोना के पेशेंट्स की संख्या में वृद्धि के चलते सिर्फ एक महीने के अल्प समय में ससून हॉस्पिटल के कैम्पस में ग्यारह मंजिली बिल्डिंग में कोरोना पेशेंट्स के लिए आइसोलेशन एवं आईसीयू विभाग कार्यरत किया गया है. यहां पेशेंट्स की मौत की दर में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की जा रही थी. डॉ. चंदनवाले का जल्दबाजी में तबादले को लेकर इस विषय में राजनीति किए जाने का आरोप गुरुवार की रात से लगाया जा रहा था. हॉस्पिटल में मॉर्ड के डॉक्टरों के साथ महाराष्ट्र टीचर्स एसोसिएशनन के प्रोफेसर डॉक्टरों ने शुक्रवार की सुबह से काम बंद आंदोलन करने का निर्णय लिया था. इस मुद्दे को लेकर हॉस्पिटल के प्रांगण में करीब 300 डॉक्टरों ने इकट्ठे होकर शुक्रवार की सुबह से काम बंद करने की घोषणा की, मगर आंदोलन के दौरान ही डॉ. चंदनवाले अपना कार्यभार डॉ. शिंत्रे को सौंपकर वहां से रवाना हो गए. तब फिर उपस्थित डॉक्टरों द्वारा नारेबाजी किए जाने पर डॉ. चंदनवाले ने आंदोलन समाप्त करने की अपील करते हुए वहां से चले गए. इस वजह से डॉक्टरों ने उनके ट्रांसफर का विरोध तो जारी रखा, मगर सभी ने अपने कार्य शुरू कर दिए.

ट्रांसफर के पीछे राजनीति : मनसे ने लगाया आरोप

महाविकास आघाडी सरकार में शामिल पार्टियों को खुश करने के लिए ससून हॉस्पिटल के डीन डॉ. अजय चंदनवाले का अचानक तबादला किया गया. यह आरोप महाराट्र नवनिर्माण सेना ने लगाया है. पार्टी ने डॉ. चंदनवाले का ट्रांसफर रद्द करने की मांग मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से की है. मनसे ने कहा है ससून हॉस्पिटल में राजनैतिक हस्तक्षेप को चंदनवाले ने नकार देने पर ही इनका ट्रांसफर किया गया है. अच्छे अधिकारियों की राजनैतिक बलि लेने की परंपरा यह सरकार भी शुरु रखने वाली है क्या? यह प्रश्न भी मनसे ने उठाया है. कोरोना के कारण ससून में सबसे ज्यादा मौत होने का आरोप ससून की कार्यपद्धति पर लगाई गई है लेकिन हकीकत यह है कि इलाज को कम रिस्पांस देने वाले मरीजों को ही ससून में लाया जाता है. इस हकीकत को नजरअंदाज कर केवल राजनैतिक हितों के कारण ससून के डीन की बदली कर हिसाब बराबर किया गया है. यह भी आरोप मनसे के शहराध्यक्ष अजय शिंदे ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में लगाया है. यह ट्रांसफर अपना सर्वस्व दांव पर लगाकर कर काम करने वाले अन्य अधिकारियों के मनोबल को गिराएगा. इसलिए डॉ. अजय चंदनवाले के ट्रांसफर को तत्काल रद्द करने की मांग मुख्यमंत्री से की गई है.

दादूस से ऑनलाइन होम डिलीवरी शुरू

दादूस स्वीट एम्पोरियो की ऑनलाइन होम डिलिवरी अब पश्चिम पुणे से शुरू हो रही है. लॉकडाउन के दौर में लोग अपने घरों में हैं. लेकिन मिठाई और अन्य पदार्थ लोगों के घरों तक पहुंचाने के लिए यह सेवा शुरू की जा रही है.

बाणेर परिसर में स्विगी के जरिये यह ऑनलाइन होम डिलीवरी दी जाएगी. बुकिंग के लिए फोन नंबर 8008612333 पर संपर्क किया जा सकता है. आपके ऑर्डर इसी नंबर पर व्हाट्सअप के द्वारा दिए जा सकेंगे.

Dadu's
Blessed by generations of expertise

पिंपरी-चिंचवड़ में मिले कोरोना के 4 नए पेशेंट

तब्लीगी जमात से संबंधित पॉजिटिव मरीज की दोनों रिपोर्ट निगेटिव आई

पिंपरी, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

शहर के भोसरी और दिघी परिसर में एक महिला और तीन पुरुष सहित 4 नये कोरोना संक्रमित मिलने की रिपोर्ट प्राप्त हुई है. इससे अभी उपचार ले रहे कोरोना मरीजों की संख्या 39 तक पहुंच गई है. शहर में अब तक कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 52 दर्ज हुई है. इनमें से 12 पेशेंट स्वस्थ्य होकर घर जा चुके हैं. वही एक मरीज की मौत हुई है.

हर दिन मरीज की संख्या बढ़ रही है. लेकिन इन सबके बीच एक राहत देने वाली खबर सामने आई है. दिल्ली के तब्लीगी जमात के कार्यक्रम से आए कोरोना पीड़ित मरीज 14 दिन के क्वारंटाइन और 24 घंटे में आई दो जांच रिपोर्ट में निगेटिव आए है. यह मरीज कोरोना से मुक्त होने की दिशा में है. मेडिकल डिपार्टमेंट ने साफ कर दिया है कि मरीज की स्थिति देखने के बाद उसे घर छोड़ दिया जाएगा. तब्लीगी जमा से संबंधित एक मरीज की गुरुवार को 14 दिन के क्वारंटाइन के बाद रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी.

दिल्ली के निजामुद्दीन क्षेत्र में तब्लीगी मरकज के धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर पिंपरी चिंचवड़ आए 23 और उसके संपर्क में आए पांच रिश्तेदारों सहित 28 में से 2 लोगों की रिपोर्ट 2 अप्रैल को पॉजिटिव आई थी. इनमें से एक मरीज की 14 दिनों बाद रिपोर्ट गुरुवार को पॉजिटिव आई थी. इसकी वजह से प्रशासन की चिंता बढ़ गई थी. शुक्रवार को एक राहत भरी खबर सामने आई है.

डाक विभाग खेती संबंधी माल की डिलीवरी करेगा

पुणे, 17 अप्रैल (आ. प्र.)

लॉकडाउन की अवधि में खेती के कार्यों को अनुमति दी गई है. इन कार्यों हेतु आवश्यक चीजों की डिलीवरी करने के लिए डाक विभाग ने सहमति दी है. पुणे सहित राज्य के अन्य जिलों में भी खेती से संबंधित माल डाक के जरिए भेजा जायेगा. यह जानकारी जीपीओ के असिस्टेंट पोस्ट मास्टर नरेंद्र लागवणकर ने दी. डाक विभाग ने दवाई व टेस्टिंग किट भी भेजना शुरू किया है.

पुलिस की कर्तव्य दक्षता को नागरिकों का सलाम

कोरोना से लॉकडाउन की पृष्ठभूमि पर शहर में विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों ने व्यक्त कीं अपनी प्रतिक्रियाएं

- बंद के चलते पैदा हुई चुनौतियों पर प्रकाश डाला
- पुलिस और प्रशासन से और सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की : कहा- नागरिकों को गंभीरता दिखानी होगी

पुणे, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

अपर्याप्त कर्मचारियों की संख्या पर भी पेंशन का वितरण करना, ऑनलाइन उत्सव मनाकर लोगों की भीड़ से बचना और लोकडाउन के कारण बिजनेस बंद होने से कामगारों के वेतन की समस्या पर नागरिकों ने अपनी राय जाहिर की है. साथ ही पुलिस की कर्तव्य दक्षता को नागरिकों ने दिल से सलाम किया है.

पीएफ कार्यालय अत्यावश्क सेवा में शामिल

कोरोना से खुद को बचाने के लिए लॉकडाउन की अवधि को भारतीयों ने स्वीकार किया है. क्योंकि हर किसी का जीवन अनमोल है. पीएफ कार्यालय को अत्यावश्क सेवा में शामिल किया गया है. ऐसे में पेंशनधारकों को समय पर पेंशन देना पीएफ कार्यालय का कर्तव्य है. पुणे विभाग के कार्यालय में साधारणतः ढाई हजार कर्मचारी हैं. लेकिन लॉकडाउन की वजह से केवल 40 से 50 कर्मचारी ही काम पर आ रहे हैं. उनकी मदद से हम पेंशन समय पर देने का प्रयास कर रहे हैं. सोशल डिस्टेंसिंग के नियम का पालन किया जा रहा है. **-अरुण कुमार, आयुक्त, भविष्य निर्वाह निधि कार्यालय, पुणे विभाग, मो. 7387800777**

इंटरनेट, दवा आदि को लेकर समस्या हल हो

लॉकडाउन की वजह से चर्च बंद हैं. ऐसे में इस बार हमने पाम संडे, गुड फ्राइडे, ईस्टर संडे पर ऑनलाइन प्रार्थना की. व्यक्ति की मौत होने के बाद 40वें दिन की भी प्रार्थना हमें ऑनलाइन करनी पड़ी, लेकिन इंटरनेट की समस्या खड़ी हो गई है. लॉकडाउन की वजह से मामूली समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. दवाइयां लेने के लिए बाहर निकलते हैं तब भी पुलिस हमें रोकती है. कुछ मेडिकल की दुकानों में दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक नहीं है. इसकी वजह से परेशानी हो रही है. छोटे बच्चे घरों में बैठे-बैठे बोर होने लगे हैं. बैठने वाला खेल कितने दिन खेलें. लेकिन छोटे बच्चों को समझाना कई बार बेहद मुश्किल होता है. **- राजेंद्र पापानी, फादर, मो. 9823197775**

नागरिकों को पुलिस की मदद करनी चाहिए

लॉकडाउन में पुलिस के कार्य की प्रशंसा करनी चाहिए. खुद के परिवार को वह पूरा वक्त नहीं दे सकते हैं. दिन-रात उन्हें सड़क पर खड़े रहकर गश्त लगानी पड़ती है. वक्त आने पर सामाजिक कर्तव्य के तहत सीनियर सिटीजंस के साथ जरूरतमंद नागरिकों की मदद करनी पड़ती है. ऐसी स्थिति में नागरिकों को पुलिस की मदद करनी चाहिए. क्योंकि लॉकडाउन देश के नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए घोषित किया गया है. इसे लेकर नागरिकों को गंभीरता दिखानी होगी. **-दिलीप पिंगले, कॉन्ट्रैक्टर, मो. 9975750669**

घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया

मेरा होटल का बिजनेस है. लेकिन लॉकडाउन की वजह से पिछले कई दिनों से बिजनेस बंद है. मेरे पास दस कामगार हैं. उन्हें राशन उपलब्ध कराया है. लेकिन लॉकडाउन की वजह से बिजनेस पर इसका असर हुआ है. बैंक भी बंद हैं. ऐसे में दैनिक खर्चे की समस्या खड़ी हो गई है. सब्जी लेने के लिए घर से बाहर जाने पर पुलिस रोकती है. ऐसे में घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है. बिजनेस चलने पर हमारे लिए कामगारों को वेतन देना आसान हो सकता है. तभी कामगार अपने घर में दो वक्त का खाना आराम से खा सकते हैं. **- सुधीर चांदेकर, सहसचिव, चर्च ऑफ होलीनेम, गुरुवार पेठ, मो.9554487744**

दुःखद निधन

स्व. गंगादेवी श्रीकिशन गर्ग (अग्रवाल)

(उम्र : 72 वर्ष)

''बड़े दुख के साथ सूचित कर रहे हैं कि हमारी माताजी **श्रीमती गंगादेवी श्रीकिशन गर्ग** का शुक्रवार दि. 17 अप्रैल 2020 की सुबह 5 बजे लंबी बीमारी के चलते घर पर ही दुखद निधन हो गया. शुक्रवार को ही सुबह 11 बजे विश्रांतवाडी शमशान भूमि में उनपर अंतिम संस्कार किए गए.''

भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे.

कल फूल उठेंगे

कल रविवार 19 अप्रैल 2020 की सुबह 8 बजे फूल उठाए जाएंगे.

समाज के सभी महानुभावों एवम् रिश्तेदारों से प्रार्थना है कि आप सभी **स्व. गंगादेवी** के मोक्षप्राप्ति की प्रार्थना अपने घर से ही करें. कोविड 19 के लॉकडाउन के चलते प्रशासन ज्यादा लोगों को इकट्ठा होने की इजाजत नहीं देता. इसलिए आप सभी अपने घर से ही इन्हें श्रद्धांजलि अर्पण करें.

निवासस्थान,
डिव्यू ड्रॉप्स सोसायटी
फ्लैट नं - B-604,
आलंदी रोड, विश्रांतवाडी,
पुणे - 411015

शोकाकुल,
- विजय श्रीकिशन गर्ग-अग्रवाल (पुत्र)
मो.नं. 7028919261
एवम् समस्त गर्ग परिवार

सलाह मशविरा

पुरानी चोट के निशान प्लास्टिक सर्जरी से पूरी तरह साफ हो सकते हैं?

– नहीं, ऐसी उम्मीद रखना ही गलत है. प्लास्टिक सर्जरी से किसी निशान की कुरूपता ही कम की जा सकती है. पूरी तरह मिटाया नहीं जा सकता. कहीं निशान ऐसे स्थान पर भी होता है कि प्लास्टिक सर्जन चतुराई से उसे त्वचा की तह में छुपा देते हैं.

– डॉ. अमोल अग्रवाल

फूड फैक्ट

सीताफल आसानी से पचने वाला फल होता है जो आपकी एसिडिटी और अल्सर में बहुत लाभकारी होता है. इसमें विटामिन सी और और आयरन बहुत अच्छी वाली मात्रा में होते है इसलिए यह आपके शरीर से आयरन और विटामिन की कमी को भी पूरा करता है. सीताफल खाने से दिमाग शांत रहता है. इसलिए तनाव को कम करने में भी यह एक अच्छा फल साबित हो सकता है.

हेल्थ टॉनिक

▪ शिक्षक ने क्लास में लड़के की कॉपी जांचते हुए उससे कहा: मुझे आश्चर्य होता है कि तुम अकेले इतनी सारी गलतियां करते हो?

लड़के ने खड़े होकर कहा : यह सब गलतियां मैंने अकेले नहीं की हैं, बल्कि पिताजी ने भी इसमें मेरी मदद की है.

▪ इंटरव्यू के वक्त उम्मीदवार से पूछा गया, 'विश्व के तीन महान व्यक्तियों के नाम बताओ?''नेहरू जी, गांधी जी और साहब...उसने प्रश्न पूछने वाले सज्जन की ओर देखकर पूछा, आपका नाम क्या है?'' और उसे नौकरी मिल गई.

संतरे का सेवन सेहतमंद बनाता है

मीठा रस भरा संतरा बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी अच्छा लगता है. इसका वनस्पति नाम चित्तुस रेतिकुलाता ब्लेंकों है. यह आरेकासी परिवार का सदस्य है. संतरे का वृक्ष मध्यम आकार का झाड़ीनुमा तथा कांटेदार वृक्ष होता है. यह उष्ण कटिबंधीय वातावरण में उगता है. इसके पत्ते, छोटे, गोल–बेलनाकार तथा छोटे डंठल वाले होते हैं.

यों तो संतरा एक मौसमी फल है, परन्तु यह सारे देश में आसानी से उपलब्ध हो जाता है. इसकी पैदावार नागपुर, असम में सिलहट और उत्तरप्रदेश के पहाड़ी भागों में अधिक होती है. नागपुर का संतरा, अपने स्वाद के लिए बहुत प्रसिद्ध है. कृषि वैज्ञानिकों ने इसकी विभिन्न किस्में पैदा करके इसे विभिन्न जलवायु के अनुकूल बना लिया है. संतरा बहुत उपयोगी फल है. गर्मी में तो इसकी उपयोगिता बहुत बढ़ जाती है, क्योंकि इससे उष्णता शांत होती है.

आयुर्वेद के अनुसार संतरा वातनाशक, तृषाशामक, दाह, ज्वर एवं हृदय विकार को दूर करने वाला होता है. यह मुंह की दुर्गंध दूर करता है. इससे कब्ज भी दूर होती है. इसमें लगभग 87.4 प्रतिशत पानी, 10.5 प्रतिशत कार्बनिक पदार्थ, 0.1 प्रतिशत प्रोटीन और 0.3 प्रतिशत वसा होता है. यह फल विटामिन 'सी' का भंडार होता है.

गर्मियों में बार–बार प्यास लगने पर पके संतरे की ताजा फांकें को चूसने से प्यास शांत होती है. जी मिचलाने और उल्टी होने पर भी संतरे की ताजा फाड़ियों को चूसना लाभकर होता है. बुखार में जब रोगी को बेचैनी होती है, बार–बार प्यास लगती है, मुंह सूख जाता है तो रोगी को मीठे संतरे की फाड़ियां चूसने को दें. इससे रोगी तृप्त एवं शांत होता है. बुखार एवं खांसी में आराम के लिए मीठे संतरे के गूदे में शक्कर या चीनी डालकर गर्म करके रोगी को खिलाएं. परन्तु ध्यान रखें कि संतरा मीठा ही हो, क्योंकि खट्टे संतरे के ज्यादा सेवन से कफ विकार हो जाता है.

पायरिया के कारण यदि मसूढ़े फूल जाएं तथा उनमें सड़न के कारण दुर्गंध व रक्त आने लगे तो रोगी को प्रतिदिन संतरे का ताजा रस दिया जाना चाहिए. साथ ही संतरे के छिलकों को बारीक पीसकर दंतमंजन में मिला लें, फिर इस मंजन से धीरे–धीरे मसूढ़ों की मालिश करें. इससे रोगी को लाभ होगा.

छोटे शिशुओं को यदि ताजा संतरे का रस थोड़ी मात्रा में नियमित रूप से पिलाया जाए तो उनका शरीर तंदुरुस्त रहता है तथा रक्त शुद्ध रहता है. इससे उनकी हड्डियां मजबूत होती हैं तथा उनका पूर्ण विकास होता है. खाज–खुजली होने पर भी संतरे का रस पीने से राहत मिलती है. साथ ही प्रभावित स्थान पर ताजा संतरे का छिलका रगड़ना चाहिए. इसके छिलके से आंखें भी साफ हो जाती हैं.

गर्भवती महिलाओं को प्रतिदिन संतरे का सेवन करना चाहिए, इससे मां तथा गर्भस्थ शिशु दोनों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है. गर्भवती महिलाओं को होने वाले वमन तथा अतिसार के लिए संतरे के छिलके के चूर्ण की कुछ मात्रा देकर संतरे का रस पिलाएं. यदि शिशुओं के पेट में कृमि हो जाएं तो संतरे के छिलकों को चार कप पानी में चौथाई शेष रहने तक उबाल लें, फिर छान कर उसमें थोड़ी सी हींग मिलाकर एक चम्मच शिशु को नियमित रूप से सुबह–शाम पिलाएं. इससे पेट के कृमि शीघ्र ही नष्ट हो जाएंगे. प्रतिदिन प्रात:काल निराहार एक–दो रसीले संतरे खाने से मंदाग्नि की शिकायत दूर होती है. हृदय तथा छाती की कमजोरी, पेट की गड़बड़ तथा श्वास की बीमारी में संतरे का सेवन लाभ देता है. इन्फ्लुएंजा के लिए संतरा रामबाण औषधि है. इन्फ्लुएंजा होने पर लगातार तीन–चार दिन ताजा संतरा खाएं और उबला हुआ ठंडा पानी पीएं.

संतरे का कच्चा फल

यह हरा होता है, जबकि पकने पर पीला, नारंगी, मीठा एवं रस वाला हो जाता है. फल एक चिकने व सख्त छिलके के अंदर सुरक्षित रहता है. रस और गूदा विभिन्न फाड़ियों के रूप में पतली सी झिल्ली में होता है.

योग: ज्ञान और वरदान

प्राणायाम संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है प्राणों पर नियंत्रण. प्राण बुनियादी तौर पर हमारी जीवनी शक्ति या ऊर्जा है. प्राणायाम सिर्फ सामान्य योग संबंधी सांस लेना ही नहीं है. यह योग की वह शाखा है जो मन तथा शरीर को साफ–स्वच्छ करती है. यह विशेष तौर पर मेडीटेशन के लिए आपको तैयार करती है ताकि आपके मन को ध्यान केंद्रण में सहायता मिल सके.

ऐसे शुरू करें...

फर्श पर पालथी मार कर, किसी दीवार के आगे या कुर्सी पर आरामदायक तरीके से बैठ कर इसकी शुरूआत करें. आप किसी गोल तकिए से अपनी पीठ को सहायता देकर भी बैठ सकती हैं.

1. अपना दायां हाथ ऊपर की ओर करें. उसके बाद अपनी तर्जनी तथा मध्यमा उंगलियों को अपनी हथेली की ओर मोड़ें. अपनी हथेली को अपने चेहरे की ओर ले जाएं और उसके बाद अपने अंगूठे को अपनी दाई नासिका के ऊपर रखें तथा अनामिका और कनिष्ठा उंगली को अपनी बाई नासिका के ऊपर रखें.

2. अपनी अनामिका तथा कनिष्ठा उंगली के सिरों से हल्के ढंग से अपनी बाई नासिका को बंद करें. अपनी दाईं नासिका से सांस अंदर की ओर खींचे–यह एक धीमी और पूरी सांस हो.

3. अपनी दाईं नासिका को अपने अंगूठे के सिरे से हल्के से दबा कर बंद करें. फिर अपनी बाईं नसिका, अपनी अपनी अनामिका तथा कनिष्ठा उंगली को हटा कर खोलें. पूरी तरह बाहर की ओर सांस छोड़ें. एक बार फिर आपकी सांस धीमी और स्थिर होनी चाहिए.

4. अब अपनी बाईं नसिका के माध्यम से सांस अंदर को ओर खींचे. अपनी उंगलियों से इसे नीचे की ओर दबा कर बंद करते हुए फिर अपनी दाईं नसिका के माध्यम से सांस छोड़ें. यह एक प्रकार से 'मीठी सांस' का एक चक्र है.

क्या करें...

4 बार सांस अंदर लेकर तथा 4 बार बाहर छोड़ कर हल्की बीट्स गिनें या फिर ऐसा करें कि एक बार सांस अंदर लें और एक बार सांस बाहर छोड़ें. उसके बाद 2 बार सांस अंदर लें और 2 बार छोड़ें. फिर 3 बार और इसी तरह आगे जब तक कि आप 10 बार सांस लेने–छोड़ने में सिद्धहस्त न हो जाएं.

क्या न करें...

कभी भी अपने फेफड़ों को अधिक न भरें. अंदर ली हुई सांस आपको प्राकृतिक लगनी चाहिए.

कुछ जरूरी दिशा-निर्देश

- अपनी दाईं नसिका के माध्यम से सांस अंदर लें. अपनी बाई नसिका के माध्यम से सांस बाहर छोड़ें.
- अब अपनी बाईं नसिका के माध्यम से सांस अंदर लें. अपनी दाईं नसिका के माध्यम से सांस बाहर छोड़ें.

जब भी नसिका बदलें तो थोड़ा विराम लें. जब आप इसकी बुनियादी तकनीक में सिद्धहस्त हो जाएं तो 4 सांसें अंदर की ओर खींचे.

फिर सांस को रोक कर 4 तक गिनें और इसे बाहर की ओर छोड़ दें. (विपरीत नसिका के माध्यम से) इन दिशा–निर्देशों का पालन करें परंतु हर बार अंदर की ओर सांस लेने के बाद एक विराम अवश्य दें.

ऑर्गेनिक प्रोडक्ट के उपयोग से त्वचा की देखभाल

त्वचा की देखभाल में समझौता, बिल्कुल नहीं. यही आप सोचते होंगे. आपकी त्वचा की खूबसूरती के लिए बाजार में ऑर्गेनिक स्किन केयर भी आ गए हैं. ये त्वचा को नेचुरल ब्यूटी देते हैं.

स्किन केयर उत्पाद का चयन करने से पहले हमें यह भी विचार करना चाहिए कि हम जो चीजें त्वचा पर इस्तेमाल करते हैं, वे कितनी कारगार हैं. सुंदर और कोमल त्वचा हर किसी का सपना होता है. लिहाजा प्लास्टिक, सिलिकन, पेट्रोलियम, कृत्रिम सुगंध, डाई और अन्य सिन्थेटिक तत्वों वाले स्किन प्रोडक्ट पर खर्च करने से भला है कि ऑर्गेनिक से परिपूर्ण प्रोडक्ट का इस्तेमाल किया जाए, जो कुदरती खूबसूरती पाने का एक सरल व उत्तम उपाय है. मौजूदा समय में स्किन हेल्थ केयर में हर्बल मेडिसिन (जड़ी–बूटियों से निर्मित औषधि) का उपयोग काफी अहम हो गया है.

ऑर्गेनिक तत्वों से भरपूर स्किन केयर उत्पाद शुद्ध अवयवों से तैयार किए जाते हैं. इनसे एलर्जी और रिएक्शन का खतरा कम हो जाता है. प्राकृतिक उत्पादों से हमारी त्वचा और शरीर की कैमिस्ट्री के बीच तालमेल व सामंजस्य बना रहता है. ऑर्गेनिक पदार्थों से भरपूर स्किन केयर प्रोडक्ट्स में सिर्फ उत्तम प्राकृतिक अवयव होते हैं, जिनका चयन उनकी शुद्धता और त्वचा के लिए अनुकूलन के आधार पर किया जाता है.

प्रदूषण से भी बचाए -

प्राकृतिक उत्पाद से त्वचा हमेशा जवान बनी रहती है और इससे स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं पड़ता है. इनके इस्तेमाल से शरीर पर बुढ़ापा नहीं दिखता है और ये दूषित वातावरण से रक्षा करते हैं.

आज पर्यावरण से जुड़ी कई चुनौतियां हैं, जो हमारे वातावरण के स्वास्थ्य और सौंदर्य पर बुरा असर डाल रही हैं. इसलिए यह बहुत जरूरी है कि हम उन्हीं उत्पादों का चयन करें, जिनका सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करना चाहते हैं.

स्किन केयर उत्पाद प्राकृतिक अवयवों से तैयार होते हैं और वे आपकी त्वचा के लिए इस प्रकार से मददगार होते हैं.

- संतुलित बनाते हैं.
- स्वस्थ और प्रकृति के अनुकूल होते हैं.
- त्वचा में चिकनापन, नमी, मजबूती, सुंदरता लाने में मददगार होते हैं.

ये चीजें बहुत फायदेमंद

⏭ केला : वजन कम करेगा

केले के साथ एक कप गर्म पानी से अतिरिक्त शुगर के बिना शरीर को भरपूर ऊर्जा मिलती है, वजन भी घटेगा. केले खाने से रक्त की कमी दूर हो सकती है, क्योंकि केले में आयरन होता है.

⏭ मक्खन : ग्रंथियां ठीक रखेगा

लोगों के कहने में आकर मक्खन खाना नहीं छोड़ना चाहिए, यह थायरॉइड से बचाता है. यह विटामिन ए से भरपूर होता है, साथ ही इससे शरीर की ग्रंथियां ठीक से काम करती हैं.

⏭ किशमिश : खून बनाएगी

किशमिश लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने के लिए फायदेमंद मानी जाती है. यह आयरन, कॉपर और बी कॉम्पलेक्स विटामिन्स का अच्छा स्रोत भी मानी जाती है.

कफ, जुकाम का अचूक इलाज है लौंग

✔ लौंग को गरम कर जल में घिसकर माथे पर लगाने से सिर दर्द गायब हो जाता है.

✔ लौंग को पीसकर एक चम्मच शक्कर में थोड़ा–सा पानी मिलाकर उबाल लें व ठंडा कर लें. इसे पीने से उल्टी होना व जी मिचलाना बंद हो जाता है.

✔ लौंग सेंककर मुंह में रखने से गले की सूजन व सूखे कफ का नाश होता है.

✔ सिर दर्द, दांत दर्द व गठिया में लौंग के तेल का लेप करने से शीघ्र लाभ मिलता है.

✔ गर्भवती स्त्री को होने वाले वमन में लौंग का चूर्ण शहद के साथ चटाने से लाभ होता है.

✔ लौंग का तेल मिश्री पर डालकर सेवन करने से उदरशूल में लाभ होता है.

सेक्स एजूकेशन

स्वप्न, आयु के कौन से वर्ष से शुरू होकर कब तक हो सकता है?

यह क्रिया युवावस्था में शुरू होती है और आमतौर पर शादी होने पर बंद हो जाती है. शादी के बाद मनुष्य की शारीरिक जरूरतों की पूर्ति संभोग से हो जाती है, इसलिए सामान्यतया स्वप्नदोष नहीं होता है. स्वप्नदोष वैसे तो किसी भी उम्र में हो सकता है, विशेषतौर पर जब जीवनसाथी दूर गया हो और बहुत दिनों से संभोग सुख नहीं मिला हो. स्वप्न दोष से किसी प्रकार का कोई शारीरिक नुकसान नहीं होता है.

गुप्तरोगों के सामान्य लक्षण क्या हैं और आपकी सलाह क्या है?

गुप्तरोगों के सामान्य लक्षण इस प्रकार हैं–

पुरुष और स्त्रियाँ दोनों में ही

- जननेंद्रियों पर व्रण आना; ▪ पेशाब करने में जलन होना;
- जननेंद्रियों पर मस्सेदार विक्षतियों का आना;
- ग्रंथियों का बड़ा होकर पीड़ादायक होना.

स्त्रियों में

- योनिमार्ग से सफेद स्राव होना; ▪ पेट के निचले भाग में दर्द

यदि किसी व्यक्ति में उपरलिखित लक्षण पाए जाते हैं, तो रोगी की पूरी डॉक्टरी जाँच आवश्यक होती है.

यदि किसी व्यक्ति के शिश्न पर घाव का चिन्ह है तो यह किस बात का संकेत है?

आमतौर पर अधिकतर व्रण विक्षतियाँ बिना कोई चिन्ह छोड़े हुए ही ठीक हो जाती है. लेकिन कुछ में ऐसा हो सकता है कि त्वचा के रंग में थोड़ा फर्क आ जाय. यह फर्क, पहले हुए गुप्तरोग का चिन्ह हो सकता है. कई बार युवकों को शिश्न के अन्दर की तरफ के घाव जैसे चिन्ह को लेकर चिंता होती है. लेकिन यह गुप्तरोग का चिन्ह नहीं है. यह भ्रूण के विकास के समय ही बन जाता है, त्वचा का यह भाग, एक जाल की तरह दिखाई देता है. यह एक सामान्य घटना है.

'जी स्पॉट' क्या है? इसे किस प्रकार उत्तेजित करें?

– जी स्पॉट यानी ग्रॉफनबोर्ग वह क्षेत्र है जो अति संवेदनशील होता है. यह योनी दीवार से अग्रवर्ती भाग में डेढ या दो इंच योनी के अंदर होता है इसे उंगली से सहलाने से वह फूलता है. यही स्त्री के उत्तम उत्तेजित होने की पहचान है. इसी वजह से कामक्रीड़ा सुखद होती है.

मैं 19 वर्षीय युवक हूं. मेरे अंडकोषों पर 4–5 छोटे छोटे फोड़े हो गए हैं. डॉक्टरों की दवा एवं मलहम से कोई असर नहीं हो रहा है, ये फोड़े सफेद रंग के तथा कड़क हैं. मैं क्या उपाय करूं?

– इसको सिबेसिसियन कहते हैं. इन फोड़ो में चीज़जैबा पदार्थ रहता है. गोली अथवा मलहम से ये फोड़े दूर नहीं होते हैं. आप किसी जनरल हॉस्पिटल के त्वचा रोग विभाग में इलाज कराएं. व्यर्थ चिंता न करें. यह समस्या अधिक गंभीर नहीं है.

मधुमेह में खानपान का ध्यान रखें

डायबिटीज को उचित खानपान के जरिए नियंत्रित किया जा सकता है.

खानपान – खाने में मुख्य तत्व कार्बोहाइड्रेट होता है, जो शरीर को 65 से 68 प्रतिशत कैलोरी प्रदान करता है. प्रत्येक कि.ग्रा. चर्बी हृदय रोग को बढ़ावा देती है. दूध में जो चर्बी होती है उसे सेचुरेटेड फैट कहते हैं. यह शाकाहारी स्त्रोतों (जैसे कोर्न, सनफ्लावर, सोयाबीन तेल) से प्राप्त होता है.

शाकाहारी खाने में मुख्यत: दालें, सब्जियां एवं फलों में कोलेस्ट्रॉल कम एवं फाइबर ज्यादा होता है. मांसाहारी खाने में चर्बी अधिक होती है एवं फाइबर कम. फाइबर ग्लूकोज का आंतों में अवशोषण कम करता है और कब्ज दूर करता है. गुर्दे की बीमारी में खाने में प्रोटीन की कमी करें. करेले का जूस, नीम की पत्तियां यह सब शुगर के अवशोषण को कम करती हैं. इनसे मात्र दस प्रतिशत तक शक्कर के स्तर को कम करने में मदद मिलती है. काली मिर्च और अजवायन भी लाभदायक होती है. अजवायन में लोहा एवं कैल्शियम होता है और काली मिर्च आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करती है.

सेक्रीन – सेक्रीन की गोलियां जिसकी मात्रा 12 मि.ग्रा. होती है, की 10–12 गोलियां इस्तेमाल की जा सकती हैं. इस तरह की आर्टिफिशियल शुगर का इस्तेमाल गर्भावस्था में नहीं करना चाहिए. अगर आप उच्च रक्त चाप से पीड़ित हैं, तो नमक का सेवन कम करें.

कारबोटार्ड – ग्वार की फली जिसे कारबोटार्ड भी कहते हैं, खाने के 15 मिनट पहले लेने से शक्कर का अवशोषण कम होता है एवं पेट भी भरा रहता है. इससे मधुमेह नियंत्रण करने में मदद मिलती है. चीकू, केले एवं अंगूर का सेवन न करें. रोटी सूखी, फली, फलियां, कम चर्बी वाला दही, दूध, सोया, दालें खाद्य पदार्थ फायदेमंद रहेंगे. दिन में आठ–दस गिलास पानी पीना आपके लिए फायदेमंद रहेगा. शराब से परहेज करें. बिना चीनी वाले शीतल पेय लें. चाय–कॉफी में शुगर–फ्री गोलियों का प्रयोग करें.

आपकी सेहत का जान है बादाम : बीमारियों को रखेगा दूर

बादाम हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है. बादाम के कुछ दाने आपको कई बीमारियों से दूर रखने में तो खास भूमिका निभाते ही हैं, कई समस्याओं में दवा की तरह काम आते हैं. जानिए बादाम के फायदे...

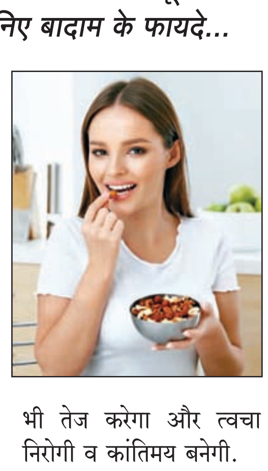

✓ याददाश्त कमजोर है तो बादाम अचूक इलाज है. बादाम की दस गिरी रात को पानी में भिगोकर सुबह छिलका उतारकर बारीक करके 20 ग्राम मक्खन, 10 ग्राम मिस्त्री मिलाकर एक महिने तक खाएं. दिमाग की कमजोरी दूर हो जाएगी और याददाश्त अच्छी हो जाएगी.

✓ सिर दर्द होता है तो माथे पर बादाम का तेल लगाएं. अगर बादाम के तेल की मालिश सिर में करें तो सिरदर्द जल्द ही ठीक हो जाएगा.

✓ बच्चे को अक्सर कुछ–कुछ होता रहता है तो उसे हृष्ट–पुष्ट व निरोगी बनाने के लिए रोजाना एक से दो बादाम पत्थर पर घिसकर चटाएं. इससे बच्चों का दिमाग भी तेज होगा.

✓ त्वचा की कांति चली गई है तो उसे पाने के लिए बादाम का सेवन कारगर साबित होगा. इसमें विटामिन ई काफी होता है. बादाम को तेल के रूप में इस्तेमाल करें. इसे शरीर में लगा भी सकते हैं और खाने में भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं. यह रक्त संचार को भी तेज करेगा और त्वचा निरोगी व कांतिमय बनेगी.

✓ हृदय रोगियों के लिए तो बादाम काफी फायदेमंद साबित होता है. इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड अधिक होता है और यह बुरे कोलेस्ट्राल को कम करता है व अच्छे कोलेस्ट्राल को बढ़ाता है. इस वजह से हृदय की नलियों में रुकावटें कम होती हैं और इसके प्रयोग से दिल का दौरा होने की आशंका कम हो जाती है.

✓ कैंसर का खतरा भी कम करता है बादाम. इसमें सैचुरेटेड फैट बहुत कम होने के साथ फाइबर अधिक मात्रा में होता है. इसके अलावा इसमें कुछ ऐसे विटामिन और खनिज होते हैं जो कैंसर का खतरा कम करते हैं.

✓ बाल कमजोर हैं तो बादाम का तेल कारगर साबित होगा. स्वस्थ बालों के लिए विटामिन ए, बी और सी के साथ कैल्शियम की विशेष जरूरत होती है. रोज तीन–चार भीगे हुए बादाम खाने से बाल न सिर्फ मजबूत होते हैं, नाखून व त्वचा भी चमकदार हो जाती है.

✓ बादाम में पोटैशियम अधिक मात्रा में होती हैं और सोडियम कम मात्रा में. इस कारण इसके सेवन से रक्त का संचार ठीक रहता है और पूरे शरीर में अच्छी तरह ऑक्सीजन पहुंचाता है. कैल्शियम का भी अच्छा स्रोत है बादाम. इस कारण हड्डियों और दांतों को तो मजबूत करता ही है, ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को भी कम करता है.

✓ अगर आप काफी मोटे हैं, हाई बीपी की समस्या है और ब्लड शुगर भी काफी है तो आपको दिल की बीमारी का खतरा अधिक होगा. लेकिन बादाम का नियमित सेवन आपको इन खतरों से बचा सकता है.

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प कह चुके हैं - वायरस दुर्घटनावश फैला या जानबूझकर, जांच करके ही रहेंगे

फॉक्स न्यूज का दावा : चीन ने वुहान की लैब में पैदा किया था कोरोना वायरस, ताकी बता सके कि उसके वैज्ञानिक अमेरिकियों से कहीं आगे

अमेरिकी टीवी चैनल फॉक्स न्यूज ने दावा किया कि 'चीन ने एक विशेष उद्देश्य से इस वायरस को वुहान की लैब में पैदा किया ताकि वह बता सके कि उसके वैज्ञानिक अमेरिकी वैज्ञानिकों से कहीं आगे हैं. चीन ने यह दिखाने की कोशिश की कि वह कोरोना जैसे खतरनाक वायरस की अमेरिका की तरह या उससे ज्यादा अच्छे से पहचान कर सकता है और उससे पूरी ताकत के साथ निपट सकता है. यह उसका अब तक का सबसे महंगा और गुप्त कार्यक्रम था.' चैनल ने सूत्र के हवाले से कहा कि डॉक्टरों के प्रयासों और इस वायरस को शुरू में लैब में रोकने से जुडे कई दस्तावेजों के अध्ययनसे यह पता चलता है कि वुहान में जिस वेट मार्केट की पहचान कोरोना फैलने के रूप में की गई थी, वहां चमगादड़ बिकते ही नहीं थे. चीन ने वेट मार्केट की थ्योरी को भी जानबूझकर फैलाया ताकि लैब पर लगने वाले आरोप दब जाएं.

चीन चाहता था कि इसके जरिए व अमेरिका और इटली के निशाना बनाए. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को ही कहा था कि वुहान की लैब से कोरोनावायरस दुर्घनावश लोगों में फैला या जानबूझकर, इसका पता हम लगाकर ही रहेंगे. अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो पहले ही कह चुके हैं कि चीन को बताना होगा कि वायरस कैसे फैला?

WHO तस्दीक कर चुका है कि वायरस वुहान की लैब में नहीं बना : चीन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आरोप के बाद गुरुवार को चीन ने अपनी सफाई दी है. चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा कि अब तो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भी इस बात की तस्दीक कर चुका है कि इस बात के कोई सबूत नहीं हैं कि दुनियाभर में 20 लाख से ज्यादा लोगों को संक्रमित करने वाले कोरोना वायरस को वुहान की लैब में बनाया गया था.

तनाव बढ़ेगा : अमेरिका का चीन पर न्यूक्लियर टेस्ट का संदेह

अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार को कहा कि चीन ने सीटीबीटी संधि का पालन करने के दावे के बावजूद गुप्त रुप से कम क्षमता का परमाणु परीक्षण विस्फोट किया हो सकता है.

इस दावे के बाद दोनों देशों के बीच कोरोनावायरस के चलते पहले से ही तल्ख संबंध और ज्यादा तनाव बढ़ा सकते हैं. दरअसल, चीन के परमाणु परीक्षण स्थल लोप नूर पर पिछले साल काफी हलचल देखी गई थी जिसके चलते अमेरिका के मन में ये संदेह उठ रहा है कि उसने परमाणु परीक्षण किया होगा.

लॉकडाउन के दौरान विटामिन-डी

कोरोना वायरस की वजह से एक लॉकडाउन में हम कई दिनों के लिए घरों के अंदर हैं, जिस वजह से विटामिन डी की कमी पर तेजी से ध्यान जा रहा है. जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर में प्रकाशित पी अपर्णा और अन्य की 2018 की रिसर्च 'विटामिन डी डेफिशिएंसी इन इंडिया' के शोधकर्ताओं ने इसकी कमी को 'एक खामोश महामारी' और ऐसी बीमारी बताया है, जिसे सबसे कम पहचाना जाता है और सबसे कम इलाज किया जाता है.

लॉकडाउन के दौरान खाने के माध्यम से विटामिन-डी की खपत बढ़ाएं. शाकाहारियों के लिए मशरूम सबसे अच्छा है क्योंकि इसमें प्राकृतिक रूप से विटामिन डी होता है. लगभग 15 से 30 मिनट तक इन्हें धूप में रखने से विटामिन डी और भी बढ़ जाता है. भारत के खान-पान से जुड़े उद्योग भी योगर्ट जैसे दूध से बने उत्पादों में भी भरपूर विटामिन डी होने का दावा करते हैं.

मांसाहारियों के लिए मछली और कॉड लिवर तेल मुख्य स्रोत हैं. हालांकि, सूर्योदय या सुर्यास्त के दौरान छत पर या बालकनी में बैठकर कुछ काम करने से बेहतर कोई और विकल्प नहीं है.

धूल खा रहा है अजय देवगन का फुटबॉल मैदान

HEAVY LOSS...

लॉकडाउन के चलते फिल्म इंडस्ट्री का काम बुरी तरह से प्रभावित है. नईं फिल्मों की शूटिंग तो नहीं हो रही है वहीं जिन फिल्मों का अगला शेड्यूल शुरू होनेवाला था उस पर भी ग्रहण लग गया है. इससे अजय देवगन की फिल्म 'मैदान' को भी काफी नुकसान हुआ है. मार्च-अप्रैल से इसका सबसे अहम् शेड्यूल शुरू होनेवाला था जिसके लिए पिछले 8 महीनों से विशालकाय स्टेडियम का सेट बनाया जा रहा था. नौ एकड़ में फैला यह सात करोड़ का सेट अब धूल खा रहा है. 16 मार्च से ही शूटिंग रोक दिए जाने के कारण अब यह सेट वीरान पड़ा है. इस सेट पर ओलंपिक के सीक्वेंस फिल्माए जाने थे.

घर से ही हो रही 'मुंबई सागा' की एडिटिंग

प्रोड्यूसर संजय गुप्ता इन दिनों अगली फिल्म मुंबई सागाफके पोस्ट -प्रोडक्शन पर काम कर रहे हैं. संजय खंडाला वाले घर से ही फिल्म के फाइनल कट पर मॉनिटरिंग अपने एडिटर बंटी नेगी के साथ कर रहे हैं जो मुंबई से उनसे वर्चुअल कनेक्ट के माध्यम जुड़े हैं. संजय ने खुलासा किया वे जॉन अब्राहम और इमरान हाशमी को भी फिल्म के अहम् सीन दिखाकर उनकी स्वीकृति ले रहे हैं और उन्हें एडिटिंग प्रोसेस में शामिल कर रहे हैं. संजय के मुताबिक वे जल्द से जल्द एडिटिंग का काम पूरा कर लेंगे.

JACQUELINE NEXT ....

डिजिटली रिलीज़ होगी मिसेज सीरियल किलर

काफी समय से जैकलीन फर्नांडीज अपनी फिल्म ममिसेज सीरियल किलरफ को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. नेटफ्लिक्स की इस फिल्म में जैकलीन के साथ मनोज बाजपेयी भी हैं। लॉकडाउन के बीच ही इस फिल्म का प्रीमियर नेटफ्लिक्स में 1 मई को होने वाला हैं। खुद मनोज और जैकलीन ने विडियो के जरिए इसकी जानकारी दी है

अभय 2 का प्रोमो रिलीज

कुणाल खेमू स्टारर मअभय म का दूसरे सीजन यानी अभय 2 का प्रोमो वीडियो रिलीज कर दिया गया है. कुणाल कहते हैं, अभय के पहले सीजन को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी.दूसरा सीजन मेरे किरदार के लिए और भी चुनौतीपूर्ण है. यह जी़ी पर आएगी, जिसका निर्देशन केन घोष ने किया है.

कोरोना : अर्जुन ने वर्चुअल डेट के जरिए जुटाया फंड

SOCIAL WORK

अर्जुन कपूर ने कोरोना के इस माहौल में जरुरतमंदो की हर संभव मदद करने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने अपनी बहन अंशुल कपूर के एनजीओ फैनकाइंड के जरिए वर्चूअल डेट कॉन्टेस्ट आयोजित किया था. इस डेट से जो फंड एकत्रित हुआ है उसके जरिए अर्जुन और अंशुला 300 डेली वेजेस वर्कर्स की फैमिली को महीने भर का राशन देंगे.

रंगोली का ट्विटर अकाउंट किया सस्पेंड

रंगोली चंदेल के विवादित ट्वीट्स के चलते ट्विटरने उनका अकाउंट सस्पेंड कर दिया है. रंगोली ने हाल ही में एक धर्म विरोधी ट्वीट किया था. इस ट्वीट का विरोध संजय खान की बेटी फराह खान ने किया. उन्होंने मुंबई पुलिस से उनके खिलाफ एक्शन लेने की अपील भी की. एक्ट्रेस कुब्रा सैत और डायरेक्टर रीमा कागती समेत कई और लोगों ने फराह की इस मांग का सपोर्ट किया, जिसके बाद ट्विटर ने उनका अकाउंट सस्पेंड कर दिया.

संक्रमण के हृदयविदारक प्रभाव

13 साल के बेटे के अंतिम दर्शन नहीं कर सकी मां, वीडियो कॉल पर कहा- बेटा माफ करना...

तुम्हें आखिरी बार गोद में खिला नहीं सकी

कोरोना और लॉकडाउन ने एक मां को इतना बेबस कर दिया कि वह अपने 13 साल के बेटे के अंतिम दर्शन भी नहीं कर पाई. मां ने वीडियो कॉलिंग पर बेटे को अंतिम बार देखा और कहा- बेटा मुझे माफ करना...मैं तुम्हें आखिरी बार गोद में खिला नहीं सकी. जैसे मेरे साथ हुआ, ऐसा किसी और मां के साथ न हो. रतलाम के निजी हॉस्पिटल में इलाज के लिए ले गए थे. जहां सुमित को कैंसर बताया गया. बनकटलाल अपने बेटे को 20 मार्च को इंदौर लेकर आए, यहां पर शैल्बी में कैंसर का इलाज होने के कुछ दिन बाद सुमित को छुट्टी दे दी गई. लेकिन लॉकडाउन के कारण सुमित पिता के साथ इंदौर में ही रिश्तेदार के यहां रुका रहा.

रिश्तेदारों ने इंदौर में ही किया अंतिम संस्कार

बुधवार को फिर सुमित की तबीयत खराब हो गई. गोकुलदास हॉस्पिटल में उसने दम तोड़ दिया. उसकी कोरोना की जांच भी निगेटिव आई. परिजन बंशी पोरवाल ने बताया कि शव को रतलाम ले जाने की प्रशास से अनुमति मांगी थी, लेकिन नहीं मिली. गुरुवार को सुमित का अंतिम संस्कार पंचकुइया मुक्तिधाम पर किया गया. पिता ने मां, बड़े भाई, बहनों को वीडियो कॉलिंग से उसके अंतिम दर्शन कराए.

जीएसआईटीएस के कई छात्र फंसे, प्रबंधन ने मांगी जानकारी

एसजीएसआईटीएम (श्री गोविंदराम सेकसरिया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी एंड साइंस) के कई बाहरी छात्र अलग-अलग जगहों पर फंसे हुए हैं.

चार छात्रों की जानकारी पता लगी तो प्रबंधन ने वेबसाइट पर ऐसे छात्रों के मैसेज अपलोड किया है. साथ ही नया ईमेल आईडी भी जहारी किया है, जिस पर ऐसे छात्र अपनी जानकारी अपलोड कर सकेंगे. इसके बाद प्रबंधन इनसे संपर्क कर खाने-पीने और अन्य चीजों की व्यवस्था करेगा. संस्थान के डायरेक्टर डॉ. आरके सक्सेना का कहना है कि अभी चार छात्रों का पता चला है जो प्रदेश के अलग-अलग जिलों के हैं.

लॉकडाउन के चलते ये सभी अपने घर नहीं लौट पा रहे हैं. और भी छात्र होंगे तो उनका पता लगाने के लिए मैसेज अपलोड किया है ताकि उनके संपर्क करते ही उनकी जरूरतें पूरी की जा सकें. उन्हे होस्टल बुलाया जाएगा. जानकारी के अनुसार एसजीएसटीएस प्रबंधन अलग अलग हिस्सों मे रह रहे इन छात्रों को होस्टल में जगह देने को भी तैयार है, क्योंकि अभी सारे होस्टल खाली हैं.

फिलहाल प्रबंधन तीन दिन इंतजार करेगा और देखेगा कि कितने छात्र और ऐसे हैं जो बाहरी हैं और यहां फंसे हुएं हैं. ताकि उनकी रहने और भोजन आदि की ठिक से व्यवस्था की जा सक. कर्फ्यू के दौरान जब तक छात्र यहां रहेंगे, प्रबंधन उनके खाने-पीने की भी व्यवस्था करेगा.

'भाषण नहीं राशन दो' नारे के साथ श्रमिक मनाएंगे मांग दिवस

गुड़गांव, 17 अप्रैल (वार्ता)

पिछले लगभग 25 दिनों से लागू लॉकडाउन के दौरान देश के करोड़ों मजदूरों के सामने भुखमरी के हालात के विरोध में सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) ने 21 अप्रैल को मांग दिवस मनाने की घोषणा की.

सीटू की प्रदेशाध्यक्ष सुरेखा, महासचिव जय भगवान ने यहां जारी बयान में कहा कि राशन की सप्लाई व मजदूरों की आर्थिक मदद की मांग को लेकर 21 अप्रैल को दोपहर 12 बजे 10 मिनट के लिए लॉकडाउन व हिदायतों का पालन करते हुए खाली बर्तन बजाएंगे.बयान में यह भी कहा गया कि इससे पूर्व 18 अप्रैल (शनिवार को) को सरकारी विभागो में सेवाएं दे रहीं स्कीम वर्कर्स, ठेका स्वास्थ्य व ग्रामीण सफाई कर्मचारी काले रिबन बांधकर काम करेंगे. 21 अप्रैल को मुख्य मांग मजदूरों को सूखा राशन व तत्काल 7500 रूपये प्रति मजदूर नकद राशि का हस्तांतरण करने की होगी.

कार से बिहार जा रहे सात प्रवासी मजदूर पकड़े गये

नयी दिल्ली, 17 अप्रैल (वार्ता)

दिल्ली पुलिस ने लॉकडाउन के दौरान एक किराये की कार से बिहार जाने के फिराक में सात मजदूरों को साउथ एक्सटेंशन के करीब से पकड़ा है. दक्षिणी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त अतुल ठाकुर ने बताया कि कोटला मुबारकपुर थाना अन्तर्गत साउथ एक्सटेंशन पुलिस पिकेट पर कल रात जांच के दौरान एक इनोवा कार से चालक समेत आठ लोग पकड़े गये हैं. इनमें बिहार के वैशाली जिले के सात मजदूर सवार थे जो अपने घर बिहार जाने की फिराक में थे.

महामारी के कारण 60 साल में पहली बार 0% रह सकती है एशिया की ग्रोथ रेट : IMF

वैश्विक जीडीपी में 3 फीसदी गिरावट संभव, दुनिया के आधे देशों ने आईएमएफ से मांगी मदद

दुनिया के 170 देशों में प्रति व्यक्ति आय घट सकती है

आईएमएफ प्रमुख ने कहा, यह ऐसा संकट है जो पहले कभी नहीं देखा गया. इस महामारी के कारण विश्व अर्थव्यवस्था 1930 दशक की महामंदी के बाद के सबसे बड़े संकट से गुजर रही है. वैश्विक जीडीपी में 3% की गिरावट आ सकती है.

तीन महीने पहले हमारा आकलन था कि हमारे सदस्य देशों में से 160 देशों में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होगी. लेकिन अब 170 देशों में प्रति व्यक्ति आय में गिरावट की आशंका है. यह इतिहास में पहला मौका है जब आईएमएफ के वृहद आर्थिक अनुमान में आपदा विशेषज्ञों से राय ली जा रही है. ये विशेषज्ञ आईएमएफ को बता रहे हैं कि यह वायरस लंबे समय तक कहर ढाता रहा या टीका और दवा के विकास में देरी हुई तो हालात और खराब हो सकते हैं.

चीन की विकास दर 1.2 % पर सीमित होने की आशंका

आईएमएफ के अनुसार एशिया के दो बड़े व्यापारिक भागीदार अमेरिका और यूरोप में क्रमशः 6% और 6.6% की गिरावट के अनुमान है. इस साल चीन की आर्थिक वृद्धि दर भी 2019 के 6.1% से गिरकर 1.2% पर आ जाने की आशंका है. आईएमएफ ने कहा कि कोरोना के कारण एशिया में उत्पादकता में भारी गिरावट देखने को मिल सकती है. चीन ने वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान जीडीपी के 8% के बराबर के राहत उपाय किए थे. इससे 2009 के वैश्विक संकट के समय चीन की विकास दर मामूली असर के बाद 9.4% रही थी. हमें इस बार उस स्तर के राहत उपायों की उम्मीद नहीं है.

सबसे तेजी से ग्रोथ दर्ज करेगा भारत : आईएमएफ

विकसित और विकासशील देशों की इकोनॉमी में ग्रोथ नेगेटिव रहेगी. लेकिन दो देश-भारत और चीन में विकास दर पॉजिटिव रहेगी. चीन की विकास दर का अनुमान 1.2 फीसदी और भारत की विकास दर सबसे ज्यादा 1.9% रह सकती है. 2021 में चीन 9.2% और भारत 7.4% की दर से विकास कर सकता है. आइएमएफ के एशिया और प्रशांत विभाग के निदेशक चांग योंग री ने बुधवार को कहा कि आर्थिक मंदी के बावजूद सरकार ने देशव्यापी बंद लागू किया. हम भारत के समय रहते लिए गए फैसले का समर्थन करते हैं. री ने कहा कि यह पहले की तरह कारोबार करने का समय नहीं है. उन्होंने कहा कि हमें इस साल के अंत तक आर्थिक गतिविधि में उछाल आने की उम्मीद है, क्योंकि चीन सबसे पहले इस विषाणु से उबरता हुआ दिख रहा है.

डाकिए घर-घर पहुंचा रहे दवाएं, मनीऑर्डर और पेंशन, घर आकर ले रहे दवा के ऑर्डर

जल्द ही स्पीड पोस्ट के जरिए जरूरी सामान की होम डिलीवरी भी करेगा डाक विभाग

शहर के डाकिए घर-घर जाकर अब दवाइयां, मनीऑर्डर और पेंशन भी पहुंचा रहे हैं. अगर परिवार का कोई व्यक्ति आपसे दूर है या बीमार है तो उस तक दवा पहुंचाने के लिए आप डाक विभाग की मदद ले सकते हैं. आप स्पीड पोस्ट के जरिए दवाइयां बुक कर भेज सकते हैं. इंदौर डाक विभाग ने लॉकडाउन के बाद से अब तक 46 से ज्यादा दवाइयों के पार्सल बुक कर जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाए हैं. अगर आपको दूसरे शहर या राज्य में परिचित के यहां दवा भेजना है तो उसके लिए आप स्पीड पोस्ट कर सकते हैं. सोमवार से शनिवार सुबह 9 से 5 बजे तक शहर के सभी पोस्ट ऑफिस में यह सुविधा उपलब्ध है.

डाक विभाग जल्द ही सब्जी, फल और राशन की होम डिलीवरी भी शुरू करेगा. यह सुविधा शुरू होने के बाद आपको पास के पोस्ट ऑफिस में जाकर पार्सल बुक कराना होगा. सिटी पोस्ट ऑफिस एसएसपी महेश श्रीवास ने बताया कि इस संकट में हम देश क साथ खड़े हैं. हम लोग वर्तमान में दवाइयों, मनीऑर्डर और पेंशन के पैसे लोगों के पास तक पहुंचा रहे हैं. प्रशासन से निर्देश मिलने के बाद जरूरी सामान की बुकिंग शुरु कर होम डिलिवरी शुरू कर देंगे. डाकघर के जरिए पेंशन प्राप्त कर रहे वरिष्ठ नागरिकों के अलावा आधार एनेबल्ड पेमेंट सिस्टम के जरिए डाक विभाग कई लोगों को रूपए उनके घर पर पहुंचा रहा है. लॉकडाउन के चलते नज़दीकी पोस्ट ऑफिस को फोन पर बता दें कि दवाइयां बुलवाना हैं. पोस्ट ऑफिस के कर्मचारी आपके घर आकर आपका ऑर्डर लेंगे और आप तक दवाएं पहुंचाएंगे.

'वर्क फ्रॉम होम' करने वाले सालभर में 17 दिन ज्यादा काम करते हैं, नौकरी छोड़ने की दर भी आधी हो जाती है

■ कुल मिलाकर अलग-अलग टास्क के लिए कई एप्स या टूल्स इस्तेमाल करने से बचें और मल्टीपर्पज एप्स/सॉफ्टवेयर चुनें

कोरोना और तकनीक : पढ़िए क्या होगा वर्क फ्रॉम होम का असर और इसका भविष्य? साथ ही जानिए इससे जुड़े जरूरी टिप्स

लॉकडाउन 2.0 शुरू होने के साथ वर्क फ्रॉम होम के असर व भविष्य की तस्वीर थोड़ी-थोड़ी नजर आ रही है. कई कंपनियों के लिए यह वर्क फ्रॉम होम के ट्रायल की तरह था. फायदों को देखते हुए कुछ कंपनियां इसे जारी रखने पर विचार कर रही हैं. चीन में दो साल चली स्टडी बताती है कि जो कर्मचारी घर से काम करते हैं, उनकी नौकरी छोड़ने की आशंका आधी होती है.

वहीं एयरटास्कर फर्म के अध्ययन के मुताबिक वर्क फ्रॉम होम में प्रोडक्टिविटी बढ़ती है और कर्मचारी साल में 16.8 दिन के बराबर ज्यादा काम करते हैं. हार्वर्ड बिजनेस स्कूल का अध्ययन तो एक कदम आगे की बात करता है. इसके अनुसार अगर कर्मचारियों को कहीं से भी काम करने की आजादी दी जाए तो उनकी प्रोडक्टिविटी वर्क फ्रॉम होम की तुलना में भी 4.4% तक बढ़ जाती है.

मिसाल : नासा के वैज्ञानिक 19 हजार करोड़ का क्यूरोसिटी मार्स रोवर अपने घर से चला रहे हैं

अगर आपको घर से काम करना कठिन लगता है तो अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के वैज्ञानिक आपके लिए मिसाल बन सकते हैं. वे मंगल ग्रह की जानकारी जुटाने वाले 18,750 करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत वाले 'क्यूरोसिटी मार्स रोवर' को अपने घर से चला रहे हैं. इससे मार्स रोवर के काम में कोई रुकावट नहीं आई है और वह अब भी मंगल ग्रह से जुड़े आंकड़े और तस्वीरें इकट्ठा कर रहा है.

हालांकि टीम को थोड़ी मुश्किल हो रही है क्योंकि सभी को एक साथ 15 चैट चैनल्स पर भी नजर रखनी पड़ती है. लेकिन फिर भी खुद की और परिवार की सुरक्षा के लिए वे घर से ही काम करना पसंद कर रहे हैं. यह तस्वीर तब ली गई थी, जब टीम ने पहले दिन घर से काम करना शुरू किया था. नासा ने अब यह तस्वीर जारी की है.

वर्क फ्रॉम होम की नौकरी तलाशने वाले लोग 60 % तक बढ़े

जॉब पोर्टल मॉन्सटर के मुताबिक वर्क फ्रॉम होम जॉब्स तलाशने वालों की संख्या में पिछले कुछ समय में 60 फीसदी तक का इजाफा हुआ है. वहीं गूगल ट्रेंड्स् भी बताता है कि वर्क फ्रॉम होम से जुड़ी सर्च में इजाफा हुआ है. जनवरी की तुलना में इसे मार्च में 82 फीसदी तक ज्यादा सर्च किया गया. रिसर्च फर्म गार्टनर के मुताबिक दुनिया में 2030 तक घर से काम करना 30 फीसदी बढ़ जाएगा क्योंकि जनरेशन-जेड वर्कफोर्स में आ जाएगी. वहीं आज के 64 फीसदी पेशेवर मानते हैं कि वे कहीं से काम कर सकते हैं. गार्टनर के ही कंपनियों के सीएफओज के सर्वे ममें सामने आया कि 74 फीसदी अधिकारी मानते हैं कि उनकी कंपनी में कुछ कर्मचारी महामारी के खत्म होने के बाद भी वर्क फ्रॉम होम जारी रखेंगे.

यह ट्रेंड सिर्फ आईटी कंपनियों तक सीमित नहीं रहेगा

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एचसीएल जैसी कई आईटी कंपनियां 20 अप्रैल के बाद 15 से 20% स्टाफ को ही ऑफिस बुलाएंगी, जबकि सरकार ने 50% तक की अनुमति दी है. कई सर्वे बताते हैं कि ग्लोबल वर्कफोर्स अब स्थायी तौर पर घर से काम करने को तैयार है. मनीकंट्रोल को दिए गए एक इंटरव्यू में इंफोसिस के को-फाउंडर और एक्जीलर वेंचर्स के चेयरमैन गोपालकृष्णन ने कहा, 'आईटी सेक्टर की कंपनियां कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम पर फोकस बढ़ा सकती है. हो सकता है कि आने वाले समय में आईटी सेक्टर में 20% स्टाफ वर्क फ्रॉम होम हो.' वहीं यह ट्रेंड सिर्फ आईटी कंपनियों तक ही सीमित नहीं है. कई ब्रोकिंग कंपनियां कुछ डिपार्टमेंट्स को अब तीन से चार दिन घर से काम करने की अनुमति देने के बारे में विचार कर रही हैं.

इन दो रिपोर्ट से घर से काम करने को बेहतर बनाइए

ऑनलाइन वीडियो मीटिंग्स में क्या करें, क्या न करें

मीटिंग्स ज्यादातर नौकरियों का बड़ा हिस्सा हैं लेकिन घर से मीटिंग की लोगों को उतनी आदत नहीं है. यहां इन वर्चुअल मीटिंग्स की तैयारी के बारे में जानिए.

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग शुरू करने से कुछ देर पहले वेबकैम चेक कर ले. बैकग्राउंड का भी ध्यान रखें. वहां ऐसा कुछ न हो, जो आप न चाहते हों कि सहकर्मियों को दिखे. लैपटॉप में बिल्ट-इन माइक्रोफोन आमतौर पर खराब क्वालिटी के होते हैं. एक्सटर्नल माइक्रोफोन या ऐसे हेडफोन इस्तेमाल करें जिनमें माइक्रोफोन इनबिल्ट हो. ये बहुत छोटी बात ल सकती है लेकिन ग्रुप मीटिंग के दौरान बहुत से लोग माइक्रोफोन म्यूट करना भूल जाते हैं. इससे आसपास के शोर या फिर कुत्ते के भौंकने जैसी आवाजों के कारण मीटिंग में बाधा आती है. जूम और गूगल हैंगआउट जैसी सर्विसेस में मीटिंग शुरू करने से पहले म्यूट करने का आप्शन होता है. चूंकि अभी इंटरनेट स्पीड की समस्या है, इसलिए जब कोई बात न कहनी हो तो

अपना वीडियो भी बंद रख सकते हैं.

होस्ट को पता चल सकता है कि आप ध्यान नहीं दे रहे : अगर ग्रुप मीटिंग में आपके काम की बात न हो रही हो, तो विनम्रता से बातकर मीटिंग से हट जाएं.

मीटिंग के बीच में कोई दूसरा काम करना या ट्विटर-फेसबुक चलाना जोखिमभरा हो सकता है. क्योंकि उदाहरण के लिए जूम एप में सेटिंग होती है 'लेट होसट सी इफ यू हेव स्विच्ड अवे' यानी अगर 30 सेकंड तक एप इस्तेमाल नहीं करेंगे तो होस्ट को पता चल जाएगा क क आप जूम बंद कर कुछ और कर रहे हैं. इससे होस्ट को पता चल जाएगा कि आप ध्यान नहीं दे रहे हैं.

यह जरूरी नहीं कि हमेशा वीडियो कॉल ही करें

बेसकैंप कंपनी के फाउंडर जेसन फ्राइड कहते हैं कि रिमोट वर्किंग का मतलब का मतलब बार-बार और बात-बात पर वीडिया कॉन्फ्रेंसिंग करना नहीं. यह समय की बर्बादी है. जब भी आप सहकर्मी से वीडियो कॉल के लिए कहेंगे, उसे अपना टेक सेटअप, आसपास का माहौल और बैकग्राउंड चेक करना होगा. इसलिए अगर काम ऑडियो कॉल से हो सकता है, तो वीडियो कॉल से बचें. सही तरीके कि अगर वीडियो कॉल जरूरी है तो उसे पहले से बुक करें और समय तय करें.

गैजेट्स कम रखें, कई एप्स की जगह मल्टीपर्पज एप यूज करें

वर्क फ्रॉम होम कई लोगों को लक्जरी जैसा लग सकता है. अपनी मर्जी के समय काम करने का मौका, समय की बचत और परिवार के साथ रहने जैसी सुविधाएं इसे लक्जरी बनाती भी हैं. लेकिन फिर वास्तविकताएं सामने आती हैं. आपका वाई-फाई स्लो हो जाता है, घर से काम करने के लिए जो नया सॉफ्टवेयर इस्तेमाल कर रहे हैं वह परेशान करने लगता है, बिना आईटी डिपार्टमेंट के काम करने पर कई तकनीकी समस्याएं खुद ही सुलझानी पड़ती हैं. इस सबका नतीजा होता है कम प्रोडक्टिविटी. वर्क फ्रॉम होम को आसान, रोचक और सुविधाजनक बनाने कुछ तरीके यहां दिए जा रहे हैं -

सबसे पहले बात इंटरनेट की

सबसे ज्यादा शिकायत होती है धीमे इंटरनेट की. ऑफिस का इंटरनेट घर की तुलना में तेज होता है. तो सबसे पहले अपना इंफ्रास्ट्रक्चर सुधारें.

- अगर एक कमरे में नेट अच्छा चलता है और दूसरे में धीमा तो सबसे पहले 'मेश वाई-फाई सिस्टम' खरीदिए. इससे आप कई वायरेस एक्सेस पॉइंट बना सकते हैं, जिससे पूरे घर में स्पीड मिले.
- यह सिस्टम लगाने के बाद भी कम स्पीड मिले तो संपर्क करें. इसके अलावा अपने स्मार्टफोन को हॉटस्पॉव्ट के रूप में इस्तेमाल करने का विकल्प तो है ही.

कम से कम हो आपका टेक सेटअप

घर से काम करने का एक थंब रूल यह भी है कि कम से कम गैजेट्स रखें. आप जितने ज्यादा गैजेट रखेंगे, उन्हें सुधारने में उतना व्यस्त रहेंगे.

- ज्यादातर को लॅपटॉप से घर पर काम करने को कहा गया होगा. अगर यह स्क्रीन छोटी लगती है तो अतिरिक्त मॉनीटर खरीद सकते हैं.
- खराब वीडियो क्वालिटी से परेशान हैं तो वेबकैम लें. अच्छी रोशनी के लिए थेरेपी लैंप ले सकते हैं. नॉइस-रिड्यूसिंग हेडफोन भी इस्तेमाल करें.
- कलाइयों, गर्दन और पीठ में दर्द भी हो सकता है. कलाइयों में दर्द से बचने के लिए एर्गोनॉमिक कीबोर्ड लें. बैठने के लिए ऑफिस चेयर लें.

सही एप का चुनाव

स्लैक जैसे एप्स में ग्रुप चैट, प्राइवेट मैसेजिंग और फाइल अपलोड करने जैसे कई ऑप्शन होते हैं. इसी तरह गूगल के एप सूट में भी कई टूल्स मिल जाते हैं.

कड़वे प्रवचन

मुनिश्री तरुणसागर

"

एक महलनुमा बंगला है. उसमें केवल दो लोग रहते हैं. बूढ़ा और बुढ़िया. उनके दो बेटे और एक बेटी है. बेटे अमेरिका में रहते हैं. बेटी-दामाद लंदन में. कभी-कभार बेटों के फोन आ जाते हैं और समाचार ले लेते हैं. बस आजकल के अधिकतर माँ-बाप को बेटों का इतना ही सुख है. बेटों के 'होने' का सुख है बेटों का नहीं. वे बेसहारा हैं. उनके बुढ़ापे का सहारा किसी और का सहारा बन गया है. वे दादा-दादी तो हैं लेकिन उनके पोता-पोती नहीं हैं.

पशुओं के लिए लॉकडाउन दान से चारे का इंतजाम

बात उन्हीं की होती है, जिनमें कुछ बात होती है

लॉकडाउन के बाद किसानों और पशुपालकों के सामने चारे की समस्या उत्पन्न होने लगी. उनके पास चारा खरीदने के लिए नकदी नहीं है. हमने उनकी मदद के लिए दान से चारा जुटाया है.
-राजेश परांजपे, मुंबई

में मुंबई का रहने वाला हूं और बोधिशॉप नाम से अपना स्टार्टअप चलता हूं. इसके तहत मैं देसी गाय के दूध और गौ उत्पाद बेचता हूं. लॉकडाउन ने छोटे दुग्ध उत्पादकों को बुरी तरह प्रभावित किया है. वे स्थानीय चाय की दुकानों, मिठाई की दुकानों, आइसक्रीम निर्माताओं आदि को दूध की आपूर्ति करते थे, लेकिन इनके बंद होने से डेयरी पर दूध इकट्ठा हो रहा है. वहीं रुपया न मिलने से उत्पादकों के सामने पशुचारे का संकट पैदा हो गया है. इससे न केवल छोटे किसानों, बल्कि गायों के अस्तित्व पर भी खतरा उत्पन्न हो रहा है. ऐसे में मैंने उनकी मदद के लिए एक ऑनलाइन ड्राइव लांच किया. इसके तहत कोई भी व्यक्ति पशुचारा दान के लिए हरी घास, सूखा चारा और गुड़ खरीद सकता है. इस पैकेट को विक्रेता से सीधे डेयरी और गौशालाओं तक पहुंचा दिया जाता है, जो पहले से ही हमारे स्टार्टअप से जुड़े हुए हैं. इससे उन्हें पशुओं को खिलाने के लिए गुणवत्तापूर्ण चारा मिल जाता है. उन्हें छह महीनों के लिए अच्छी गुणवत्ता वाला चारा प्रदान करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं. मैं हर दो महीने पर गौशालाओं का निरिक्षण करता हूं और उनकी दोहन प्रक्रिया की जांच करता हूं.

मेरी उम्र 23 वर्ष की थी. जब मैंने अपनी फर्म शुरू कर दी. जानवरों पर एक डॉक्यूमेंटरी की शूटिंग करते समय मैं एक गौशाला में गया. जहां मुझे देसी गायों और जर्सी/डोल्स्टीन गायों के बीच का अंतर समझ आया. मेरे लिए यह आंखे खोल देने वाला था. इसी महीने ऑनलाइन ड्राइव लांच करते हुए मैंने दान के जरिये करीब छह टन चारे का प्रबंध किया है. दानदाता अक्सर इस बात से अभी अनभिज्ञ रहते हैं कि दान जरुरतमंदो तक पहुंचता है या नहीं. ऑनलाइन चारा खरीदने पर वे जानते है कि वे सिर्फ दान नहीं कर रहे बल्कि छोटे दुग्ध उत्पादकों को बढ़ावा भी दे रहे हैं.

दुग्ध उत्पादों की गुणवता सुनिश्चित करने के लिए हम प्रयोगशाला रिपोर्टों के आलावा गौशालाओं का निजी दौर भी करते हैं, तथा दुग्ध उत्पादकों को गुणवत्ता वाले पशुवारें के बारे में बताते हैं. हम इस बार पर ध्यान देते हैं के दूध निकलने के बाद किसान गाय को स्टॉलर हाउस में न भेज दें.

सूडोकु नवताल-3465

★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 3464 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

गणित पहेली -3437

100		4		2		30	=	20
	■		■		■		■	
30		2		2		20	=	50
	■		■		■		■	
50		25		5		2	=	60
	■		■		■		■	
2		20		3		4	=	23
=	■	=	■	=	■	=	■	=
10		11		15		16	=	22 / 33

Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत
खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली -3436

29	+	45	-	9	-	12	=	53
+	■	-	■	+	■	+	■	-
59	-	20	+	6	-	20	=	25
+	■	-	■	+	■	-	■	+
2	x	20	-	20	+	25	=	45
-	■	x	■	-	■	+	■	-
50	÷	2	x	2	-	25	=	25
=	■	=	■	=	■	=	■	=
40	-	10	+	33	-	32	=	31 / 48

शब्दजाल - 116

श	रा	ना	जी	वा	द	ह	ट	झ	क	चि
आ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	आ	स्वा	द
तं	र	ह	अ	भि	वा	द	म	ला	ल	ना
क	म	दा	नु	ल	क	ड़	वा	दा	र	नि
वा	रा	र	वा	हा	मि	री	द	स	र	र्वि
द	ह	प	द	दा	ह	ला	ती	ड़ा	न	वा
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	द
प	जी	वा	मा	क	मा	सौ	न	ट	जू	ट
रि	थो	तें	व	या	र्क्स	दा	ने	दा	र	द
वा	ल	प	ति	रं	वा	ऐ	बें	न	रु	थो
द	ड़	पा	ह	ट	द	द	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'वाद' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

नाजीवाद, परिवाद, अनुवाद, निर्विवाद, मायावाद, अभिवाद, आतंकवाद, मार्क्सवाद, मवाद, आस्वाद

शब्दजाल - 115 का हल

प्र	अ	मे	क	ना	ग	री	क	र	ण	गो
न	का	क	अ	इं	डो	ने	ग	श	मा	ला
अ	दा	र	भि	मा	ग	अ	द	ह	प	का
श्रे	ग	प्र	क	र	ण	नु	धि	री	लि	र
णी	अ	अ	र	न	न	क	ह	क	न	दे
क	ना	का	ण	व	प	र	त	र	र	बां
र	मा	ल	म	श	अ	ण	वा	ण	न	ण
ण	न	भा	र	न	मी	स	ष्पी	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	लं	का	क	क	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	का	प	श
वि	द्यु	ती	क	र	ण	स	ण	ण	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

WORLD CORONA CLOCK

Total Cases	Total Deaths	Total Cured
21,93,558	1,47,102	5,53,115

Most Deaths around the World (As on 17-4-2020)

USA	Italy	Spain	France	UK	Iran	China
32,917	22,170	19,478	17,920	13,729	4,958	4,632

Location	Confirmed	Recovered	Deaths	Temperature	Worst Hit Region
Worldwide	*21,93,558*	*5,53,115*	*1,47,102*	*(in ⁰C)*	
United States	6,71,425	54,703	32,917	4⁰C	New York
Spain	1,88,068	74,797	19,478	16⁰C	Madrid
Italy	1,68,941	40,164	22,170	16⁰C	Lombardy
France	1,47,091	33,327	17,920	14⁰C	Corsica
Germany	1,37,698	77,000	4,052	21⁰C	Dusseldorf
UK	1,03,093	375	13,729	14⁰C	Birmingham
China	82,367	78,401	4,632	21⁰C	Wuhan
Iran	79,494	52,229	4,958	18⁰C	Jahanpour
Turkey	69,392	7,089	1,518	24⁰C	Sanliurfa
Belgium	34,809	7,562	5,163	19⁰C	Antwerp
Russia	32,008	2,304	273	5⁰C	Moscow
Canada	30,092	9,698	1,193	-14⁰C	Quebec
Netherlands	29,214	311	3,315	14⁰C	Amsterdam
Brazil	29,015	14,026	1,760	19⁰C	Sao Paulo
Switzerland	26,732	15,900	1,269	19⁰C	Vaud
Portugal	18,841	493	629	14⁰C	Porto
Austria	14,451	8,986	410	13⁰C	Tyrol
India	14,229	1,768	468	32⁰C	Mumbai
Israel	12,591	2,818	140	21⁰C	Rishon LeZion
Ireland	12,547	77	444	13⁰C	Dublin
Sweden	12,540	550	1,333	9⁰C	Stockholm
Peru	11,475	6,120	254	20⁰C	Lima

INDIA CORONAVIRUS SITUATION

Cases 14,229 | **Cured 1,768** | **Deaths 468**

State / Union Territory	Tested	Confirmed	Recovered	Death	Worst Hit Area
Maharashtra	35,668	3,236	300	201	Mumbai
Delhi	14,036	1,640	52	38	South Delhi
Madhya Pradesh	10,481	1,337	70	65	Indore
Tamil Nadu	10,655	1,267	180	15	Chennai
Rajasthan	28,505	1,169	183	12	Jaipur
Gujarat	11,705	1,021	74	38	Ahmedabad
Uttar Pradesh	11,855	823	68	13	Gautam Buddha Nagar
Telangana		700	187	18	Hyderabad
Andhra Pradesh	6,958	572	35	14	Kurnool
Kerala	14,989	394	245	03	Kasaragod
Karnataka	9,251	353	82	13	Bengaluru
Jammu & Kashmir	3,600	314	38	06	Srinagar
West Bengal	2,523	255	51	10	Kolkata
Haryana	3,903	215	82	04	Nuh
Punjab	4,281	197	29	14	S.a.s Nagar
Bihar	6,703	80	37	02	Siwan
Odisha	3,862	60	19	01	Khordha
Uttarakhand	1,705	37	09	00	Dehradun
Himachal Pradesh	1,113	34	16	02	Solan
Assam	3,138	34	05	01	Golaghat
Chhattisgarh	3,945	33	23	00	Raipur
Jharkhand	2,117	34	00	02	Ranchi
Chandigarh	279	29	09	02	Chandigad
Ladakh		18	14	00	Leh Ladakh
Andaman-Nicobar	523	12	11	00	North & Middle
Meghalaya		07	00	01	East Khasi Hill
Goa	406	07	06	00	North Goa
Puducherry		04	01	00	Pondicherry
Manipur	185	02	01	00	Imphal West
Tripura	274	02	01	00	Gomati
Mizoram	87	01	01	00	Aizwal

CASES IN MAHARASHTRA

Mumbai:	*2,073*	*Akola*	*13*	*Solapur*	*02*
Pune	*446*	*Raigarh*	*12*	*Dhule*	*02*
Thane	*295*	*Latur*	*08*	*Sindhudurg*	*01*
Nagpur	*66*	*Satara*	*06*	*Gondia*	*01*
Nashik	*56*	*Ratnagiri*	*06*	*Hingoli*	*01*
Palghar	*39*	*Kolhapur*	*06*	*Vashim*	*01*
Ahmednagar	*28*	*Amravati*	*06*	*Jalana*	*01*
Sangali	*26*	*Yavatmal*	*05*	*Beed*	*01*
Aurangabad	*23*	*Osmanabad*	*04*		
Buldhana	*21*	*Jalgaon*	*02*		

Data Compiled by
- HIREN AGARWAL

Cases 3,236 | **Cured 300** | **Deaths 201**

कोविड-19 संबंध में अधिक जानकारी हेतु आज का आनंद पुणे, पिंपरी-चिंचवड़ के हेल्पलाइन नंबर्स

- इमर्जेंसी नंबर कोविड-19 - स्टेट कंट्रोल रूम 104/020-26127394
- कोरोना संबंधी संदेह दूर करने हेतु हेल्पलाइन - 18002334120
- जीवनावश्यक सेवाओं के बारे मदद हेतु पुणे महानगरपालिका हेल्पलाइन नंबर्स - 020-25506800, 020-25506801, 020-25506802, 020-25506803, 020-25501269
- पिंपरी-चिंचवड़ मनपा हेल्पलाइन नंबर (सारथी) - 8888006666, वॉट्सएप नंबर 9922501450
- विस्थापित कामगार समस्या कक्ष - 020-26111061, 7517768603
- पुणे पुलिस सेवा डिजिटल पास ऑफिस - 9168003100, होम 9145003100
- एम्बुलेंस - 108
- वूमन हेल्पलाइन नंबर - 1090
- सीनियर सिटीजन हेल्पलाइन नंबर, पुणे पुलिस भरोसा सेल - 1098
- साइकोलॉजिकल हेल्थ, ससून हॉस्पिटल हेल्पलाइन - 020-26127331
- पुणे पुलिस वॉट्सएप हेल्पलाइन नंबर - 9145003100, 8975283100, 9160003100, 8975953100
- कंस्ट्रक्शन वर्कर, दुकान व आइटी कंपनी कामगार - कामगार उपायुक्त वी.सी. पनवेलकर (मो.9822348676), ऑफिस नंबर 020-25541617, 020-25541619
- कारखाना कर्मचारी, औद्योगिक सुरक्षा व स्वास्थ्य विभाग - सहसंचालक विजय यादव (मो.9822750295)
- पुणे पुलिस कंट्रोल रूम - 020-26126296/26122880
- पुणे ट्रैफिक कंट्रोल रूम - 020-26122000
- रेलवे पुलिस कंट्रोल रूम - 020-25541631
- पुणे ग्रामीण पुलिस कंट्रोल रूम - 020-25657172/25657171
- एक्साइज विभाग - 020-26127321
- फूड एंड ड्रग विभाग - 020-24470276
- अत्यावश्यक औद्योगिक सेवाओं को परमिशन देने हेतु संपर्क उपजिलाधिकारी संजीव देशमुख - 9594612444, उपजिलाधिकारी अविनाश हदगल - 7028425256
- द केमिस्ट एसोसिएशन ऑफ पुणे डिस्ट्रिक्ट - वॉट्सएप नंबर 9822404960, 9822519301, 9834318190, 9823856507, 9890951503, पिंपरी-चिंचवड़ के लिए 9850275824
- पुणे कृषि उत्पन्न बाजार समिति - 020-24262349
- दि पूना मर्चेंट्स चेंबर - 020-24271150
- महाराष्ट्र राज्य ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन - अध्यक्ष बाबा शिंदे 9922314555, 020-24368800
- पुलिस विभाग द्वारा डिजिटल पास हेतु संपर्क - www.punepolice.in

(नोट : उपरोक्त नंबर्स का उपयोग केवल Emergency में ही करें)

लंबे समय तक झटका लगेगा : परिवार के साथ आनंद उठाएं

विभिन्न क्षेत्रों के व्यवसायी और नौकरीपेशा लोगों ने लॉकडाउन में चुनौतियों को खुलकर बयां किया

- **सब कुछ ठप्प होने से व्यवसाय और लोगों के लाइफस्टाइल पर भी असर पड़ेगा**
- **संयुक्त परिवार और अकेले रहनेवाले सिनीयर सिटीजन्स की मुश्किलें बढ़ीं**

पुणे, 17 अप्रैल (आ.प्र.)
देश की लाखों गरीब जनता को रोजगार के अभाव में बदहाली का सामना करना पड़ रहा है. लॉकडाउन समाप्त होने के बाद के चरणों में काम की शुरुआत हुई तो भी उद्योग और व्यापार को पहले की स्थिति में लाने में कई महीने लग जाएंगे. कुछ लोगों को उम्मीद है कि इस संकट से रास्ता निकलेगा. इसका असर लंबे समय तक होगा. उसके बावजूद लॉकडाउन की अवधि में परिवार के साथ वक्त गुजारने का आनंद उठाने जैसी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं.

स्थिति कठिन लेकिन रास्ता अवश्य निकलेगा

लॉकडाउन 3 तीन सप्ताह बढ़ जाने से सभी को स्थिति के गंभीर होने का एहसास हो गया है. आम लोगों को जन-जीवन के ठप्प होने का सही अर्थों में अभूतपूर्व अनुभव हो रहा है. इससे देश के साथ विश्व के देशों की अर्थव्यवस्था भी बेहद खराब स्थिति में है. सरकार और सेंट्रल बैंकों द्वारा इस कठिन स्थिति में देरी न करते हुए बड़े पैमाने पर मदद की जा रही है. यूरोप और अमेरिका की तुलना में देश की स्थिति अलग है. इसके बावजूद देश के लाखों गरीब जनता को रोजगार के अभाव में बदहाली झेलनी पड़ रही है. लॉकडाउन समाप्त होने पर चरणों में काम की शुरुआत हुई तो भी उद्योग और व्यापार को पूर्व की स्थिति में लाने में कई महीने लग जाएंगे. वर्ल्ड बैंक ने अनुमान लगाया है कि देश की अर्थव्यवस्था 2019-20 के 4.8% के बजाय वित्त वर्ष 2020-21 में 2% रहेगी, जो पिछले 30 वर्षों में सबसे निचला स्तर होगा. अधिकांश लोगों को ऐसा लगता है कि बहुत सारे उद्योग बंद हो जाएंगे. लेकिन आज तक मानव ने जिस तरह से दूसरे संकटों को मात दी है उसी तरह से इस स्थिति में भी रास्ता निकलेगा. लेकिन इसके लिए धैर्य रखना होगा. आर्थिक हेल्थ को बेहतर रखने के लिए म्यूचुअल फंड के निवेशकों को एसआईपी बंद न करते हुए अभी भी थोड़ी-बहुत खरीदी में दिक्कत नहीं है.

- अरविंद परांजपे (म्यूच्युअल फंड विश्लेषक, मो. 9850569075)

मनोरंजन क्षेत्र को बड़ा झटका, इससे उबरने में समय लगेगा

काम बंद होने से मनोरंजन क्षेत्र को बड़ा झटका लगा है और ये साफ है कि आगे भी इससे परेशानी होती रहेगी. ऐसे में सकारात्मक काम करते हुए कलात्मकता को बनाए रखना बड़ी चुनौती है. 19 मार्च से फिल्म, सीरियल्स की सभी तरह की शूटिंग प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के निर्णय से बंद है. विशेषतः डेली सोप में काम करने वाले लेखकों को छोड़कर कलाकारों, निर्देशकों, तकनीकि कलाकारों को प्रतिदिन यानी दिन के हिसाब से मानधन मिलता है. जितने दिनों का काम उतने दिनों का वेतन मिलता है. लेखकों का काम एपिसोड शूट होने से पहले समाप्त हो चुका होता है. अगले एपिसोड का भी काम वह पहले से पूरा करके रखते हैं. शूटिंग बंद होने की वजह से निर्देशकों, कलाकारों, तकनीकी कलाकारों का मानधन डूब जाएगा. लेखकों के लिए अगले एपिसोड की तैयारी और आगे के एपिसोड लिखकर रखना संभव है, उसका पैसा काम शुरू होने के बाद मिलेगा. लेखकों का काम जारी है. डेडलाइन का प्रेशर नहीं रहता है. हमेशा की तरह काम की दौड़-भाग नहीं होने की वजह से परिवार को ज्यादा समय दे रहा हूं. लेकिन पढ़ने, घर में बैठकर फिल्में देखने, वेब सीरिज देखने, उसका अध्ययन करने के लिए समय मिल जाता है. अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से व्यायाम और समय-समय पर भोजन के गणित को मेंटेन कर रहे हैं.

- अभिजीत पेंढारकर (सीरियल, फिल्म रायटर मो. 9881098070)

काफी वर्षों बाद परिवार के साथ अच्छा वक्त मिल रहा

मैं एक पीआर कंपनी में काम करती हूं. फिलहाल घर से काम चल रहा है. हमारे कई क्लाइंट हैं जो पुणे से बाहर हैं, लेकिन फोन और ई-मेल के जरिये बाकी सारे काम जारी हैं. एक अच्छी बात यह हुई है कि काफी वर्षों के बाद परिवार के सदस्यों को पूरा समय मिल रहा है. गपशप, पत्ते खेलना, खाने-पीने में हमारा और घर के सीनियर्स के साथ काफी समय बीतता है. मुझे दुख है कि जहां सीनियर लोग अकेले हैं उनके लिए यह लॉकडाउन असहनीय है. शुक्र है कि घर में किसी को कोई गंभीर बीमारी नहीं है और स्वास्थ्य अच्छा है. सीनियर सिटीजंस के लिए घर के पास ही मेडिकल शॉप होनी चाहिए. घर में ही व्यायाम के लिए समय निकाला जा रहा है. इस स्थिति में हमारी कंपनी ने गारंटी दी है कि वेतन में किसी भी तरह की कटौती नहीं की जाएगी. ऐसे में फिलहाल आर्थिक संकट आएगा. क्योंकि हमारी पीढ़ी ईएमआई पर जीती है. इसके आगे हम बेहद समझदारी से निवेश करेंगे. पारिवारिक स्तर पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा. लेकिन वैश्विक स्तर पर भविष्य की तरफ देखें तो देश ही नहीं बल्कि दुनिया को भी संकट का सामना करना पड़ेगा. सरकारी तिजोरी पर दवाब पड़ रहा है. ऐसे में भविष्य में टैक्स बढ़ने की संभावना है. ऐसा लगता है कि सरकार अब हेल्थ और मेडिसिन के लिए अधिक प्रावधान करेगी.

- अनुजा बिनीवाले (पब्लिक रिलेशन एक्जीक्यूटिव, मो. 8805010025)

संयुक्त परिवार के लिए समय विशेष तनावपूर्ण

छोटे उद्योगों और स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए मौजूदा समय सबसे चिंताजनक है. बड़े उद्योग-व्यवसाय की तरह अधिक निवेश या पर्याप्त पैसे नहीं हैं. पूंजी नहीं होने से इस लॉकडाउन में किसी भी तरह का काम मिलना और उससे आर्थिक फायदा होना मुश्किल हो गया है. संयुक्त परिवार के लिए यह विशेष रूप से तनावपूर्ण है. छोटी-सी जगह में घर के सभी लोगों का रहना, जिनके घर से एक या दो लोग ही काम पर जाते हैं उनका आर्थिक बोझ बढ़ने की संभावना है. छोटे बच्चों को भी इतने दिनों तक पूरे वक्त घर में बंद रखना मुश्किल है. किसी भी तरह के लक्षण की उपेक्षा करना अपने हितों में नहीं है. सरकार द्वारा लागू किए गए उपायों में एलएलपी के लिए नये नियमों के मुताबिक स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज के लिए जीएसटी में छूट दी जाए. नौकरीपेशा लोगों को अगले तीन महीने के लिए वेतन देना अनिवार्य किया गया है, लेकिन अगले तीन महीने के लिए बिजनेस ठप्प होने से वेतन देना और अति आवश्यक जरूरतों को पूरी करना मुश्किल होगा. व्यावसायिक स्तर पर स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज और स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए आने वाला समय भीषण नजर आ रहा है. अभी भी महीने भर में कोई अलग सा रास्ता नहीं निकलता है तो बिजनेस बंद होने से बेरोजगारी बढ़ेगी.

- चैतन्य जगन्नाथ कुलकर्णी (वीडियो मेकर, डिजाइनर)

दै. आज का आनंद
प्रकाशक- मुद्रक- संपादक : **श्याम ग्यानीराम अग्रवाल** द्वारा आज का आनंद पेपर्स लिमिटेड के लिए आज का आनंद प्रेस कॉम्प्लेक्स 236/37 हिंजवड़ी, फेज-1, टाटा ग्रुप ऑफ कम्पनीज के पास, पाल कंपनी के पीछे, पुणे 411057 से मुद्रित व आज का आनंद बिल्डिंग, 365/6, शिवाजीनगर, पुणे से प्रकाशित. कार्यकारी संपादक : आनंद अग्रवाल* (*पीआरबी कानून के अनुसार सभी लेख व समाचारों की जिम्मेदारी इन पर है) **आज का आनंद**® यह आज का आनंद पेपर्स लि का रजिस्टर्ड व्यापार चिन्ह तथा कॉपीराईट है. **सभी पत्र व्यवहार करने का पता : दै. आज का आनंद, आज का आनंद बिल्डिंग, शिवाजीनगर, पुणे-411 005. फोन : (020) 25534888.** Email : aajkaanand@gmail.com. RNI No. 32038/79

aajkaanandpapers.com twitter.com/aajkaanand facebook.com/aajkaanandhindi/ Date of Publication : Saturday 18-4-2020. RNI NO- 32038/79- Regd. No. PCW/083/ 2018-2020 Posted at Shivajinagar SO. Daily.

खबरें संक्षेप में

राशन कार्ड व आधार कार्ड न हों तो भी जरूरतमंदों को खाद्यान्न उपलब्ध कराएं : योगी

लखनऊ, 17 अप्रैल (वार्ता/वि.प्र.)

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी के पास राशनकार्ड व आधार कार्ड हो या न हो, वह शहर का नागरिक हो या गांव का, अगर वह जरूरतमंद है तो उसे खाद्यान्न अवश्य उपलब्ध कराया जाए. कम्यूनिटी किचन से जरूरतमंदों और शेल्टर होम के निराश्रितों को पहले की तरह ही भोजन मिलता रहे. यह सुनिश्चित करें कि प्रदेश में न तो कोई भूखा रहे और न ही भूखा सोए. मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को लोकभवन में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में लॉकडाउन की समीक्षा कर रहे थे. उन्होंने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण से उत्पन्न विशेष परिस्थितियों में गरीबों को राहत पहुंचाने के लिए प्रदेश में आगामी 30 जून तक सार्वजनिक वितरण प्रणाली का सार्वभौमिकरण किया जाए. उन्होंने घुमंतू समुदाय के लोगों को भी खाद्यान्न उपलब्ध कराने के निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन अवधि में प्रदेश सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर कम्युनिटी किचन और शेल्टर होम सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं. यह व्यवस्था आने वाले समय में भी जारी रखें. उन्होंने कालाबाजारी, मुनाफाखोरी और घटतौली के खिलाफ भी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए.

भारत में शुरू हुई प्लाज्मा थेरेपी, गंभीर रोगियों का होगा इलाज : मिलेगी राहत

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

भारत में कोविड-19 का इलाज करने के लिए प्लाज्मा थेरेपी का इस्तेमाल शुरू हो गया है. डॉक्टर कोरोना संक्रमण से मुक्त हो चुके 1600 लोगों के खून में मौजूद एंटीबॉडी का इस्तेमाल करके संक्रमितों का इलाज करेंगे. इस थेरेपी को कोरोना का संभावित इलाज माना जा रहा है. कॉन्वालेसेंट प्लाज्मा थेरेपी में खून में मौजूद प्लाज्मा, जिसमें वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी होती है, उसके जरिए उन मरीजों का इलाज किया जाता है जो गंभीर रूप से संक्रमण की चपेट में हैं. यह प्लाज्मा कोरोना संक्रमण से मुक्त हुए लोगों के खून से लिया जाता है. दरअसल, शरीर पर जब कोई वायरस हमला करता है तो शरीर उससे लड़ने के लिए एंटीबॉडी बनाता है, जिसका उपयोग करके दूसरे मरीजों को ठीक किए जाने की संभावना है.

रेलवे नुकसान की भरपाई के लिए कर सकता है कॉस्ट कटिंग : नहीं होंगी नई भर्तियां

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

लॉकडाउन के चलते भारी नुकसान की भरपाई के लिए रेलवे द्वारा कॉस्ट कटिंग (खर्च में कमी) के ट्रैक पर चलने की तैयारी की जा रही है. योजना के मुताबिक, रेलवे में ग्रुप 'डी' की नई भर्तियों पर पाबंदी लगेगी. सरप्लस रेल कर्मियों को सेवानिवृत्त किया जाएगा. इसके साथ ही, बड़े शहरों के टिकट काउंटर यानी पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) को बंद किया जाएगा. रेलवे दस्तावेजों के मुताबिक बुकिंग क्लर्क, सुपरवाइजर, टीटीई कैडर का समायोजन किया जाएगा. सूत्रों के अनुसार, लॉकडाउन से होने वाले दुष्प्रभाव को कम करने के लिए सभी 17 जोनल रेलवे से कॉस्ट कटिंग पर विचार-विमर्श किया जा रहा है. इसमें प्रमुख सुझावों में रेलवे के ग्रुप 'डी' की नई भर्तियों पर पूरी तरह से रोक लगाना है. इसमें चपरासी से लेकर गैंगमैन, ट्रैकमैन, प्वांइटमैन आदि शामिल है. इसके अलावा, विभिन्न रेलवे जोन में सफाई कर्मचारी, पार्सल पोर्टर आदि सरप्लस कर्मचारियों की छंटनी कर उन्हें सेवानिवृत्त करने का सुझाव दिया गया है. इसके अलावा ट्रेनों में सफाई के लिए ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग स्कीम (ओबीएचएस) का बजट 50 फीसदी कम करने को कहा गया है. मैनपावर कम करने के लिए रेलवे ने देश के बड़े रेलवे स्टेशन पर टिकट काउंटरों को पूरी तरह से बंद करने को कहा है. बुकिंग क्लर्क, सुपरवाइजर, टीटीई, टीसी कैडर का समायोजन करने की योजना है. ट्रैक मरम्मत कार्य में लगे रेल कर्मियों की संख्या कम कर ट्रैक मशीन व उपकरणों से काम करने की सलाह दी गई है. रेलवे अधिकारियों का कहना है कि कॉस्ट कटिंग को लेकर चर्चा हो रही है इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं किया गया है.

दुनिया में मौत का आंकड़ा बढ़कर 1 लाख 47 हजार हुआ

ब्रिटेन की राजकुमारी ने शाही शादी टाली : ब्राजील के राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य मंत्री को हटाया : 5 लाख 53 हजार ठीक

- अमेरिका के कम संक्रमण वाले इलाकों में पाबंदियों में धीरे-धीरे ढील दी जाएगी, जहां ज्यादा मरीज हैं, वहां प्रतिबंध लागू रहेंगे
- यूरोप में कोरोना से सबसे ज्यादा मौतें इटली में हुईं : संक्रमितों की संख्या भी 1 लाख 68 हजार से ज्यादा

वाशिंग्टन, 17 अप्रैल (वि.प्र.) वार्ता

दुनियाभर में कोरोना संक्रमण से अब तक 1 लाख 47 हजार 10 मौतें हो चुकी हैं. 21 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं, जबकि 5 लाख 53 हजार से ज्यादा मरीज स्वस्थ्य भी हुए हैं. 21 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं. इससे सबसे ज्यादा प्रभावित अमेरिका है, जहां 6 लाख 78 हजार 210 पॉजिटिव केस मिले हैं और 34 हजार से ज्यादा लोगों की जान गई है. अमरीका में मार्च से अब तक क़रीब दो करोड़ 10 लाख लोग बेरोज़गार हो गए हैं. ब्रिटेन में तीन सप्ताह के लिए लॉकडाउन बढ़ा दिया गया है.

ब्रिटेन की राजकुमारी और महारानी एलिजाबेथ की पोती बीट्रिस ने कोरोना को देखते हुए अपनी शाही शादी टाल दी है. बीट्रिस अपने मंगेतर इडोआर्डो के साथ शादी करने वाली थीं. इससे पहले मार्च में उन्होंने बकिंघम पैलेस में होने वाली रिसेप्शन भी कैंसल कर दी थी.

स्थानीय मीडिया ने बीट्रिस और उनके मंगेतर के प्रवक्ता के हवाले से बताया है कि कपल का शादी का स्थान बदलने का कोई इरादा नहीं है. दोनों फिलहाल शादी के बारे में सोच तक नहीं रहे. हालांकि,बकिंघम पैलेस ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है. बीट्रिस योर्क के ड्यूक प्रिंस एंड्रयू की बड़ी बेटी हैं. ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने लॉकडाउन को लेकर विवाद बढ़ने के बाद स्वाथ्य मंत्री लुइज हेनरिक मैन्डेटा को हटा दिया. बोल्सोनारो देश में संक्रमण रोकने के लिए पाबंदियां लागू करने के पक्ष में नहीं थे. मैन्डेटा को स्वास्थ्य मंत्री के पद से हटाने के बाद उन्होंने कहा कि मैन्डेट ने समय को देखते हुए एक डॉक्टर की तरह जो भी करना था, किया.

आइसोलेशन एक हकीकत बन गया, लेकिन हम ऐसे निर्णय नहीं ले सकते, जिससे काम पूरी तरह तबाह हो जाए. इससे पहले बोल्सोनारो ने कोरोना को एक मामूली फ्लू जैसी बीमारी बताया था.

इमिग्रेंट लेबर्स के लिए 200 करोड़

न्यूयॉर्क में संक्रमितों की संख्या 2 लाख 26 हजार 198 पहुंच गई है और 16 हजार 106 मौतें हुई हैं. इस बीच न्यूयॉर्क सिटी के मेयर बिल डी ब्लासियो ने प्रवासी मजदूर और उनके परिवार के लिए 20 मिलियन डॉलर (करीब 200 करोड़ रुपए) के फंड की घोषणा की . इससे 20 हजार से ज्यादा मजदूरों को फायदा होगा.

इस फंड की घोषणा ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के साथ मिलकर की गई है. न्यूयॉर्क में 15 मई तक लॉकडाउन बढ़ा दिया गया है. गवर्नर एंड्र्यू क्यूमो ने गुरुवार को यह जानकारी दी.

उन्होंने कहा कि हमने कोरोना पर काबू पा लिया है. संक्रमण की दर में गिरावट देखी जा रही है. इसके बावजूद हम ऐहतियात बरतेंगे.

वायरस न फैले, इसके लिए कड़ाई से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जाएगा. क्यूमो ने कहा कि अकेले न्यूयॉर्क में कैलिफोर्निया, फ्लोरिडा और मिशिगन से ज्यादा कोरोना टेस्ट किए गए हैं. हमने बीते एक महीने में करीब 5 लाख टेस्ट किए हैं.

अमेरिका ने भारत को 45 करोड़ दिए

अमेरिका ने भारत को स्वास्थ्य सहायता के तौर पर 5.9 मिलियन डॉलर (करीब 45 करोड़ रुपए) दिया है. अमेरिकी विदेश विभाग ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी.

फ्रांस : 1 लाख 47 हजार से ज्यादा करोना संक्रमित

यूरोप में कोरोना से सबसे ज्यादा मौतें इटली में ही हुई हैं. यहां अब तक 22 हजार से ज्यादा लोग दम तोड़ चुके हैं. वहीं, संक्रमितों की संख्या भी 1 लाख 68 हजार से ज्यादा है. यूरोप में सिर्फ स्पेन (182,816) ही इस मामले में उससे आगे है. फ्रांस में संक्रमितों की संख्या 1 लाख 47 हजार से ज्यादा है जबकि मृतकों का आंकड़ा 17 हजार 167 है.

पालघर : रात में घूम रहे 3 लोगों की पीट-पीट कर हत्या : 30 हिरासत में

- तीनों को कार से बाहर निकालकर ग्रामीणों ने पत्थर से हमला किया
- हॉस्पिटल तक पहुंचाने से पहले बुरी तरह जख्मी तीनों की मौत हो चुकी थी

मुंबई, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

पालघर जिले के कासा इलाके में गुरुवार रात को चोरी के शक में 3 लोगों की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई. ग्रामीणों ने इन्हें देर रात संदिग्ध हाल में एक कार में गांव में घूमते हुए पकड़ा और पत्थर और डंडों से हमला कर दिया. पुलिस के मुताबिक- हॉस्पिटल तक पहुंचाने से पहले तीनों की मौत हो चुकी थी. फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है. इस वारदात में तकरीबन 200 लोगों के शामिल होने का शक है शुक्रवार सुबह तक 30 लोगों को हिरासत में लिया गया है.

कासा पुलिस स्टेशन के निरीक्षक आनंदराव काले ने बताया- कर्फ्यू के दौरान गुरुवार को रात के 9.30 से 10 बजे के बीच यह घटना हुई है. तीनों की पहचान अभी तक नहीं की जा सकी है. शवों को पोस्टमार्टम के लिए पालघर के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है. जांच में सामने आया है कि तीनों एक कार से मुंबई से आए थे. यह कार गडचिंचाले के पास ढाबाड़ी-खानवेल मार्ग पर बरामद हुई है. काले ने बताया- जांच में यह भी सामने आया ही कि तीनों को कार से बाहर निकाला गया और उन पर पत्थर और लाठियों से हमला कर दिया. मरने से पहले तीनों में से किसी एक ने पुलिस स्टेशन में फोन करके इसकी जानकारी दी थी. जब तक पुलिस वहां पहुंची वह लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके थे. पुलिस ने बड़ी मुश्किल से उन्हें भीड़ से छुड़ाया और कासा गवर्नमेंट हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.

पाकिस्तान को बड़ी राहत : आईएमएफ द्वारा 1.4 अरब डॉलर देने की घोषणा

वाशिंग्टन, 17 अप्रैल (वि.प्र.)

कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए राहत की खबर है. कोरोना वायरस की वजह से आर्थिक संकट का सामना कर रहे पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए 1.4 अरब डॉलर की सहायता राशि मंज़ूरी की है. गुरुवार को आईएमएफ ने अपने बयान में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी बोर्ड ने रैपिड फाइनेंसिंग इंस्ट्रूमेंट (आरएफआई) के तहत पाकिस्तान की कोविड-19 से लड़ने के लिए खरीद जरूरतों को तत्काल पूरा करने के लिए करीब 1.4 अरब डॉलर की राशि स्वीकृत की गयी है.

उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप झेल रहे पाकिस्तान को स्वास्थ्य और राहत कार्य को मजबूती देने के लिए यह सहायता राशि मंजूर की गई है. उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य महामारी और इसके आर्थिक प्रभाव को कम करना है. बता दें कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कोरोना संकट से निपटने के लिए मदद की गुहार लगाई थी. पाकिस्तान में संक्रमण प्रभावितों की संख्या साढ़े छह हजार को पार कर गई जबकि अब तक 124 लोगों की मृत्यु हो चुकी है.

49 दिनों में कराची के कब्रिस्तानों में पंहुचे 3265 शव

पाकिस्तान के कराची में 20 फरवरी से लेकर 9 अप्रैल तक यानी 49 दिनों में 3265 लाशें पहुंची हैं. ये खुलासा शहर के प्रशासन के आंकड़ों से हुआ है. हालांकि इसको लेकर कोई ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है कि ये मौतें कोरोना वायरस के कारण हुई हैं या फिर प्राकृतिक हैं.

'एआईए' नियमावली में बदलाव करने के फिराक में पर्यावरण मंत्रालय

- विभिन्न संगठनों व विशेषज्ञों द्वारा कड़ी आपत्ति

पुणे, 17 अप्रैल (आ.प्र.)

केंद्र सरकार का पर्यावरण मंत्रालय, मौजूदा कोरोना संकट की स्थिति में पर्यावरण प्रभाव आकलन (एन्वायर्नमेंट इम्पैक्ट एसेसमेंट या ईआइए 2020) के संबंध में नियमावली में संशोधन के नाम पर बदलाव करने की फिराक में है तथा इस क्षेत्र से संबंधित घटकों से 12 मार्च से 60 दिनों के भीतर अपने-अपने सुझाव देने की अपील की है. खास तौर पर वर्तमान में संकट के हालात होने के बावजूद इसकी क्या अनिवार्य जरूरत है?

उक्त सवाल इस क्षेत्र की समझ रखने वाले लोगों, संगठनों व विशेषज्ञों द्वारा खड़ा किया जा रहा है. इस संबंध में इंडिया ग्रीन्स पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता व राष्ट्रीय सचिव संतोष शिंत्रे ने इस प्रक्रिया पर कड़ी आपत्ति जताई है. उन्होंने कहा, वर्तमान में कोविड संकट व्याप्त है और ऐसे में ईआईए 2020 नियमावली में बदलाव का प्रस्ताव देना गलत है. फिलहाल सभी संबंधित घटकों तक यह बदलाव पहुंचाकर उस पर निर्धारित समय में सुझाव, संशोधन व आपत्तियां दर्ज करना असंभव है. उन्होंने कहा कि इसके पीछे नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के पिछले कुछ वर्षों के निर्णय हटाकर नये नियम करने की मंशा नजर आ रही है. लॉकडाउन पूरी तरह हटने के बाद नया प्रस्ताव रखा जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि पर्यावरण विषयक नियमों की अवहेलना कर शुरू किये गये उद्योगों को बचाने का यह मामला है.

यदि कोई उद्योग खुद आगे आकर सरकारी सिस्टम को यह बताता है कि उसके द्वारा पर्यावरण से संबंधित नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो उसके खिलाफ दंड या कार्रवाई करने का प्रावधान प्रस्तावित नियम में है. अब बुनियादी बात यह है कि कोई भी उद्यमी स्वयं यह नहीं बतायेगा कि उसने नियम तोड़ा है.

1976 के बाद चीन की जीडीपी में सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (वि.प्र.वार्ता)

चीन की जीडीपी में 1976 की विनाशकारी सांस्कृतिक क्रांति के बाद से अब तक की सबसे बड़ी गिरावट आई है. वर्ष 2020 की पहली तिमाही में यह 6.8 फीसदी घट गई. इस दौरान कोरोना वायरस महामारी का मुकाबला करने के लिए उठाए गए अप्रत्याशित उपायों के चलते दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थम सी गई थी. चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) ने शुक्रवार को बताया कि 2020 की पहली तिमाही (जनवरी से मार्च) में चीन का सकल घरेलू उत्पाद 20,650 अरब युआन यानी करीब 2910 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 6.8 फीसदी की गिरावट दर्शाता है.

एनबीएस के आंकड़ों के अनुसार, इस तिमाही के पहले दो महीनों में 20.5 फीसदी की कमी आई. इस तरह तीसरे महीने में अपेक्षाकृत कुछ सुधार आया. चीन की अर्थव्यवस्था में 2019 में 6.1 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी.

आपदा के बीच देश में अब तक 1,767 मरीज ठीक

कुल 14,229 मामले : 24 घंटों में 1059 मरीज बढ़े : सेना में संक्रमण के सिर्फ 8 केस

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (वि.प्र.वार्ता)

देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 14,229 हो गई है. शुक्रवार को गुजरात में 92, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान में 38-38, महाराष्ट्र में 34, पश्चिम बंगाल में 24 मरीज, जबकि अंडमान-निकोबार में 1 मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव आई. इससे पहले गुरुवार को संक्रमण के 1 हजार 59 नए मामले सामने आए. देश में इस बीमारी के मरीजों का यह एक दिन में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है. इससे पहले 13 अप्रैल को सबसे ज्यादा 1 हजार 242 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, कुल 13,387 संक्रमित मरीजों में से अब 11 हजार 201 मरीजों का इलाज चल रहा है, जबकि 1,767 ठीक हो चुके हैं. अब तक 437 मौतें हुई हैं.

ये आंकड़े covid19india.org और राज्य सरकारों से मिली जानकारी के अनुसार हैं. वहीं, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक, देश में अब तक 13 हजार 387 कोरोना पॉजिटिव मिल चुके हैं. इनमें 11 हजार 201 मरीजों का इलाज चल रहा है, जबकि 1 हजार 748 ठीक हो चुके हैं. अब तक 437 मौतें हुई हैं.

सेना प्रमुख एमएम नरवणे ने शुक्रवार को बताया कि सेना में अभी तक संक्रमण के सिर्फ 8 मामले आए हैं. इनमें से 2 डॉक्टर हैं. 1 नर्सिंग असिस्टेंट है, जबकि 4 अन्य लोगों को भी काफी आराम है. लद्दाख में एक केस आया था. वह मरीज पूरी तरह ठीक हो गया है और उसने ड्यूटी भी ज्वाइन कर ली है.

27 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना वायरस फैल चुका है. केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली, चंडीगढ़, अंडमान-निकोबार, दादरा एवं नगर हवेली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और पुदुचेरी शामिल हैं.

सूरत में एक शादी में दूल्हा-दुल्हन मास्क पहने नजर आए. लॉकडाउन की वजह से शादियां या तो रद्द कर दी गई हैं या चंद लोगों की मौजूदगी में हो रही हैं.

दिल्ली में अब तक 1640 लोग संक्रमित हो गये हैं. 34 लोगों की हालत गंभीर है, जिन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है. इस बीच, केजरीवाल सरकार ने फैसला किया है कि कोरोना संकट के बीच किसी भी स्कूल को फीस बढ़ाने की इजाजत नहीं दी जाएगी. स्कूल 3 महीने की फीस नहीं मांगेंगे.

अर्थव्यवस्था में जान डालने...

(पेज 1 से आगे)

इससे पहले आरबीआई ने 27 मार्च को मॉनिटरी पॉलिसी रिव्यू में रेपो रेट में एक साथ 0.75 फीसदी की कटौती की थी.

केंद्रीय बैंक ने राज्यों के डब्ल्यूएमए लिमिट में 60 फीसदी की बढ़ोतरी की. आरबीआई ने एनपीए नियमों में बैंकों को 90 दिन की राहत दी. मोराटोरियम की अवधि को एनपीए में नहीं गिना जाएगा. बैंक मुनाफे से अगले निर्देश तक डिविडेंड नहीं देंगे. सिडबी को 15 हजार करोड़, एनएचबी को 10 हजार करोड़ और नाबार्ड को 25 हजार करोड़ मिलेंगे.

आरबीआई गवर्नर ने सिस्टम में नकदी संकट कम करने के लिए श्री लॉन्ग टर्म रेपो ऑपरेशंस (टीएलटीआरओ) शुरू किया है. केंद्रीय बैंक लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है कि फाइनेंशियल सिस्टम ठीक से काम कर रहा है या नहीं. टारगेटेड लॉन्ग टर्म रिफाइनेंसिंग ऑपरेशंस (टीएलटीआरओ) के जरिए क्रेडिट संस्थानों को फाइनेंसिंग मुहैया कराई जाती है. इसके तहत बैंकों को लंबे समय के लिए आकर्षक शर्तों पर फंडिंग मुहैया कराई जाती है. इससे बैंकों के पास उधारी के लिए अच्छी सुविधाएं होती हैं तो अर्थव्यवस्थाओं को कर्ज देने के लिए भी अच्छा मौका होता है. शेड्यूल कमर्शियल बैंक और दूसरे फाइनेंशियल संस्थानों को अतिरिक्त 20 फीसदी का प्रोविजन करना होगा. लोन अकाउंट के रेज्योलूशन की चुनौतियों को देखते हुए रेज्यूलूशन की अवधि को बढ़ाकर 90 दिन कर दिया गया है. डिफॉल्ट करने वाले बड़े लोन अकाउंट के रेज्योलूशन के लिए 180 दिनों का वक्त दिया जाएगा. 7 जून के सर्कुलर के तहत अतिरिक्त 20 फीसदी प्रोविजनिंग से छूट दी जाएगी. इसके साथ ही बैंक फिस्कल ईयर 2020 से अगले नोटिस तक डिविडेंड नहीं देंगे.

इसी तरह शेड्यूल कमर्शियल बैंकों के लिए लिक्विड कवरेज रेशियो (एलसीआर) 100 फीसदी से घटाकर 80 फीसदी कर दिया गया है. यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हुआ. अक्टूबर 2020 तक इसे बढ़ाकर 90 फीसदी किया जाएगा और अप्रैल 2021 तक इसे दोबारा 100 फीसदी कर दिया जाएगा. इस प्रणाली से 6.91 लाख करोड़ का सरप्लस होगा, जो बैंकों को अर्थव्यवस्था में इस सरप्लस का उपयोग करने की अनुमति देगा. आरबीआई ने सिडबी को 15 हजार करोड़, एनएचबी को 10 हजार करोड़ तथा नाबार्ड को 25 हजार करोड़ नकदी देने की घोषणा की.

महाराष्ट्र के 20 जिलों में...

कृषि आधारित उद्योगों को प्राथमिकता - देसाई ने कहा कि राज्य में कृषि आधारित उद्योगों को शुरू करने के लिए प्राथमिकता दी जाएगी. इससे किसानों को खरीफ फसल में मदद मिल सकेगा.

इन इलाकों में नहीं शुरू होंगे उद्योग

देसाई ने कहा कि राज्य में नागपुर, मुंबई, नई मुंबई, ठाणे, कल्याण- डोंबिवली, पनवेल, वसई-विरार, भिवंडी, पुणे- चिंचवड़ जैसे इलाकों में उद्योग नहीं शुरू होंगे. जबकि दूसरे इलाकों में स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन की राय और सुझाव लेकर परिस्थिति अनुरूप 21 तारीख तक उद्योग शुरू किए जाएंगे.

महाराष्ट्र में मृतकों की संख्या....

राज्य में 1 मार्च से 15 अप्रैल के बीच कुल 56 हजार 673 लोगों की कोरोना जांच हुई. इनमें से 52 हजार 762 टेस्ट निगेटिव आए. 15 अप्रैल की शाम तक राज्य में 71 हजार से ज्यादा लोगों को होम क्वॉरंटाइन किया गया है. वहीं, 6 हजार से ज्यादा लोगों किसी हॉस्पिटल या होटल में आइसोलेट किया गया है. महाराष्ट्र सरकार द्वारा संचालित ससून अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में कार्यरत तीन नर्स कोरोना संक्रमित पाई गई हैं. एक अधिकारी ने बताया कि नर्सों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है. साथ ही उक्त नर्सों के संपर्क में आए हॉस्पिटल स्टाफ को जांच के लिए सैंपल भेजे गए हैं. पुणे जिले के शिक्रापुर गांव में एक सोनोग्राफी सेंटर के डॉक्टर की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पिछले 6 दिनों के दौरान उनके सेंटर में आने वाले कई लोगों को क्वॉरंटाइन किया गया, जिनमें कई गर्भवती महिलाएं शामिल हैं. मुंबई में कोरोना पॉजिटिव गर्भवती महिलाओं के लिए एक अस्पताल अलग से तैयार किया गया है. मुंबई के घाटकोपर के राजवाड़ी हॉस्पिटल में कोरोना संक्रमित गर्भवती महिलाओं का इलाज होगा.